

ए कतिब ह लूका के दुवारा लखि गे हवय। ए कतिब ला लखि के खास कारन ए बताना ए क किइसने यीसू के पाछू चलइयामन पबतिर आतमा के अगुवाई म सुघर संदेस ला बगराईन। ओमन यरूसलेम सहर ले सुरू करनि अऊ जम्मो यहूदिया अऊ सामरिया प्रदेस अऊ धरती के छोर तक गीन। मसीही पंथ ह यहूदीमन के बीच म सुरू होईस अऊ जम्मो संसार के मनखेमन म फइल गीस। ए कतिब के लखिइया ह ए बात ला धियान देथे कि मसीही बसिवास ह परमेसर के यहूदीमन ले करे गे परतगियां के पूरा होवई ए। ए कतिब के खास बात पबतिर आतमा के काम ए। पनितेकुस्त के दिन, जब यीसू के चेलामन पराथना करत रहिन, त पबतिर आतमा ह सामरथ के संग ओमन ऊपर उतरसि अऊ सुरू ले आखरी तक पबतिर आतमा के ए काम अऊ सामरथ ला हमन देखथन। ए कतिब ला खाल्हे लखि भाग म बांटे जा सकथे।

यीसू के बारे म गवाही देय के तयारी 1:1-26

यीसू के आखरी हुकूम अऊ परतगियां 1:1-14

यहूदा इस्करियोती के जगह ले बर मत्तियाह के चुनाव 1:15-26

यरूसलेम सहर म गवाही देवई 2:1-8:3
यहूदिया अऊ सामरिया प्रदेस म गवाही देवई 8:4-12:25

पौलुस के सेवा 13-28

पौलुस के पहिली परचार यातरा 13-14
यरूसलेम सहर म प्रेरति अऊ अगुवामन संग बैठक 15:1-35

दूसरा परचार यातरा 15:36-18:22

तीसरा परचार यातरा 18:23-21:16

यरूसलेम, कैसरिया अऊ रोम म कैदी पौलुस 21:17-28:31

यीसू के स्वरगारोहन

1 हे थियुफलुस, मेंह अपन पहिली कतिब म ओ जम्मो गोठ के बारे म लखि हवंव, जऊन ला यीसू ह अपन सेवा के सुरूआत ले करे अऊ सखिाय रहिसि, 2जब तक कि ओह पबतिर आतमा के सामरथ ले प्रेरतिमन ला, जऊन ला ओह चुने रहिसि, हुकूम नई दे लीस अऊ परमेसर के दुवारा स्वरग म नई उठाय गीस। 3यीसू ह दुःख सहे के बाद, ए मनखेमन ला दखिसि अऊ बहुंत अकन पक्का सबूत दीस कि ओह जीयत हवय। ओह चालीस दिन तक ओमन ला दिखाई देते रहिसि अऊ परमेसर के राज के बारे म बताते रहिसि। 4एक बार, जब ओह ओमन के संग खाना खावत रहिसि, त ओह ओमन ला ए हुकूम दीस, “यरूसलेम सहर ला झन छोड़व, पर ओ बरदान के बाट जोहव, जेकर वायदा मोर ददा ह करे हवय अऊ जेकर बारे म तुमन मोर ले सुने हवव। 5यूहन्ना तो पानी ले बतसिमा दीस, पर थोरकन दिन के बाद, तुमन पबतिर आतमा ले बतसिमा पाहू।”

6जब ओमन जुरनि त यीसू ले पुछनि, “हे परभू, का तेंह इही घड़ी इसरायलीमन ला राज ला लहुंटा देबे?”

7यीसू ह ओमन ला कहसि, “ओ बेरा या तारखि ला, जऊन ला ददा ह अपनेच अधिकार म रखे हवय, तुमन के जाने के काम नो हय। 8पर जब पबतिर आतमा तुम्हर ऊपर आही, त तुमन सक्ती पाहू; अऊ यरूसलेम म, अऊ जम्मो यहूदा अऊ सामरिया म, अऊ धरती के छोर तक तुमन मोर गवाह होहू।”

9ए जम्मो बात कहे के बाद, यीसू ह ओमन के देखते-देखत परमेसर के दुवारा स्वरग म उठा लयि गीस, अऊ एक बादर ह ओला ओमन के आंखी ले छपिा लीस।

10जब ओमन यीसू के जावत बेरा ऊपर अकास कोर्ता देखत रहिन, त अचानक दू झन मनखे सफेद कपड़ा पहिर ओमन के बाजू म ठाढ़ हो गीन, 11अऊ ओमन कहनि, “हे गलील के मनखेमन, तुमन काबर अकास कोर्ता देखत इहां ठाढ़े हवव? एही यीसू,

जऊन ह तुमन करा ले स्वरग म उठा लयि गीस, ओहीच ढंग ले ओह फेर आही, जऊन ढंग ले ओला तुमन स्वरग कोर्ता जावत देखे हवव।”

यहूदा इस्करियोती के बदले म नवां प्रेरति मत्तियाह

12तब चेलामन जैतून पहाड़ ले यरूसलेम सहर लहुंट गीन। ए पहाड़ ह यरूसलेम ले एक बसिराम दनि के चलई के दूरहिा म हवव। 13जब ओमन यरूसलेम हबरनि, त ओमन ऊपर के कमरा म गीन जहिां ओमन ठहरे रहिनि। उहां ए चेलामन रहिनि—पतरस, यूहन्ना, याकूब, अन्दरयास, फलिप्पुस, थोमा, बरतुलमे, मत्ती, हलफई के बेटा याकूब, समीन जेलोतेस अऊ याकूब के बेटा यहूदा। 14ए जम्मो झन, अऊ माईलोगन अऊ यीसू के दाई मरियम अऊ ओकर भाईमन के संग एक चति होके पराथना करे म लगे रहंय।

15तब कुछू दनि के बाद, पतरस ह बसिवासीमन के बीच म (ओमन करीब एक सौ बीस झन रहिनि) ठाढ़ होके कहसि, 16“हे भाईमन हो, ए जरूरी रहिसि कि परमेसर के बचन ह पूरा होवय, जऊन ला पबतिर आतमा ह दाऊद के मुहं ले बहुंत पहिली यहूदा के बारे म कहे रहिसि, जऊन ह यीसू के पकड़वइयामन के अगुवा रहिसि। 17ओह हमन के संग गने गीस अऊ ए सेवा के काम म भागीदार होईस।” 18(ओह पाप के कमई ले एक ठन खेत बसोईस; उहां ओह मुड़ी के भार गरिसि; ओकर देहें ह फाट के खुल गे अऊ ओकर जम्मो पोटा ह बाहरि नकिर गीस। 19यरूसलेम म जम्मो झन एकर बारे म सुनिनि, एकरसेर्ता ओमन ओ खेत के नांव अपन भासा म “हकलदमा” रखनि, जेकर मतलब होथे—“लहू के खेत”)।

20पतरस ह आगे कहसि, “काबरका भजन संहतिा म ए लखिे हवय,

‘ओकर घर ह खाली हो जावय;

ओम कोनो झन रहय, अऊ ओकर सेवा के पद ला कोनो आने ह ले लेवय।’

21एकरसेर्ता जतेक दनि तक परभू यीसू ह हमर संग आवत जावत रहिसि, याने कि यूहन्ना के बतसिमा ले लेके यीसू के हमर करा ले ऊपर उठाय जावत तक—जऊन मनखेमन बरोबर हमर संग रहिनि; 22बने होतसि कि ओ मनखेमन ले एक झन ह हमर संग, यीसू के जी उठे के गवाह बन जातसि।”

23एकरसेर्ता ओमन दू झन के नांव लीन, यूसुफ जऊन ला बरसबा कहे जाथे (ओला युसतुस घलो कहे जावय) अऊ दूसर झन मत्तियाह। 24तब ओमन ए पराथना करनि, “हे परभू, तेंह हर एक झन के मन ला जानथस। हमन ला देखा कि ए दूनों म ले कोन ला तेंह चुने हवस 25कि ओह ए प्रेरतिई सेवा के पद ला लेवय, जऊन ला यहूदा ह छोंड़के ओ जगह म चले गीस जहिां ओला जाना चाही।” 26तब ओमन दूनों झन के नांव म चटिठी डारनि, अऊ चटिठी ह मत्तियाह के नांव म नकिरसि अऊ ओह गयारह प्रेरतिमन के संग म गने गीस।

पबतिर आतमा पनितेकुस्त के दनि आथे

2 जब पनितेकुस्त तहार के दनि आईस, त जम्मो चेलामन एक ठऊर म जुरे रहिनि। 2अचानक अकास ले एक बड़े गरेर सहीं सनसनाहट के अवाज होईस, अऊ ओ अवाज ले जम्मो घर ह, जहिां ओमन बईठे रहिनि, गूँज गीस। 3ओमन ला आगी के जीभमन सहीं फटत दिखनि, अऊ ओम के हर एक झन के ऊपर आके ठहर गीस। 4अऊ ओमन जम्मो झन पबतिर आतमा ले भर गीन अऊ जइसने पबतिर आतमा ह ओमन ला बोले के सामरथ दीस, ओमन आने-आने भासा म गोठियाय लगनि।

5ओ घरी धरती के हर एक देस ले आय परमेसर के भक्त यहूदीमन यरूसलेम सहर म रहत रहिनि। 6जब ओमन ए अवाज सुनिनि, त उहां एक भीड़ जुर गीस अऊ मनखेमन घबरा गीन, काबरका हर एक झन ला ए सुनई देवत रहिसि कि एमन मोरेच भासा म गोठियावत हवय। 7ओ जम्मो झन अचम्भो म पड़के पुछे लगनि, “देखव, ए जम्मो मनखे

जऊन मन गोठियावत हवय, का एमन गलील
प्रदेस के नो हय? 8त फेर कइसने हमन
जम्मो मनखेमन अपन-अपन जनम-भूमि के
भासा सुनत हवन? 9हमन के बीच म पारथी,
मेदी, एलामी मनखे हवय; अऊ हमन म ले
कोनो-कोनो मसिपुतामिया, यहूदिया अऊ
कप्पदुकिया, पुनतुस, एसिया, 10फरूगिया,
पंफूलिया, मसिर अऊ लबिया देस जऊन ह
कुरेन के लकठा म हवय, के रहइया अंय।
रोम ले आय मनखेमन (यहूदी अऊ यहूदी मत
म चलइया, दूनों), क्रेती अऊ अरबी घलो
हवय। 11पर हमन जम्मो ज्ञान अपन-अपन
भासा म एमन ले परमेसर के बड़े-बड़े काम
के चरचा सुनत हवन।” 12ओ जम्मो ज्ञान
अचम्भो म पड़के अऊ घबराके एक-दूसर
ला पुछे लगनि, “एकर का मतलब ए?”

13पर कुछ मनखेमन चेलामन के ठट्ठा
करनि अऊ ए कहनि, “एमन तो अंगूर के मंद
के नसा म हवय।”

पतरस के उपदेस

14तब पतरस ह गथिरह प्रेरतिमन के संग
ठाढ़ होईस अऊ ऊंचहा अवाज म भीड़ ला
ए कहसि, “हे संगी यहूदी अऊ यरूसलेम के
जम्मो रहइया मन, मोर गोठ ला कान लगाके
सुनव अऊ समझव। 15हमन नसा म नई अन,
जइसने कि तुमन समझत हवव, काबरका
अभी तो बहिन के नौ बजे हवय। 16पर एह
ओ बात ए, जऊन ला योएल अगमजानी के
द्वारा कहे गे रहिसि:

17“परमेसर ह कहथि, आखरी के दिन म
अइसने होही कि मेंह अपन आतमा
ला जम्मो मनखेमन ऊपर उड़ेरहूँ।

तुम्हर बेटा अऊ बेटी मन अगमबानी
करहीं।

तुम्हर जवानमन दरसन देखहीं,

अऊ तुम्हर सयानमन सपना देखहीं।

18मेंह अपन दास अऊ अपन दासी मन

ऊपर घलो ओ दिन म अपन

आतमा उड़ेरहूँ

अऊ ओमन अगमबानी करहीं।

19मेंह ऊपर अकास म अद्भुत काम

अऊ खाल्हे धरती म चनिहां,
याने कलिहू, आगी अऊ धुआं के
बादर देखाहूँ।

20परभू के महान अऊ महिमामय दिन के
आय के पहिली सूरज ह अंधियार
अऊ चंदा ह लहू सहीं हो जाही।

21अऊ जऊन ह परभू के नांव लही, ओह
उद्धार पाही।’

22हे इसरायलीमन हो, ए बात ला सुनव:
यीसू ह नासरत के रहइया एक मनखे रहिसि।
ओह परमेसर कोत ले आय रहिसि। ए बात
के सबूत ओकर सामरथ के काम, अचरज
के काम अऊ चनिहां ले परगट होथे, जऊन
ला परमेसर ह तुमन के बीच म ओकर दुवारा
करसि, जइसने कि तुमन खुदे जानत हवव।
23जब ओह परमेसर के ठहराय योजना अऊ
पूर्व गयान के मुताबिक पकड़वाय गीस,
त तुमन अधरमीमन के मदद ले ओला कुरुस
म चघाके मार डारिव। 24पर ओला परमेसर
ह मरितू के बंधना ले छोड़ाके जयाईस,
काबरका एह असंभव रहिसि कि ओह मरितू
के बस म रहय। 25बहुत पहिली दाऊद ह
लखि हवय कि मसीह ह अपन बारे म का
कहसि,

‘मेंह परभू ला हमेसा अपन आघू म देखत
रहेव, काबरका ओह मोर जेवनी
हाथ कोत हवय;

मेंह कभू डोलंव नई।

26एकरसेता मोर मन म खुसी हवय, अऊ
मोर जीभ ह आनंद परगट करथे;
मोर देहें घलो आसा म जीयत रहीही,
27काबरका तेंह मोर जीव ला पताल-लोक
म नई छोड़बे,

अऊ न अपन पबतिर जन (मसीह) ला
सड़न देबे।

28तेंह मोला जनिगी के रसता बताय हवस;
तेंह मोला अपन दरसन देके आनंद ले
भर देबे।’

29हे भाईमन हो, मेंह ओ कुल के मुखिया
दाऊद के बारे म तुमन ला बसिवास के
संग ए कह सकत हंव कि ओह तो मर

गीस, अऊ दफनाय घलो गीस अऊ ओकर कबर ह आज तक इहां हवय। 30पर ओह अगमजानी रहिसि अऊ ओह ए जानत रहिसि की परमेसर ह ओकर ले ए कसम खाय रहिसि; 'मेंह तोर बंस म ले एक झन ला तोर सधासन म बईटाहू।' 31ओह, का होवइया हवय एला जानके, मसीह के जी उठे के बारे म अगमबानी करसि, 'ओकर जीव ला पताल-लोक म नई छोड़े गीस अऊ न ओकर देहें ह सड़े पाईस।' 32एही यीसू ला परमेसर ह जयाईस, जेकर हमन जम्मो झन गवाह हवन। 33इहीच ढंग ले ओह परमेसर के जेवनी हांथ कोर्ता जम्मो ले बड़े पद पाईस। ददा (परमेसर) ले ओह पबतिर आतमा पाके, जेकर परतगियां करे गे रहिसि, ओह हमर ऊपर एला उंडेर दीस, जऊन ला तुमन देखत अऊ सुनत हवव। 34काबरकी दाऊद ह तो स्वरग म नई चघसि,

पर ओह ए कहसि,

'परभू ह मोर परभू ले कहसि:

35“मोर जेवनी हांथ कोर्ता बईठ;

जब तक कीमेंह तोर बईरीमन ला तोर गोड़ खाल्हे के चौकी नई बना देवव।”

36एकरसेती जम्मो इसरायली मनखेमन ए जरूर जान लेवय की ओही यीसू, जऊन ला तुमन कुरुस म चघाय रहेव, परमेसर ह ओला परभू अऊ मसीह दूनों ठहराईस।”

37तब सुनइयामन के हरिदय ह कलपे लगसि, अऊ ओमन पतरस अऊ बाकी प्रेरतिमन ले पुछे लगनि, “हे भाईमन हो, हमन का करन?”

38पतरस ह ओमन ला कहसि, “अपन पाप के पछताप करव, अऊ तुमन म ले, हर एक झन अपन-अपन पाप के छेमा खातिर यीसू मसीह के नांव म बतसिमा लेवव, तब तुमन पबतिर आतमा के दान पाहू। 39काबरकी ए परतगियां ह तुम्हर अऊ तुमन के संतान बर अऊ ओ जम्मो दूरहिा-दूरहिा के मनखेमन के खातिर घलो अय, जऊन मन ला हमर परभू परमेसर ह अपन लकठा म बलाही।”

40पतरस ह अऊ बहुते बात के दुवारा समझाईस अऊ ओमन ले बनिती करसि, “अपन-आप ला ए खराप मनखेमन ले बचावव।” 41तब जऊन मन पतरस के बात ला माननि, ओमन बतसिमा लीन, अऊ ओहीच दिन करीब तीन हजार मनखेमन ओमन के संग मलि गीन।

बसिवासीमन के संगती

42ओमन प्रेरतिमन ले सकिछा पाय लगनि, अऊ अपन-आप ला संगतीरिखे म, परभू भोज के रोटी टोरे म अऊ पराथना करे म मगन रखनि। 43जम्मो मनखेमन म डर हमा गे अऊ बहुते चमतकार के काम अऊ अद्भूत काम प्रेरतिमन के दुवारा होवत रहिसि। 44ओ जम्मो बसिवास करइयामन लगातार एक संग संगती करत रहिनि अऊ ओमन के जम्मो चीज म जम्मो झन के हक रहिसि।

45ओमन अपन-अपन संपत्ती अऊ सामान ला बेच-बेचके, जेकर जइसने जरूरत रहय वइसने बांट देवय। 46ओमन हर एक दिन एक मन होके मंदिर के अंगना म जुरंय, अऊ ओमन घर-घर म रोटी टोरत, खुसी अऊ नसिकपट मन ले एक संग खावत रहिनि। 47ओमन परमेसर के भजन करंय अऊ जम्मो मनखेमन ओमन ले खुस रहंय। अऊ जऊन मन उद्धार पावय, ओमन ला परभू ह हर दिन ओमन के संग मलिा देवत रहिसि।

पतरस ह एक झन खोरवा भखिमंगा ला बने करथे

3 एक दिन पतरस अऊ यूहन्ना मंझनियां के तीन बजे पराथना के बेरा मंदिर जावत रहिनि। 2मनखेमन एक जनम के खोरवा ला लावत रहिनि। ओमन ओला हर दिन मंदिर के सुन्दर नांव के दुवारी म बईटा देवय की ओह मंदिर म जवइयामन ले भीख मांगय। 3जब ओह पतरस अऊ यूहन्ना ला मंदिर म जावत देखसि, त ओमन ले भीख मांगसि। 4पतरस ह यूहन्ना के संग ओकर कोर्ता एकटक देखके कहसि, “हमर कोर्ता

देख।” 5ओह ओमन ले कुछू पाय के आसा म ओमन कोर्ता ताके लगसि।

6तब पतरस ह कहसि, “चांदी अऊ सोना तो मोर करा नई ए, पर जऊन चीज मोर करा हवय, मेंह तोला देवत हंव। यीसू मसीह नासरी के नांव म, तेह उठ अऊ रेंग।” 7पतरस ह ओकर जेवनी हांथ ला धरके ओला ठाढ़ होय म मदद करसि अऊ तुरते खोरवा के गोड़ अऊ एड़ी मन म बल आ गीस। 8ओह कूदके ठाढ़ हो गीस अऊ चले फरि लगसि। ओह चलत, कूदत अऊ परमेसर के भजन करत ओमन के संग मंदिर म गीस। 9जब जम्मो मनखेमन ओला चलत-फरित अऊ परमेसर के भजन करत देखनि, 10त ओमन ओला चनि डारनि कि एह ओहीच ए, जऊन ह मंदिर के सुन्दर नांव के दुवारी म बईठके भीख मांगे करत रहिसि, अऊ ओमन ओकर संग जऊन कुछू होय रहिसि, ओला देखके अचरज अऊ अचम्भो करनि।

पतरस ह भीड़ ले गोठियाथे

11जब ओ भखिमंगा ह पतरस अऊ यूहन्ना के संग रहय, त जम्मो मनखेमन बहुत अचरज करत सुलेमान के मंडप म ओमन करा दऊड़त आईन। 12एला देखके पतरस ह मनखेमन ला कहसि, “हे इसरायलीमन, तुमन ए मनखे ला देखके काबर अचरज करत हव? तुमन हमर कोर्ता अइसने काबर देखत हव कि मानो हमेच मन अपन सक्ती या भक्ती ले एला चले-फरि के लड़क बना दे हवन? 13अब्राहम, इसहाक, अऊ याकूब के परमेसर, हमर बाप-ददा मन के परमेसर ह अपन दास यीसू के महिमा करसि, जऊन ला तुमन मरवाय बर पकड़वाय रहेव। अऊ जब पीलातुस ह ओला छोड़ देके फैंसला करसि, त तुमन ओकर आघू म यीसू के इनकार करेव। 14तुमन ओ पबतिर अऊ धरमी जन के इनकार करेव, अऊ पीलातुस ले ए बनिती करेव कि एक हतयारा ला तुम्हर खातिर छोड़ देवय। 15तुमन जनिगी के देवइया ला मार डारेव, जऊन ला परमेसर ह मरे मन ले जियाईस, अऊ हमन ए बात के गवाह हवन।

16ओहीच यीसू के नांव म बसिवास के दुवारा, ए मनखे ह सक्ती पाईस, जऊन ला तुमन देखत अऊ जानत हवव। एह यीसू के नांव अऊ बसिवास, जऊन ह यीसू के दुवारा आथे, एला एकदम भला-चंगा कर दे हवय जइसने कि तुमन जम्मो देखत हवव।

17हे भाईमन हो, मेंह जानत हंव कि ए काम ला तुमन अगयानता म करेव अऊ वइसनेच तुम्हर अगुवामन घलो करनि। 18पर जऊन बातमन ला परमेसर ह जम्मो अगमजानीमन के दुवारा आघू ले बताय रहिसि कि ओकर मसीह ह दुःख उठाही, ओ बातमन ला ओह अइसने पूरा करसि। 19एकरसेती, अब तुमन अपन पापमन ले मन फरिावव अऊ परमेसर करा लहुंटव कि तुम्हर पापमन मटाय जावय, अऊ परभू करा ले आनंद मलिय, 20अऊ ओह ओ मसीह यीसू ला पठोवय, जऊन ह तुम्हर बर आघूच ले ठहराय गे हवय। 21ए जरूरी ए कि ओह स्वरग म ओ बखत तक रहय, जब तक कि ओह जम्मो बातमन के सुधार नई कर लेवय, जेकर बारे म परमेसर ह अपन पबतिर अगमजानीमन के दुवारा बहुत पहिली कहे रहिसि। 22जइसने मूसा ह कहे रहिसि, ‘परभू परमेसर ह तुम्हर अपन मनखेमन ले तुम्हर बर मोर सहीँ एक अगमजानी ठाढ़ करही; जऊन कुछू ओह तुम्हर ले कहय, तुमन ओकर जरूर सुनव। 23पर जऊन मनखे ओ अगमजानी के बात ला नई सुनही, ओह अपन मनखेमन ले पूरा-पूरी नास करे जाही।’

24वास्तव म, सामुएल अगमजानी ले लेके ओकर बाद अवइया जम्मो अगमजानीमन परमेसर के जऊन बचन कहे हवय, ओ जम्मो ज्ञान इहीच दनिमन के बारे म कहे हवय। 25तुमन अगमजानीमन के संतान अऊ ओ करार के संतान अव, जऊन ला परमेसर ह तुम्हर बाप-ददा संग करे रहिसि। ओह अब्राहम ले कहे रहिसि, ‘तोर बंस के दुवारा धरती के जम्मो मनखेमन आससि पाहीं।’ 26जब परमेसर ह अपन दास ला जियाईस, त ओह ओला पहिली तुम्हर करा पठोईस

का ओह तुमन ले हर एक ला ओकर बुरई ले बचाय के दुवारा आससि देवय।”

धरम महासभा के आधू म पतरस अऊ यूहन्ना

4 जब पतरस अऊ यूहन्ना मनखेमन ले गोठियावत रहनि, त पुरोहित, अऊ मंदिर के रखवारमन के अधिकारी अऊ सदूकी मन ओमन करा आईन। **2**ओमन बहुते गुस्सा करनि, काबरका पतरस अऊ यूहन्ना मनखेमन ला सखिवत रहनि अऊ यीसू के मरे म ले जी उठे के बारे म परचार करत रहनि। **3**ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला धरके दूसर दिन तक हवालात म रखनि, काबरका संझा हो गे रहिसि। **4**पर बचन के सुनइया बहुते झन बसिवास करनि, अऊ ओमन के गनती बढ़के पांच हजार मनखे के आस-पास हो गीस।

5दूसर दिन अधिकारी, अगुवा, कानून के गुरूमन **6**महा पुरोहित हन्नास अऊ काइफा, अऊ यूहन्ना, सकिन्दर अऊ महा पुरोहित के घर के मन यरूसलेम म जुरनि। **7**ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला मांझा म ठाढ़ करके ओमन ले पुछनि, “तुमन ए काम ला कोन सकृत्तिया काकर नांव ले करे हवय?”

8तब पतरस ह पबतिर आतमा ले भरके ओमन ला कहसि, “हे मनखेमन के अधिकारी अऊ अगुवामन! **9**ए खोरवा मनखे संग जऊन भलई करे गे हवय, आज हमन ले ओकर बारे म पुछताछ करे जावत हवय का ओह कइसने बने होईस, **10**तुमन अऊ जम्मो इसरायली मनखेमन एला जान लेवव का यीसू मसीह नासरी, जऊन ला तुमन कुरस ऊपर चघाय रहेव, पर परमेसर ह ओला मरे म ले जियाईस, ओकरे नांव म ए मनखे ह तुमहर आधू म चंगा होके ठाढ़े हवय।

11एह ‘ओही पथरा ए,

जऊन ला तुम राज मस्त्रीमन बेकार समझेव,
पर ओह कोना के मुख पथरा बन गीस।’

12कोनो आने के दुवारा उद्धार नई मलिय, काबरका स्वरग के खाल्हे, मनखेमन ला अऊ कोनो आने नांव नई दयि गीस, जेकर दुवारा हमन उद्धार पा सकन।”

13जब ओमन पतरस अऊ यूहन्ना के हमिमत ला देखनि अऊ ए जाननि का एमन अनपढ़ अऊ सधारन मनखे अंय, त ओमन अचरज करनि। अऊ ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला चनि डारनि का एमन यीसू के संग म रहनि। **14**पर ओमन ओ मनखे ला जऊन ह चंगा होय रहिसि, ओमन के संग ठाढ़े देखके बरिोध म कुछू नई कह सकनि। **15**पर ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला धरम महासभा ले बाहिर जाय के हुकूम दीन अऊ फेर ओमन आपस म बचिर करन लगनि, **16**“हमन ए मनखेमन के संग का करन? काबरका यरूसलेम के जम्मो रहइयामन जानत हवय का एमन एक बहुते बड़े चमतकार के काम करे हवय, अऊ हमन एला इनकार नई कर सकन। **17**पर ए बात ह मनखेमन म अऊ जादा झन फइले, एकरसेति हमन एमन ला चेता देवन का एमन फेर कोनो मनखे ले ए नांव लेके झन गोठियावय।”

18तब ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला फेर भीतर बलाके हुकूम दीन का यीसू के नांव म न तो कुछू बोलव अऊ न कुछू सीखेवव। **19**पर पतरस अऊ यूहन्ना ओमन ला जबाब दीन, “तुहीच मन नियाय करव का का एह परमेसर के नजर म ठीक ए का हमन परमेसर के बात ला छोड़के तुमहर बात ला मानन। **20**ए हमर ले नई हो सकय का जऊन ला हमन देखे अऊ सुने हवन, ओकर बारे म झन गोठियावन।”

21तब ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला धमकाके छोड़ दीन। ओमन दंड देय के बारे म कुछू फैसला नई कर सकनि, काबरका जऊन घटना होय रहिसि, ओकर खातिर जम्मो मनखेमन परमेसर के इस्तुति करत रहनि। **22**ओ मनखे जऊन ह अद्भूत ढंग ले बने होय रहिसि, ओह चालीस साल ले जादा उमर के रहिसि।

बसिवासीमन के पराथना

23 पतरस अऊ यूहन्ना उहां ले छूटके अपन संगीमन करा आईन अऊ महा पुरोहित अऊ अगुवामन के कहे ओ जम्मो बात ओमन ला बताईन। 24 एला सुनके ओमन के संगीमन एक मन होके, चचिया-चचियाके परमेसर ले ए पराथना करनि, “हे मालकि, तेंह स्वरग अऊ धरती अऊ समुंदर अऊ जऊन कुछ ओम हवय, ओ जम्मो ला बनाय हवस। 25 तेंह पबतिर आतमा के दुवारा अपन दास हमर पुरखा दाऊद के मुहूं ले ए कहय:

‘आनजातमन हो-हल्ला काबर मचाथें?

अऊ मनखेमन काबर बेकार म
सडयंत्र करथें?

26 परभू परमेसर अऊ ओकर मसीह के
बरीध म धरती के राजामन ठाढ़
होथें।

अऊ अधिकारीमन एक संग जुरथें।’

27 सही म, तोर पबतिर सेवक यीसू, जऊन ला तेंह अभसिक करे हवस, ओकर बरीध म, हेरोदेस अऊ पुन्तयुस पीलातुस, आनजात अऊ इसरायलीमन के संग ए सहर म सडयंत्र करे बर जुरनि, 28 अऊ ओमन ओहीच काम करनि जऊन ह पहिली ले तोर सामरथ अऊ ईछा म ठहराय गे रहिसि।

29 अब हे परभू, ओमन के धमकी ला धयान दे अऊ अपन दासमन के मदद कर की तोर बचन ला बड़े हमिमत के संग बोलय। 30 चंगा करे बर अपन हांथ ला बढ़ा अऊ अद्भूत चनिहां अऊ चमतकार के काम तोर पबतिर सेवक यीसू के नांव म कर।”

31 जब ओमन पराथना कर चुकनि, त ओ जगह जहिं ओमन जुरे रहिनि, डोल गीस, अऊ ओमन जम्मो इन पबतिर आतमा ले भर गीन अऊ परमेसर के बचन ला हमिमत के संग सुनाईन।

बसिवासीमन के सामूहिक जनिगी

32 जम्मो बसिवास करइयामन एक हरिदय अऊ एक चित के रह्य। इहां तक की कोनो अपन संपत्ती ला अपन नई कहय, पर जम्मो इन के संपत्ती म जम्मो इन के हक

रहय। 33 प्रेरतिमन बड़े सामरथ ले परभू यीसू के जी उठे के गवाही देवत रहिनि अऊ ओ जम्मो के ऊपर परभू के अब्बड़ अनुग्रह रहिसि। 34 ओमन म कोनो गरीब नई रहिनि, काबरकी जेमन करा जमीन या घर रहिसि, ओमन ओला समय-समय म बेंचके, ओकर दाम ला लानय अऊ ओला प्रेरतिमन के गोड़ म मढ़ा देवय, 35 अऊ जइसने जेकर जरूरत रहय, वइसने ढंग ले, हर एक ला बांट देवत रहिनि।

36 यूसुफ नांव के एक मनखे रहिसि; ओह लेवी बंस के रहिसि, अऊ साइप्रस दीप के रहइया रहिसि। प्रेरतिमन ओकर नांव बरनबास (जेकर मतलब उत्साहित करइया के बेटा होथे) रखे रहिनि। 37 ओह अपन एक ठन खेत ला बेंचिसि अऊ ओ रकम ला लानके प्रेरतिमन के गोड़ म मढ़ा दीस।

हनन्याह अऊ सफीरा

5 हनन्याह नांव के एक मनखे रहिसि। ओह अऊ ओकर घरवाली सफीरा अपन कुछू भुइयां ला बेचनि। 2 हनन्याह ह ओकर दाम म ले कुछू रकम अपन करा रख लीस अऊ ए बात ला ओकर घरवाली घलो जानत रहिसि। ओह रकम के एक भाग ला लानके प्रेरतिमन के गोड़ करा मढ़ा दीस।

3 तब पतरस ह कहिसि, “हे हनन्याह, सैतान ह तोर मन म, ए बात ला डारसि की तेंह पबतिर आतमा ले लबारी मारय अऊ जमीन म के कुछू रकम ला अपन करा रख ले हवस। 4 जब जमीन ह नई बेचाय रहिसि, त का ओह तोर नई रहिसि? अऊ जब बेचा गे, त पईसा ह का तोर अधिकार म नई रहिसि? तेंह ए बात ला अपन मन म काबर सोचय? तेंह मनखे ले नई, पर परमेसर ले लबारी मारे हवस।”

5 ए बात ला सुनतेच ही हनन्याह ह गरि पड़िसि अऊ मर गीस। एला देखके जम्मो सुनइयामन अब्बड़ डर्रा गीन। 6 पर जवानमन उठके ओकर लास ला कपड़ा म लपेटनि अऊ बाहरि म ले जाके ओला माटी दे दीन। 7 लगभग तीन घंटा के पाछू ओकर

घरवाली ह पतरस करा घर के भीतर आईस। जऊन कुछू होय रहिसि, ओह ओला नई जानत रहिसि। 8पतरस ह ओकर ले पुछसि, “मोला बता, का तें अऊ तोर घरवाला ओ जमीन ला अतकेच म बेंचे रहेव?” त ओह कहसि, “हां, अतकेच म बेंचे रहें।”

9पतरस ह ओला कहसि, “ए का बात ए का तुमन दूनों परभू के आतमा ला परखे बर एका करे रहेव? देख, तोर घरवाला ला माटी देवइयामन दुवारीच म ठाढ़े हवय, अऊ ओमन तोला घलो बाहरि ले जाहीं।” 10तब ओह तुरते ओकर गोड़ तरी गरि पड़सि अऊ ओह घलो मर गीस। तब जवानमन भीतर आके ओला मरे पाईन, अऊ बाहरि ले जाके ओला ओकर घरवाला के लकठा म माटी दे दीन। 11अऊ जम्मो कलीसिया ऊपर अऊ ए बात के जम्मो सुनइयामन ऊपर अब्बड़ डर हमा गे।

प्रेरतिमन कतको बेमरहामन ला बने करथें

12प्रेरतिमन बहुते चमतकार अऊ अचरज के काम मनखेमन के बीच म करत रहिनि। अऊ ओमन जम्मो इन एक दल होके राजा सुलेमान के मंडप म जुरय। 13पर आने मनखेमन ले काकरो ए हमिमत नई होवत रहिसि का आके ओमन के संग मलि जावय। तभो ले मनखेमन ओमन के बहुत बड़ई करत रहिनि। 14परभू म बसिवास करइया अब्बड़ मनखे अऊ माईलोगनमन कलीसिया म मलित रहिनि। 15इहां तक का मनखेमन बेमरहामन ला सड़क ऊपर लान-लानके खटया अऊ चटई मन म सुता देवत रहिनि का जब पतरस ह आवय, त कम से कम ओकर छइहां ह ओम के कुछू इन ऊपर पड़ जावय। 16यरूसलेम के आस-पास के नगर ले घलो कतको मनखेमन बेमरहा अऊ परेत आतमा के सताय मन ला लानय, अऊ ओ जम्मो इन बने हो जावत रहिनि।

प्रेरतिमन ला सताय जाथे

17तब महा पुरोहित अऊ ओकर जम्मो संगवारी जऊन मन सदूकीमन के दल के रहिनि, जलन करे लगनि। 18ओमन

प्रेरतिमन ला पकड़के जेल म डाल दीन। 19पर ओ रतहिया परभू के एक स्वरगदूत ह जेल के कपाटमन ला खोलके ओमन ला बाहरि ले आईस। 20अऊ ओमन ला कहसि, “जावव, मंदिर म ठाढ़ होके ए नवां जनिगी के जम्मो बात मनखेमन ला सुनावव।”

21जइसने ओमन ला कहे गे रहिसि, ओमन बहिनियां होतेच ही मंदिर म जाके मनखेमन ला उपदेस देवन लगनि। जब महा पुरोहित अऊ ओकर संगीमन आईन, त ओमन धरम-महासभा जऊन ह इसरायलीमन के मुखियामन के पंचायत रहिसि, बलाईन अऊ जेल ला संदेस पटोईन का प्रेरतिमन ला ओमन करा लाने जावय। 22पर जब सपिाहीमन जेल म हबरनि, त ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला उहां नई पाईन। तब ओमन लहुंटके बताईन, 23“हमन जेल ला बड़े हफिजत ले बंद अऊ पहरेदारमन ला बाहरि कपाटमन म ठाढ़े पाएन, पर जब हमन कपाटमन ला खोलेन त भीतर म हमन ला कोनो नई मलिनि।” 24जब मंदिर के सपिाहीमन के अधिकारी अऊ मुखिया पुरोहितमन ए बात ला सुनि, त चिता करके सोचे लगनि का ए होवइया हवय?

25तब एक इन आके ओमन ला बताईस, “देखव, जऊन मन ला तुमन जेल म बंद करे रहेव, ओमन मंदिर के अंगना म ठाढ़ होके मनखेमन ला उपदेस देवत हवय।” 26तब अधिकारी ह अपन सपिाहीमन संग गीस अऊ प्रेरतिमन ला ले आईस। ओमन बल के उपयोग नई करनि, काबरका ओमन डर्रावत रहिनि का कहूं मनखेमन ओमन ला पथरा फेंकके मार इन डारय।

27ओमन प्रेरतिमन ला लानके धरम-महासभा के आधू म ठाढ़ करनि। तब महा पुरोहित ह ओमन ले पुछसि, 28“का हमन तुमन ला चेतउनी देके ए हुकूम नई दे रहें का तुमन ए नांव म उपदेस इन देवव? तभो ले, तुमन जम्मो यरूसलेम सहर ला अपन उपदेस ले भर दे हवव, अऊ ओ मनखे के हतिया के दोस हमर ऊपर लाने चाहत हव।”

29तब पतरस अऊ आने प्रेरतिमन जबाब

दीन, “मनखेमन के हुकूम ले बढ़के परमेसर के हुकूम ला मानना हमर काम ए। 30हमर पुरखामन के परमेसर ह यीसू ला मरे म ले जियाईस, जऊन ला तुमन कुरस म लटकाके मार डारे रहेव। 31ओहीच ला परमेसर ह अगुवा अऊ उद्धार करइया ठहराके अपन जेवनी हांथ कोतल सबले बड़े जगह दीस, ताकि ओह इसरायलीमन ला ओमन के पाप ले मन फराय के सकत अऊ ओमन के पाप के छेमा देवय। 32हमन ए बातमन के गवाह हवन अऊ पबतिर आतमा घलो गवाह हवय, जऊन ला परमेसर ह ओ मनखेमन ला दे हवय, जऊन मन ओकर हुकूम मानथें।”

33एला सुनके ओमन अब्बड़ गुस्सा करनि अऊ ओमन प्रेरतिमन ला मार डारे चाहनि। 34पर गमलीएल नांव के एक फरीसी जऊन ह कानून के गुरु रहिसि अऊ जम्मो मनखेमन ओकर आदर करंय। ओह धरम-महासभा म ठाढ़ होके प्रेरतिमन ला थोरकन देर बर बाहरि कर देय के हुकूम दीस 35अऊ ओह कहिसि, “हे इसरायलीमन, जऊन कुछ तुमन ए मनखेमन के संग करे चाहत हव, ओला सोच-समझके करव। 36कुछ समय पहिली थियूदास ह ए कहत उठे रहिसि कि ओह घलो कुछ अय अऊ करीब चार सौ मनखेमन ओकर संग हो लीन। पर ओह मार डारे गीस, अऊ जतका मनखेमन ओला मानत रहिनि, ओ जम्मो इन एती-ओती हो गीन। 37ओकर बाद मनखेमन के गनती होय के दिन म गलील प्रदेश के यहूदा ह उठसि। ओह घलो कुछ मनखेमन ला अपन संग कर लीस। पर ओह घलो मार डारे गीस। अऊ जतका मनखेमन ओला मानत रहिनि, ओ जम्मो इन एती-ओती हो गीन। 38एकरसेर्ता मेंह तुमन ला कहत हंव कि ए मनखेमन ले दूरहा रहव, अऊ ओमन ला अकेला छोड़ देवव, काबरकि कहुँ ओमन के ए काम मनखेमन कोतले अय, त आपे-आप बंद हो जाही। 39पर कहुँ एह परमेसर कोतले अय, तब तुमन ओमन ला कइसने घलो करके नई रोक सकव। अऊ अइसने इन होवय

कि तुमन परमेसर ले अपन-आप ला लड़त पावव।”

40तब ओमन गमलीएल के बात ला मान लीन अऊ प्रेरतिमन ला बलाईन अऊ ओमन ला कोर्ग म पटिवाईन, अऊ ए हुकूम देके छोड़ दीन कि यीसू के नांव म फेर कभू बात इन करहिव।

41प्रेरतिमन ए बात म खुस होईन कि ओमन यीसू के नांव के खातिर नरिादर होय के काबलि ठहरनि, अऊ ओमन खुसी मनावत धरम-महासभा ले बाहरि चले गीन। 42पर ओमन हर एक दिन मंदिर म अऊ घर-घर म उपदेस करे बर, अऊ ए बात के सुघर संदेस सुनाय बर बंद नई करनि कि यीसू ह मसीह अय।

सात सेवकमन के चुनाव

6 ओ दिन म जब चेलांमन के गनती ह अब्बड़ बढ़त रहिसि, तब यूनानी भासा बोलइया यहूदीमन इबरानी भासा बोलइयामन के सकायत करे लगनि। ओमन कहनि, “हर दिन के भोजन बंटई म हमर बधिवामन के धयान नई दयि जावत हवय।” 2एकरसेर्ता ओ बारह प्रेरतिमन जम्मो चेलांमन के मंडली ला अपन करा बलाके कहनि, “एह ठीक नो हय कि हमन परमेसर के बचन सुनाना छोड़के, खवाय-पीयाय के काम म लगे रहन। 3एकरसेर्ता हे भाईमन! अपन बीच म ले सात इन ला जऊन मन पबतिर आतमा अऊ बुद्धी ले भरपूर हवय, चुन लेवव कि हमन ओमन के हांथ म ए बुता ला सऊं प देवन। 4पर हमन तो पराथना अऊ परमेसर के बचन के सेवा म लगे रहबि।”

5ए बात जम्मो मंडली ला बने लगसि अऊ ओमन सूतफिनूस नांव के एक मनखे ला चुनि, जऊन ह बसिवास अऊ पबतिर आतमा ले भरपूर रहय। एकर संग ओमन फलिपिपुस, प्रखुरूस, नीकानोर, तीमोन, परमनास अऊ अंताकिया के रहइया नीकुलाऊस ला जऊन ह यहूदी बसिवास म आगे रहिसि, चुन लीन। 6ओमन एमन ला

प्रेरतिमन के आधू म लाननि अऊ प्रेरतिमन पराथना करके ओमन ऊपर हांथ रखनि।

7 अऊ परमेसर के बचन बगरत गीस अऊ यरूसलेम सहर म चेलावन के गनती अबूबड बढ़त गीस। पुरोहितमन घलो बहुत बड़े संख्या म ए मत के मनइया बन गीन।

स्तफिनस के गरिफतारी

8 स्तफिनस ह परमेसर के अनुग्रह अऊ सकृती ले भरपूर होके मनखेवन के बीच म बड़े-बड़े अचरज के काम अऊ चमत्कार के चनिहां देखावत रहिसि। 9 तभो ले सुतंतर मनखेवन के सभा-घर के सदस्यवन ओकर बरिध करनि। ओमन ए रहिनि—कुरेन, सकिन्दरिया अऊ संग म कलिकिया अऊ एसिया प्रदेश के यहूदीवन। ए मनखेवन स्तफिनस के संग बविद करन लगनि। 10 पर ओमन ओकर गयान अऊ पबतिर आतमा के सामना नई कर सकनि; जेकर सकृती ले ओह गोठियावत रहिसि।

11 तब ओमन कुछू मनखेवन ला चुपेचाप अपन कोर्ता कर लीन, जऊन मन ए कहे लगनि, “हमन एला मूसा अऊ परमेसर के बरिध म ननिदा करत सुने हवन।” 12 ए कसिम ले ओमन मनखेवन ला अऊ अगुवामन ला अऊ कानून के गुरूमन ला भड़काईन अऊ ओमन स्तफिनस ला पकड़के धरम-महासभा म ले गीन। 13 ओमन लबरा गवाह खड़े करनि, जऊन मन ए कहनि, “ए मनखे ह पबतिर जगह (मंदिर) अऊ मूसा के कानून के बरिध म हमेसा बोलत रहथि। 14 हमन एला ए कहत सुने हवन का नासरत के यीसू ह ए मंदिर ला गरि दहिनी अऊ ओ रीत-रिवाज मन ला बदल दहिनी, जऊन ला मूसा ह हमन ला सऊंपे हवय।”

15 तब धरम-महासभा म बईठे जम्मो इन स्तफिनस ला टकटकी लगाके देखनि अऊ ओमन ला ओकर चेहरा ह स्वरगदूत के चेहरा सहीं देखित रहिसि।

धरम-महासभा के आधू म स्तफिनस

7 तब महा पुरोहित ह स्तफिनस ले पुछसि, “का तोर ऊपर लगाय गे

दोसवन सच अंय?” 2 स्तफिनस ह जबाब दीस, “हे भाई अऊ ददा मन हो, सुनव! हमर पुरखा अब्राहम ह हारान देस म रहे के पहिली मसिपुतामिया म रहत रहिसि, तब महिमामय परमेसर ह ओला दरसन दीस, 3 अऊ अब्राहम ला कहसि, ‘तैं अपन देस अऊ अपन कुटुम्ब ला छोड़के ओ देस म चले जा, जऊन ला मेंह तोला देखाहूँ।’

4 तब ओह कसदीमन के देस ले नकिरके हारान म जाके बस गीस। ओकर ददा के मरे के बाद, परमेसर ह ओला उहां ले लानके ए देस म बसाईस, जहिं अब तुमन रहत हवत। 5 परमेसर ह इहां अब्राहम ला कुछू जायदाद नई दीस। इहां तक का गोड़ मदाय के ठऊर घलो नई। पर परमेसर ह ओकर ले वायदा करसि, ‘मेंह ए देस ला, तोर अऊ तोर पाछू तोर बंस के अधिकार म कर दूहूँ।’ जबका ओ समय अब्राहम के कोनो लइका नई रहिसि। 6 परमेसर ह ओला ए घलो कहसि, ‘तोर संतानमन आने देस म परदेसी होहीं। ओमन गुलाम बनाय जाहीं अऊ चार सौ साल तक ओमन के ऊपर अतियाचार करे जाही।’ 7 फेर परमेसर ह कहसि, ‘जऊन देस के ओमन गुलाम होहीं, ओ देस ला मेंह सजा दूहूँ, अऊ एकर बाद ओमन ओ देस ले नकिरके इही ठऊर म मोर सेवा करहीं।’

8 तब परमेसर ह अब्राहम ले खतना कराय के वाचा (करार) बांधसि। अऊ अब्राहम के बेटा इसहाक पैदा होईस। ओकर जनम के आठ दिन के पाछू ओकर खतना करे गीस। इसहाक ले याकूब अऊ याकूब ले बारह कुल के मुखियामन पैदा होईन।

9 याकूब के बड़े बेटामन छोटे बेटा यूसुफ ले जलन रखे लगनि अऊ ओला मसिर देस जवइयामन के हांथ म गुलाम के रूप में बेंच दीन। पर परमेसर ह यूसुफ के संग रहय। 10 अऊ परमेसर ह ओला, ओकर जम्मो दुःख-तकलीफ ले छुडाके, बुद्धी दीस अऊ मसिर के राजा फरीन के मन जीते के काबलि बनाईस। फरीन राजा ह ओला मसिर देस अऊ अपन जम्मो महल ऊपर सासन करइया ठहराईस।

11तब जम्मो मसिर अऊ कनान देस म अकाल पड़सि, जेकर खातिर मनखेमन के ऊपर भारी संकट आ गीस, अऊ हमर पुरखामन ला खाय बर अन्न नई मलिसि। 12जब याकूब ह ए सुनसि कि मसिर देस म अनाज हवय, त ओह हमर पुरखामन ला पहिली बार पठोईस। 13जब ओमन दूसर बार आईन, त यूसुफ ह अपन भाईमन ला बताईस कि ओह कोन ए अऊ फरीन राजा ह यूसुफ के कुटुम्ब के बारे म जानसि। 14तब यूसुफ ह अपन ददा याकूब अऊ अपन जम्मो कुटुम्ब ला, जऊन मन पचहत्तर मनखे रहिनि, अपन करा मसिर देस म बलाईस। 15तब याकूब ह मसिर देस गीस, जहिं ओह अऊ हमर पुरखामन मर गीन। 16ओमन के लासमन ला सेकेम सहर म वापसि लाने गीस अऊ ओ कबर म रखे गीस, जऊन ला अब्राहम ह सेकेम म हमोर के बेटामन ले पईसा देके बसोय रहिसि।

17जब ओ परतगियां के पूरा होय के समय लकठा आईस, जऊन ला परमेसर ह अब्राहम ले करे रहिसि, त ओ समय मसिर देस म हमर मनखेमन के संख्या बहुत बढ़ गे रहय। 18तब मसिर देस म एक आने झन राजा होईस, जऊन ह यूसुफ के बारे म कुछ नई जानत रहिसि। 19ओह हमर मनखेमन ले छल-कपट करसि अऊ हमर पुरखामन के ऊपर बहुत अतियाचार करसि अऊ दबाव डालसि कि ओमन अपन नवां जनमे लइकामन ला मरे बर बाहरि फटकि देवय।

20ओही समय म मूसा के जनम होईस अऊ ओह बहुत सुघर रहिसि। ओह तीन महिना तक ले अपन ददा के घर म पाले-पोसे गीस। 21पर जब ओह फटकि दयि गीस, त फरीन के बेटी ह ओला ले लीस, अऊ अपन बेटा बनाके ओला पालसि-पोससि। 22मूसा ला मसिर देस के जम्मो गयान सखाय-पढ़ाय गीस। ओह बात अऊ काम करे म सामरथी रहिसि।

23जब मूसा ह चालीस साल के होईस, त अपन मन म कहसि कि मेंह अपन इसरायली भाईमन ले मुलाकात करंव। 24मूसा ह अपन

एक जाति-भाई के ऊपर अनयाय होवत देखके ओला बंछाईस अऊ ओ मसिरी मनखे ला मारके बदला लीस, जऊन ह अनयाय करत रहय। 25मूसा ह सोचसि कि मोर जाति-भाईमन समझहीं कि परमेसर ह मोर दुवारा ओमन के जान बंछाही, पर ओमन नई समझनि। 26दूसर दिन जब दू झन इसरायलीमन आपस म लड़त रहिनि, त मूसा ह उहां आईस अऊ ए कहके ओमन म मेल कराय के कोससि करसि, 'ए मनखेमन! तुमन त भाई-भाई अव; एक दूसर के संग काबर लड़त हवव?'

27पर जऊन इसरायली ह दूसर ऊपर अनयाय करत रहिसि, ओह ए कहके मूसा ला हटा दीस कि तोला कोन ह हमर ऊपर हाकमि अऊ नयाय करइया ठहराय हवय। 28का तेंह जइसने कल एक झन मसिरी मनखे ला मार डारे, वइसने मोला घलो मार डारे चाहत हवस। 29ए बात ला सुनके मूसा ह उहां ले भाग गीस अऊ मदियान देस म आके परदेसी सहीं रहे लगसि। उहां ओकर दू झन बेटा पैदा होईन।

30जब चालीस साल बीत गे, तब एक स्वरगदूत ह सीनै पहाड़ के लकठा म नरिजन प्रदेश म मूसा ला बरत झाड़ी के आगी म दरसन दीस। 31मूसा ह ओ दरसन ला देखके अचम्भो करसि। जब ओह ओला देखे बर अऊ लकठा म गीस, तब ओह परभू के ए अवाज सुनसि, 32'मेंह तोर पुरखा—अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब के परमेसर अंव।' एला सुनके मूसा ह डर के मारे कांपे लगसि, अऊ ओह ऊपर देखे के घलो हम्मिमत नई करसि।

33तब परभू ह मूसा ला कहसि, 'अपन पांव के पनही ला उतार, काबरकि जऊन ठऊर म तेंह ठाढ़े हवस, ओह पबतिर भुइयां ए। 34मेंह सही म मसिर देस म अपन मनखेमन के दुरदसा ला देखे हवंव। मेंह ओमन के दुःख अऊ रोवई सुने हवंव। एकरसेति, मेंह ओमन ला छोंड़ाय बर उतरे हवंव। अब तेंह आ, मेंह तोला मसिर देस वापसि पठोहूं।'

35जऊन मूसा ला ओमन ए कहके नकारे

रहिनि की तोला कोन ह हमर ऊपर हाकमि अऊ नयाय करइया ठहराय हवय? ओही मूसा ला परमेसर ह हाकमि अऊ उबार करइया ठहराके, ओ स्वरगदूत के दुवारा ओला पठोईस, जऊन ह ओला झाड़ी म दरसन दे रहिसि, 36 एही मनखे मूसा ह मसिर देस म अऊ लाल समुंदर अऊ नरिजन प्रदेस म चालीस साल तक अचरज के काम अऊ चमतकार के चनिहां देखा-देखाके ओमन ला गुलामी ले नकारके ले आईस। 37 एह ओही मूसा ए, जऊन ह इसरायलीमन ले कहे रहिसि, 'परमेसर ह तुम्हर मनखे म ले तुम्हर खातरि मोर सहीँ एक अगमजानी ला पठोही।' 38 एह ओही मूसा ए, जऊन ह नरिजन प्रदेस म सभा के बीच म ओ स्वरगदूत के संग सीनै पहाड़ ऊपर ओकर ले गोठियाईस। ओह हमर पुरखामन के संग रहिसि। ओही मूसा ला परमेसर के जीयत बचन मलिसि की ओह ओ जीयत बचन ला हमर करा पहुँचावय।

39 पर हमर पुरखामन मूसा के बात ला नई माननि। ओमन मूसा ला नकारके अपन हरिदय ला फेर मसिर देस कोती लगाईन। 40 ओमन हारून ला कहनि, 'हमर बर कुछ देवता बना, जऊन ह हमर आधू-आधू चलय, काबरकी ए मूसा जऊन ह हमन ला मसिर देस ले नकारके लानसि, हमन नई जानन की ओला का होईस?' 41 ओ दिन म ओमन एक ठन बछवा के मूर्ती बनाईन अऊ ओ मूर्ती के आधू म बली चघाईन। अइसने कसिम ले ओमन अपन हाँथ के काम म खुस होय लगनि। 42 तब परमेसर ह मुहं मोड़के ओमन ला छोड़ दीस की ओमन अकास के तारामन के पूजा करंय, जइसने की अगमजानीमन के कतिब म लिखे हवय:

‘हे इसरायल के मनखेमन, का तुमन
नरिजन प्रदेस म चालीस साल
तक बलदान
अऊ दान मोला ही चघावत रहेव?

43 नई, तुमन ह मोलेक के तम्बू
अऊ अपन रफान देवता के तारा ला
लेके फरित रहेव,

याने की ओ मूर्तीमन जऊन ला तुमन
पूजा करे बर बनाय रहेव।
एकरसेति, मेंह तुमन ला बाबूल के
बाहरि ले जाके बहुंत दूरिहा म
बसाहूँ।’

44 गवाही के तम्बू ह नरिजन प्रदेस म
हमर पुरखामन के संग रहिसि। परमेसर ह
मूसा ला कहे रहिसि, ‘जऊन नमूना ला तेंह
देखे हवस, ओकरे मुताबकि ओला बना।’
45 ओह ओही नमूना के मुताबकि बनाय
गीस। ओहीच तम्बू ला हमर पुरखामन पाछू
यहोसू के संग ए ठऊर म लाननि जब ओमन
आनजातमन के देस म अधिकार पाईन,
जऊन मन ला परमेसर ह हमर पुरखामन के
आघू ले नकार दीस। अऊ ओह दाऊद के
समय तक रहिसि। 46 दाऊद के ऊपर परमेसर
के दया रहिसि अऊ दाऊद ह बनिती करिसि,
‘मेंह याकूब के परमेसर बर रहे के ठऊर
बनाहूँ।’ 47 पर सुलेमान ह परमेसर खातरि
घर बनाईस। 48 पर परम परधान परमेसर ह
मनखे के बनाय घरमन म नई रहय, जइसने
की अगमजानी ह कहथि:

49 ‘परभू ह कहथि—स्वरग ह मोर सधिसन
अऊ धरती ह मोर गोड़ रखे के
चौकी अय।

मोर बर तुमन कइसने घर बनाहू?
या मोर बसिराम के ठऊर कहाँ होही?

50 का ए जम्मो चीजमन मोर हाँथ के बनाय
नो हंय?’

51 हे ढीठ मनखेमन! तुमन परमेसर के संदेस
ला सुने नई चाहत हव। तुमन हमेसा पबतिर
आतमा के बरिध करथव, जइसने तुम्हर
पुरखामन करत रहिनि। 52 अगमजानीमन ले
कोन ला तुम्हर पुरखामन नई सताय हवय?
ओमन ओ संदेसयामन ला मार डारनि, जऊन
मन ओ धरमी जन के आय के खबर बहुंत
पहिली दे रहिनि। अऊ अब तुमन घलो ओला
धोखा दे हवव अऊ मार डारे हवव। 53 तुमन
स्वरगदूत के दुवारा लाने कानून ला त पाय
हवव, पर ओकर पालन नई करेव।”

स्तफिनुस के ऊपर पत्थरवाह

54ए बात ला सुनके ओमन अब्बड़ गुस्सा करनि अऊ ओकर ऊपर दांत पसिन लगनि। 55पर स्तफिनुस ह पबतिर आतमा ले भरके, स्वरग कोर्ता देखसि अऊ ओह परमेसर के महिमा अऊ यीसू ला परमेसर के जेवनी कोर्ता ठाढ़े देखसि। 56अऊ ओह कहसि, “देखव! मेंह स्वरग ला खुला, अऊ मनखे के बेटा ला परमेसर के जेवनी कोर्ता ठाढ़े देखत हवंव।” 57तब ओमन अब्बड़ चचियाके अपन कान ला बंद कर लीन, अऊ ओ जम्मो इन ओकर ऊपर लपकनि, 58अऊ ओला घसीटत नगर के बाहरि ले गीन, अऊ उहां ओला पत्थरवाह करे लगनि। अऊ गवाहमन अपन-अपन ओन्ढा ला साऊल नांव के एक जवान के जम्मा म उतारके रख दीन।

59जब ओमन स्तफिनुस ला पत्थरवाह करत रह्य, त ओह ए कहके पराथना करसि, “हे परभू यीसू! मोर आतमा ला गरहन कर।” 60तब ओह माडी टेकके चचियाके कहसि, “हे परभू! ए पाप ला ओमन ऊपर इन लगा।” ए कहके ओह मर गीस अऊ साऊल के ओकर हतिया म सहमती रहिसि।

कलीसिया ऊपर अतयाचार अऊ

कलीसिया के बखिराव

8 ओहीच दिन यरूसलेम म कलीसिया ऊपर भारी अतयाचार होईस, अऊ प्रेरतिमन ला छोंड़के जम्मो बसिवासीमन, यहूदिया अऊ सामरिया प्रदेश म ततिरि-बतिरि हो गीन। 2परमेसर के भक्तमन स्तफिनुस के लास ला माटी दीन अऊ ओकर बर अब्बड़ बलिाप करनि। 3पर साऊल ह कलीसिया ला उजारत रहिसि। ओह घर-घर घूसरके मनखे अऊ माईलोगनमन ला घसीट-घसीटके लानय अऊ जेल म डाल देवय।

फलिपिपुस ह सामरिया प्रदेश म

4जऊन बसिवासीमन ततिरि-बतिरि हो गे रहिनि, ओमन जहिं-जहिं भी गीन, उहां सुघर संदेस के परचार करनि। 5फलिपिपुस ह सामरिया के एक सहर म गीस अऊ उहां मनखेमन ला यीसू मसीह के परचार करे

लगसि। 6जब भीड़ के मनखेमन फलिपिपुस के बात ला सुनिन अऊ ओकर चमतकार के काममन ला देखनि, त ओकर बात म धियान लगाईन। 7काबरका कितको इन म ले असुध आतमामन अब्बड़ चचियावत नकिर गीन, अऊ कतको लकवा के मारे अऊ खोरवामन बने हो गीन। 8एकरसेती ओ सहर के मनखेमन अब्बड़ खुस होईन।

समिोन जादूगर

9ओ सहर म समिोन नांव के एक इन मनखे रहय। ओह जादू-टोना करके सामरी मनखेमन ला चकति करय, अऊ अपन-आप ला बहुत बड़े मनखे बतावय। 10अऊ जम्मो—छोटे ले लेके बड़े तक ओकर बात ऊपर धियान देवय अऊ ए कह्य, “ए मनखे ह परमेसर के ओ सक्ती ए, जऊन ला महान सक्ती कहे जाथे।” 11ओह अब्बड़ दिन तक ओमन ला अपन जादू-टोना के काम ले चकति करके रखे रहिसि। एकरसेती, ओमन ओला अब्बड़ मानत रहिनि। 12पर जब ओमन फलिपिपुस के बात ला बसिवास करनि, जऊन ह परमेसर के राज के सुघर-संदेस अऊ यीसू मसीह के नांव के परचार करत रहिसि, तब ओमन—का मनखे, का माईलोगन, जम्मो इन बतसिमा लेय लगनि। 13तब समिोन ह खुदे बसिवास करसि अऊ बतसिमा लेके फलिपिपुस के पाछू चले लगसि। ओह चनिहां अऊ चमतकार के काममन ला देखके चकति होवत रहिसि।

14जऊन प्रेरतिमन यरूसलेम म रहिनि, जब ओमन सुनिन कि सामरिया के मनखेमन परमेसर के बचन ला मान ले हवय, त ओमन पतरस अऊ यूहन्ना ला ओमन करा पठोईन। 15पतरस अऊ यूहन्ना उहां गीन अऊ ओ मनखेमन बर पराथना करनि कि ओमन पबतिर आतमा पावय, 16काबरका पबतिर आतमा अभी तक ले ओमन म के काकरो ऊपर नई आय रहिसि। ओमन सरिपि परभू यीसू के नांव म बतसिमा ले रहिनि। 17तब पतरस अऊ यूहन्ना ओमन ऊपर अपन हांथ रखनि अऊ ओमन पबतिर आतमा पाईन।

18जब समोन ह देखसि कि प्रेरतिमन के हाथ रखे ले पबतिर आतमा मलिथे, त ओह ओमन करा रूपिया लानके कहसि, 19“ए अधिकार मोला घलो देवव ताकि जेकर ऊपर मेंह हाथ रखंव, ओह पबतिर आतमा पावय।”

20पतरस ह ओला कहसि, “तोर रूपिया ह तोर संग नास होवय, काबरका तेंह परमेसर के दान ला रूपिया म बसोय के सोचे हवस। 21हमर काम म, न तोर हसिसा हवय अऊ न बांटा, काबरका तोर मन ह परमेसर के आधू म सही नई ए। 22एकरसेति अपन ए बुरई ले पछताप करके परभू ले पराथना कर। हो सकथे ओह तोर मन के अइसने बचिार ला माफ कर दिही। 23मेंह देखत हंव कि तेंह कड़वाहट ले भरे अऊ पाप के बंधना म पड़े हवस।”

24समोन ह जबाब दीस, “तेंह मोर बर परभू ले पराथना कर कि जऊन बात तेंह कहे हवस, ओम ले कोनो भी बात मोर ऊपर इन होवय।”

25पतरस अऊ यूहन्ना गवाही देके अऊ परभू के बचन सुनाके यरूसलेम वापसि लहुंट गीन। ओमन लहुंटत बेरा सामरिया के कतको गांव म सुघर संदेस सुनावत गीन।

फलिप्पुस अऊ इथोपिया के खजांची

26परभू के एक स्वरगदूत ह फलिप्पुस ला कहसि, “उठ, अऊ दक्खिन कोति ओर रसता म जा, जऊन ह यरूसलेम ले गाजा ला जाथे, अऊ जऊन ह नरिजन जगह म हवय।” 27ओह उठके चल दीस अऊ देखसि कि इथोपिया (कुस) देस के एक इन मनखे आवत रहय। ओह एक खोजा रहिसि अऊ इथोपिया देस के रानी कन्दाके के एक खास अधिकारी अऊ खजांची रहिसि। ओह अराधना करे बर यरूसलेम गे रहिसि। 28अऊ ओह अपन रथ म बईठके, यसायाह अगमजानी के किताब ला पढ़त अपन घर लहुंटत रहय। 29तब पबतिर आतमा ह फलिप्पुस ला कहसि, “लकटा म जाके ओर रथ के संग हो ले।”

30फलिप्पुस ह खोजा कोति दऊड़के गीस अऊ ओह ओला यसायाह अगमजानी के किताब ला पढ़त सुनसि, त ओकर ले पुछसि, “तेंह जऊन ला पढ़त हवस, का ओला समझत घलो हवस?”

31खोजा ह कहसि, “जब तक कोनो मोला नई समझाहीं, तब तक मेंह कइसने समझहूँ?” ओह फलिप्पुस ले बनिती करसि, “रथ म चघके मोर करा बईठ।”

32परमेसर के बचन के जऊन पाठ ला ओह पढ़त रहिसि, ओह ए रहिसि:

“ओह भेड़ के सहीं बध होय बर पहुंचाय गीस,
जइसने मेढ़ा-पीला ह अपन ऊन
कतरइया के आधू म चुपेचाप
रहथि, वइसने ओह घलो अपन मुहूँ
ला नई खोलसि।

33ओकर बेजतूती करे गीस अऊ ओकर नियाय नई होईस।

ओकर बंस के मनखेमन के बखान
कोन कर सकथे?
काबरका धरती ले ओकर जीव ला ले
लयि गीस।”

34खोजा ह फलिप्पुस ले पुछसि, “मेंह तोर ले बनिती करत हंव, मोला बता कि अगमजानी ह एला काकर बारे म कहे हवय, अपन बारे म या कोनो आने के बारे म?”

35तब फलिप्पुस ह कहे के सुरू करसि— अऊ परमेसर के बचन के ए पाठ ले सुरू करके ओला यीसू के सुघर संदेस सुनाईस।

36रसता म चलत-चलत ओमन एक ठन पानी के ठऊर म हबरनि, त खोजा ह कहसि, “देख, इहां पानी हवय, अब मोला बतसिमा लेय म का अड़चन हवय?” 37फलिप्पुस ह कहसि, “कहूँ तेंह पूरा हरिदय ले बसिवास करत हवस, त एह हो सकथे।” ओह जबाब दीस, “मेंह बसिवास करत हंव कि यीसू मसीह ह परमेसर के बेटा ए।” 38अऊ ओह रथ ठाढ़ करे के हुकूम दीस। तब फलिप्पुस अऊ खोजा दूनों पानी म उतर गीन अऊ फलिप्पुस ह ओला बतसिमा दीस। 39जब

ओमन पानी ले बाहरि नकिरके ऊपर आईन, तब परभू के आतमा ह अचानक फलिपिपुस ला कहीं ले गीस अऊ खोजा ह ओला फेर नई देखसि, पर ओह आनंद मनावत अपन रसता म चल दीस। 40 फलिपिपुस ह असदोद म परगट होईस अऊ कैसरिया ला हबरेत तक, ओह नगर-नगर सुधर संदेस सुनावत गीस।

साऊल ह यीसू ला परभू स्वीकार करथे

9 साऊल अब तक परभू के चेलामन ला डराय-धमकाय अऊ ओमन ला मार डारे के धुन म रहय। ओह महा पुरोहित करा गीस, 2 अऊ दमस्कि के सभा घरमन के नांव म ए खातरि चिट्ठी मांगसि कि आदमी या माईलोगन जऊन ला घलो, ओह मसीह के बसिवास म पावय, त ओला बंदी बनाके यरूसलेम म ले आवय। 3 जब ओह चलते-चलत दमस्कि के लकठा म हबरसि, त अचानक अकास म ले ओकर चारों कोर्ता एक अंजोर चमकसि। 4 ओह भुइयां म गरि पड़सि अऊ ए अवाज सुनसि, “हे साऊल! हे साऊल! तेंह मोला काबर सतावत हस।”

5 साऊल ह पुछसि, “हे परभू! तेंह कोन अस?”

ओह कहसि, “मेंह यीसू अंव, जऊन ला तेंह सतावत हस। 6 पर अब उठ अऊ सहर म जा। जऊन काम तोला करना हवय, ओला उहां तोला बताय जाही।”

7 जऊन मनखेमन ओकर संग म रहनि, ओमन ह हक्का-बक्का हो गीन, काबरकि ओमन अवाज ला तो सुननि, पर कोनो ला नई देखनि। 8 साऊल भुइयां ले उठसि, फेर जब ओह अपन आंखी ला खोलसि, त ओला कुछू दिखाई नई दीस। एकर खातरि ओकर संगीमन ओकर हांथ ला धरके दमस्कि सहर ले गीन। 9 ओह तीन दिन तक नई देखे सकसि अऊ ओह न कुछू खाईस न पीईस।

10 दमस्कि म हनन्याह नांव के एक झन चेला रहय। परभू ह ओला दरसन म कहसि, “हे हनन्याह!”

ओह कहसि, “हां, परभू।”

11 त परभू ह ओला कहसि, “उठ, अऊ ओ

गली म जा, जऊन ला ‘सीधा’ कहे जाथे। उहां यहूदा के घर म साऊल नांव के एक झन तरसुस के रहइया मनखे के बारे पुछबे। देख, ओह पराथना करत हवय। 12 ओह दरसन म हनन्याह नांव के एक मनखे ला घर के भीतर आवत अऊ अपन ऊपर हांथ रखत देखे हवय कि ओह फेर देखे लगय।”

13 हनन्याह ह कहसि, “हे परभू! मेंह ए मनखे के बारे म बहुते झन ले सुने हवंव कि एह यरूसलेम म तोर ऊपर बसिवास करइयामन के ऊपर भारी अतथिाचार करे हवय। 14 अऊ इहां दमस्कि म घलो ओह महा पुरोहित ले अधिकार लेके आय हवय कि जऊन मनखेमन तोर नांव लेथें, ओ जम्मो झन ला बंदी बनाके यरूसलेम ले जावय।”

15 पर परभू ह हनन्याह ला कहसि, “तेंह उहां जा, काबरकि ओह आनजातमन के अऊ ओमन के राजामन के अऊ इसरायली मनखेमन के आघू म मोर नांव के परचार करे बर मोर दुवारा चुने गे हवय। 16 अऊ मेंह ओला देखाहूँ कि मोर नांव के खातरि ओला कतेक दुःख उठाय बर पड़ही।”

17 तब हनन्याह ह उठके ओ घर म गीस। उहां ओह साऊल ऊपर अपन हांथ ला रखके कहसि, “हे भाई साऊल! परभू याने यीसू, जऊन ह तोला ओ रसता म आवत बेरा दिखाई दे रहिसि, ओही ह मोला पठाय हवय कि तेंह फेर देखे लग अऊ पबतरि आतमा ले भर जा।” 18 तुरते साऊल के आंखीमन ले कुछू छलिका सहीं गरिसि अऊ ओह फेर देखे लगसि। ओह उठके बतसिमा लीस अऊ खाना खाके फेर बल पाईस।

दमस्कि अऊ यरूसलेम सहर म साऊल

19 साऊल ह कुछू दिन तक चेलामन के संग दमस्कि म रहिसि। 20 ओह तुरते सभा घरमन म यीसू के बारे परचार करे लगसि कि ओह परमेसर के बेटा अय। 21 जम्मो सुनइयामन चकति होके कहे लगनि, “का एह ओही मनखे नो हय, जऊन ह यरूसलेम म यीसू के नांव लेवइयामन ला नास करत रहिसि? ओह इहां घलो एकर बर आय

रहिंस की यीसू के नांव लेवइयामन ला बंदी बनाके मुखिया पुरोहितमन करा ले जावय।” 22पर साऊल अऊ सामरथी होवत गीस। ओह ए बात के सबूत दे देके की यीसू ही मसीह अय, दमस्कि म रहइया यहूदीमन के मुहू बंद कर दीस।

23जब बहुत दिन बीत गे, तब यहूदीमन मलिके साऊल ला मार डारे के उपाय करनि। 24पर ओमन के उपाय ला साऊल जान डारसि। यहूदीमन साऊल ला मार डारे खातर रात-दिन दमस्कि के दुवारी म घात लगाके बईठे रह्य। 25पर रतहि साऊल के चेला मन ओला टोकना म बइठाईन अऊ भथी के छेदा ले लटकाके ओला सहर के बाहरि उतार दीन।

26जब साऊल ह यरूसलेम म आईस, त ओह चेला मन संग मलिके कोसिस करसि, पर ओ जम्मो इन ओकर ले डर्रावत रहनि, काबरकी ओमन ला बसिवास नई होवत रहय की ओह घलो यीसू के चेला बन गे हवय। 27पर बरनबास ह ओला अपन संग प्रेरतिमन करा ले गीस अऊ ओमन ला बताईस की साऊल ह कइसने रसता म परभू ला देखसि अऊ परभू ह ओकर ले बात करसि अऊ दमस्कि म ओह कइसने हमिमत के संग यीसू के नांव के परचार करसि। 28तब साऊल ह ओमन के संग रहिके यरूसलेम म जम्मो जगह आवत-जावत रहसि। ओह नडिर होके परभू के नांव के परचार करत रहसि। 29ओह यूनानी भासा बोलइया यहूदीमन के संग बातचीत अऊ बाद-बिवाद करय, पर ओमन ओला मार डारे के कोसिस करनि। 30जब बसिवासी भाईमन ला ए बात के पता चलसि, त ओमन ओला कैसरिया ले गीन अऊ उहां ले ओला तरसुस पठो दीन।

31तब जम्मो यहूदिया, गलील अऊ सामरिया प्रदेश म कलीसिया ला सांति मलिसि अऊ कलीसिया ह मजबूत होवत गीस अऊ पबतिर आतमा के मदद ले परभू के डर म रहत गनती म बढ़त गीस।

एनयास अऊ दोरकास

32पतरस ह जम्मो जगह होवत, ओ परमेसर के मनखेमन करा गीस, जऊन मन लुद्दा नगर म रहत रहनि। 33उहां पतरस ला एनयास नांव के लकवा के मारे एक इन मनखे मलिसि। ओह आठ साल ले खटिया म पड़े रहय। 34पतरस ह ओला कहसि, “हे एनयास! यीसू मसीह ह तोला बने करत हवय। उठ, अपन बिछौना ला ठीक करा।” एनयास तुरते उठके ठाढ़ हो गीस। 35लुद्दा अऊ सारोन के जम्मो रहइयामन ओला चंगा देखके परभू करा आईन।

36याफा म तबीता नांव के बसिवासी माईलोगन रहय (तबीता ला यूनानी म दोरकास कहे जाथे, जेकर मतलब हरिन होथे)। ओह हमेसा भलाई करय अऊ गरीबमन के मदद करय। 37ओही दिन म, ओह बेमार पड़सि अऊ मर गीस। मनखेमन ओकर लास ला नहवाके ऊपर के कमरा म रख दीन। 38लुद्दा नगर याफा के लकठा म रहसि। चेला मन जब ए सुनि कि पतरस ह लुद्दा म हवय, त ओमन दू इन ला पठोके ओकर ले बनिती करनि, “हमर करा तुरते आ।”

39तब पतरस ह उठके ओमन के संग याफा गीस अऊ जब ओह उहां हबरसि, त मनखेमन ओला ऊपर के कमरा म ले गीन। जम्मो बिधिवामन रोवत पतरस करा आके ठाढ़ हो गीन अऊ जऊन कुरता अऊ आने कपड़ामन ला दोरकास ह ओमन के संग रहत बनाय रहय, ओ जम्मो ला पतरस ला देखाय लगनि।

40तब पतरस ह जम्मो इन ला कमरा ले बाहरि कर दीस अऊ माड़ी टेकके पराथना करसि अऊ लास कोर्ता देखके कहसि, “हे तबीता, उठ।” ओह अपन आंखी ला उघारसि अऊ पतरस ला देखके उठ बईठसि।

41पतरस ह ओकर हांथ ला सहारा देके ओला उठाईस। तब पतरस ह बसिवासी मनखे अऊ बिधवा मन ला बलाईस अऊ ओला जीयत-जागत देखाईस। 42ए बात ह जम्मो याफा सहर म फइल गीस अऊ बहुते मनखेमन परभू ऊपर बसिवास करनि। 43पतरस ह याफा म

समिोन नांव के चमड़ा के धंधा करइया एक मनखे के इहां कुछू दिन रहिसि।

कुरनेलियुस के दरसन

10 कैसरिया सहर म कुरनेलियुस नांव के एक मनखे रहिसि। ओह इतालियानी रेजमिन्ट नांव के रोमन सेना के अधिकारी (सूबेदार) रहिसि। 2ओह परमेसर के भक्त रहिसि अऊ अपन जम्मो परिवार के संग परमेसर के भय मानय। ओह गरीब यहूदीमन ला बहुत दान देवय अऊ परमेसर ले हमेसा पराथना करय। 3ओह एक दिन मंझनयां, तीन बजे एक दरसन देखसि। दरसन म ओह साफ देखसि कि परमेसर के एक स्वरगदूत ओकर करा आके कहसि, “हे कुरनेलियुस!”

4कुरनेलियुस ह डर गीस अऊ ओला एक-टक देखके कहसि, “हे परभू, का ए?”

स्वरगदूत ह ओला कहसि, “तोर पराथना अऊ गरीबमन बर तोर दान ह परमेसर करा हबरे हवय। 5अब याफा सहर म कुछू मनखेमन ला भेज अऊ समिोन नांव के एक मनखे, जऊन ला पतरस कहे जाथे, बला ले। 6ओह उहां चमड़ा के धंधा करइया समिोन के इहां ठहरे हवय, जेकर घर समुंदर के तीर म हवय।”

7जब ओकर ले बात करइया स्वरगदूत चले गीस, तब ओह अपन दू झन सेवक अऊ अपन सेना के एक सपिाही ला जऊन ह परमेसर के भक्त रहिसि, बलाईस, 8अऊ ओमन ला जम्मो बात बताके याफा सहर पठोईस।

पतरस के दरसन

9दूसर दिन लगभग मंझन के बेरा, जब ओमन सहर के लकठा म हबरत रह्य, त पतरस ह छानी ऊपर पराथना करे बर चर्घसि। 10ओही घरी ओला भूख लगसि अऊ ओह कुछू खाय बर चाहत रहिसि अऊ जब खाना ह बनत रहय, त ओह एक दरसन देखसि। 11ओह देखसि कि स्वरग ह खुल गे हवय अऊ एक ठन बड़े चादर सहीं चारों खूंट ले ओमरत धरती कोर्ता उतरत हवय। 12ओम

धरती के जम्मो किसिम के चरगोड़िया, पेट के बल रेंगइया जीव-जन्तु अऊ अकास के चरिईमन रह्य। 13तब पतरस ह ए अवाज सुनसि, “पतरस, उठ! एमन ला मार अऊ खा।”

14पर पतरस ह कहसि, “नई परभू, कभू नई। मेंह कभू कुछू असुध अऊ मडलाहा चीज नई खाय हववग।”

15फेर दूसर बार पतरस ओ अवाज सुनसि, “जऊन कुछू ला परमेसर ह सुध करे हवय, ओला तेह असुध झन कह।”

16तीन बार ले अइसने होईस, तब तुरते ओ चादर ला स्वरग म वापसि उठा लयि गीस।

17जब पतरस ह ए दरसन के मतलब के बारे म सोचत रहिसि, तभे ओ मनखेमन जऊन ला कुरनेलियुस पठोय रहिसि, समिोन के घर के पता लगावत दुवारी म आके ठाढ़ होईन। 18ओमन अवाज देके पुछनि, “का समिोन जऊन ला पतरस कहे जाथे, इहां हवय?”

19पतरस ह ओ दरसन के बारे म सोचत रहय, तब परमेसर के आतमा ह ओला कहसि, “देख, तीन झन मनखेमन तोला खोजत हवय। 20एकरसेर्ता उठ अऊ खाल्हे उतर अऊ ओमन के संग बगिर झझिके चले जा, काबरका मेंह ओमन ला पठोय हवव।”

21तब पतरस ह छानी ले उतरसि अऊ ओ मनखेमन ला कहसि, “देखव, जऊन ला तुमन खोजत हवव, ओह में अंव। तुम्हर आय के का कारन ए?”

22ओ मनखेमन कहनि, “हमन ला कुरनेलियुस सूबेदार ह पठोय हवय। ओह धरमी अऊ परमेसर के भय मनइया मनखे ए अऊ जम्मो यहूदी मनखेमन ओकर आदर करथें। ओला एक पबतिर स्वरगदूत ले ए हुकूम मलि हवय कि ओह तोला अपन घर म बलाके तोर ले परमेसर के बचन सुनय।” 23तब पतरस ह ओमन ला घर म बलाईस अऊ ओमन के पहुँई करसि।

पतरस ह कुरनेलियुस के घर म

दूसर दिन पतरस ह ओमन के संग गीस अऊ याफा के कुछू भाईमन घलो ओकर संग

गीन। 24ओकर दूसर दिन ओमन कैसरिया हबरनि। उहां कुरनेलियुस अपन रसितेदार अऊ मयारू संगीमन संग ओमन के डहार जोहत रहय। 25जब पतरस ह घर भीतर आवत रहिसि, त कुरनेलियुस ह ओकर ले भेंट करसि अऊ ओकर गोड़ खालहे गरिके ओकर आदर करसि। 26पर पतरस ह ओला उठाके कहसि, “ठाढ़ हो जा, मेंह घलो एक मनखे अंव।”

27पतरस ह ओकर संग गोठियावत भीतर गीस अऊ उहां अब्बड़ मनखेमन ला देखके कहसि, 28“तुमन जानत हव कि एह हमर यहूदी कानून के बरीध म अय किएक यहूदी ह आनजात के संगती करय या ओकर इहां जावय। पर परमेसर ह मोला देखाय हवय कि मेंह कोनो मनखे ला असुध या मइलाहा इन कहंव। 29एकरसेति जब मोला बलाय गीस, त बगिर कुछ आपतर्ता के मेंह आ गेंव। अब मेंह पुछत हंव कि तेंह मोला काबर बलाय हवस?”

30तब कुरनेलियुस ह जबाब दीस, “चार दिन पहिली, मेंह इहीच बेरा मंझनियां के तीन बजे, अपन घर म पराथना करत रहेंव कि अचानक एक इन मनखे चकिमकी कपड़ा पहिर मोर आधू म आके ठाढ़ हो गीस, 31अऊ ओह कहसि, ‘हे कुरनेलियुस! परमेसर ह तोर पराथना ला सुने हवय अऊ तोर दान, जऊन ला गरीबमन ला देथस, ओला सुरता करे हवय। 32एकरसेति अब कोनो ला याफा सहर पठोके उहां ले समोन जऊन ला पतरस कहे जाथे, बला ले। ओह चमड़ा के धंधा करइया समोन के घर म पहुना हवय, जऊन ह समुंदर के तीर म रहथि।’ 33तब मेंह तुरते तोर करा मनखेमन ला पठाएंव। तेंह बने करय किइहां आ गय। अब हमन जम्मो इन इहां परमेसर के आधू म हवन कि ओ हर बात ला सुनन, जऊन ला परभू ह तोला सुनाय के हुकूम दे हवय।”

34तब पतरस ह कहे के सुरू करसि, “अब मेंह जान गेंव कि एह सच ए कि परमेसर ह काकरो पखयिपात नई करय, 35पर हर जाति के मनखेमन ला गरहन करथे, जऊन

मन ओकर भय मानथें अऊ सही काम करथें। 36परमेसर ह इसरायलीमन करा संदेस पठोईस; ओमन ला यीसू मसीह के जरथि जऊन ह जम्मो इन के परभू ए, सांति के सुघर संदेस सुनाईस। 37ओ बात ला तुमन जानत हव, जऊन ह यहून्ना के बतसिमा के परचार के पाछू गलील राज ले सुरू होके पूरा यहूदिया राज म फइल गे हवय - 38कि कइसने परमेसर ह नासरत के यीसू ला पबतिर आतमा अऊ सामरथ ले अभिसेक करसि, अऊ यीसू ह हर जगह भलई करत अऊ सेतान के सताय जम्मो मनखेमन ला बने करत रहिसि, काबरकि परमेसर ह ओकर संग म रहिसि। 39हमन ओ जम्मो काम के गवाह अन, जऊन ला ओह यहूदीमन के देस म अऊ यरूसलेम म करसि। ओमन ओला एक ठन रूख (कुरुस) म लटकाके मार डारनि। 40पर ओला परमेसर ह तीसरा दिन मरे म ले जियाईस अऊ ओला परगट घलो करसि कि मनखेमन ओला देखंय। 41ओह जम्मो मनखेमन ला देखाई नई दीस, पर ओ गवाहमन ला देखाई दीस, जऊन मन ला परमेसर ह पहिली ले चुन ले रहिसि; याने कि हमन ला, जऊन मन ओकर मरे म ले जी उठे के पाछू ओकर संग खायेन पीयेन। 42परभू यीसू ह हमन ला हुकूम दीस कि हमन जम्मो मनखेमन म परचार करन अऊ गवाही देवन किएह ओही ए, जऊन ला परमेसर ह जीयत अऊ मरे मन के नियाय करइया ठहराईस। 43जम्मो अगमजानीमन गवाही देथे कि जऊन कोनो यीसू ऊपर बसिवास करही, ओला यीसू के नांव म पाप के छेमा मलिही।”

44जब पतरस ह ए बचन कहत रहिसि, तब पबतिर आतमा ओ जम्मो इन ऊपर उतरसि, जऊन मन संदेस ला सुनत रहंय। 45जऊन यहूदी बसिवासीमन पतरस के संग आय रहिन, ओमन ए देखके चकति होईन कि पबतिर आतमा के दान ह आनजातमन ऊपर घलो उंडेरे गीस। 46काबरकि ओमन आनजातमन ला आने-आने भासा बोलत अऊ परमेसर के महिमा करत सुननि।

47तब पतरस ह कहसि, “का कोनो अब

ए मनखेमन ला पानी ले बतसिमा ले बर मना कर सकथे? एमन घलो हमर सहीं पबतिर आतमा पाय हव्य।” 48 एकरसेती ओह हुकूम दीस की ओमन ला यीसू मसीह के नांव म बतसिमा देय जावय। तब ओमन पतरस ले बनिती करनि की ओह कुछू दनि ओमन के संग रहय।

पतरस अपन काम के बारे म समझाथे

11 प्रेरतिमन अऊ जम्मो यहूदिया म रहइया भाईमन सुननि की आनजातमन घलो परमेसर के बचन ला गरहन कर ले हव्य। 2 एकरसेती जब पतरस ह यरूसलेम म आईस, त खतना करवाय बसिवासीमन ओकर आलोचना करे लगनि 3 अऊ कहनि, “तेह बगिर खतना वाले मनखेमन के घर गे रहय अऊ ओमन के संग खाना खाय हवस।”

4 तब पतरस ह ओमन ला जऊन बात होय रहिसि, ओला सुरू ले एक-एक करके बताय लगसि: 5 “मेंह याफा सहर म पराथना करत रहेव अऊ बेसुध हो गय अऊ ओ दसा म एक दरसन देखेव की एक बड़े चादर के सहीं चारों खूंट ले ओमरत स्वरग ले मोर करा आईस। 6 जब मेंह ओम ध्यान देव्य, त ओम मेंह धरती के चरगोड़िया पसु, जंगली पसु, रेंगइया जीव-जन्तु अऊ अकास के चरिईमन ला देखेव। 7 तब मेंह एक अवाज सुनेव जऊन ह मोला ए कहत रहय, ‘हे पतरस! उठ! मार अऊ खा।’

8 मेंह कहेंव, ‘नई परभू, नई! काबरकी कुछू असुध या मइलाहा चीज मोर मुहू म आज तक कभू नई गे हवय।’

9 तब अकास ले दूसर बार ए अवाज आईस, ‘जऊन ला परमेसर ह सुध ठहराय हवय, ओला असुध झन कह।’ 10 तीन बार ले अइसनेच होईस, अऊ तब ओ चादर ला स्वरग म फेर उठा लयि गीस।

11 ठीक ओतकीच बेरा, तीन झन मनखे जऊन मन ला कैसरिया सहर ले मोर करा पठोय गे रहिसि, ओ घर म आके ठाढ़ होईन, जहिं मेंह रहेव। 12 तब आतमा ह

मोला ओमन के संग बेखटके चले जाय बर कहसि। याफा के ए छे भाईमन घलो मोर संग हो लीन अऊ हमन कुरनेलियुस के घर म गेन, 13 जऊन ह हमन ला बताईस की कइसने एक स्वरगदूत ओकर घर म परगट होईस अऊ कहसि, ‘याफा सहर म मनखे भेज अऊ समीन जऊन ला पतरस कहे जाथे, बला ले। 14 ओह तोर खातिर एक संदेस लानही, जेकर दुवारा तें अऊ तोर पूरा घराना उद्धार पाही।’

15 जब मेंह कहे के सुरू करेंव, त पबतिर आतमा ह ओमन ऊपर उतरसि, जइसने सुरू म हमर ऊपर उतरे रहिसि। 16 तब मोला परभू के कहे ओ बचन सुरता आईस—यहून्ना ह तो पानी ले बतसिमा दीस, पर तुमन पबतिर आतमा ले बतसिमा पाहू। 17 जब परमेसर ह ओमन ला घलो ओहीच दान दीस, जऊन ह हमन ला परभू यीसू मसीह के ऊपर बसिवास करे ले मलि रहिसि, त मेंह कोन होथेव की परमेसर के बरिध करे के सोच सकतेंव।”

18 जब ओमन ए सुननि, त चुप हो गीन अऊ परमेसर के महिमा करके कहनि, “परमेसर ह आनजातमन ला घलो जनिगी पाय बर, मन फरिय के मऊका दे हवय।”

अंताकिया प्रदेश म मसीह के कलीसिया

19 स्तफिनुस के कारन बसिवासीमन ला सताय गीस, जेकर कारन ओमन ततिरि-बतिरि हो गीन। ओमन फरिते-फरित फीनीके, साइप्रस अऊ अंताकिया म हबरनि अऊ ओमन यहूदीमन के छोड़ अऊ कोनो ला संदेस नई सुनावत रहनि। 20 ओमन ले कुछू झन साइप्रस अऊ कुरेन के रहइया रहनि, जऊन मन अंताकिया म आके यूनानीमन ला घलो परभू यीसू के सुघर संदेस सुनाय लगनि। 21 परभू के सामरथ ओमन के संग रहिसि अऊ बहुते मनखेमन बसिवास करके परभू करा आईन।

22 ए संदेस ह यरूसलेम के कलीसिया के मनखेमन करा पहुँचसि, त ओमन बरनबास ला अंताकिया पठोईन। 23 जब ओह उहां हबरसि अऊ परमेसर के अनुग्रह के काम ला देखसि, त ओह खुस होईस अऊ जम्मो

झन ला उत्साहति करसि कि ओमन अपन पूरा हरिदय ले परभू के बसिवास म ईमानदार बने रह्य। 24बरनबास ह एक बने मनखे रहिसि। ओह पबतिर आतमा अऊ बसिवास ले भरे रहिसि अऊ बहुते मनखेमन परभू करा आईन।

25तब बरनबास ह साऊल ला खोजे बर तरसुस सहर गीस, 26अऊ जब ओला साऊल मलिसि, त ओह ओला अंताकिया म ले आईस। बरनबास अऊ साऊल एक साल तक कलीसिया के संग मलिते रहिन अऊ बहुते मनखेमन ला उपदेस दीन। चेलावन ला सबले पहिली अंताकिया म ही मसीही कहे गीस।

27ओही दिन म कुछू अगमजानीमन यरूसलेम ले अंताकिया म आईन। 28ओम ले एक अगमजानी जेकर नांव अगबुस रहिसि, ठाढ़ होईस अऊ आतमा के अगुवाई म, ए बताईस कजिमो रोमन राज म भारी अकाल पड़ही (ओ अकाल ह क्लौदियुस राजा के समय म पड़सि)। 29तब चेलावन, हर एक अपन सक्ती के मुताबिक यहूदिया प्रदेश म रहइया भाईमन के मदद करे के ठाननि। 30अऊ ओमन ओकरे मुताबिक बरनबास अऊ साऊल के हांथ म अगुवामन करा अपन दान पठो दीन।

जेल म ले पतरस के अद्भूत छुटकारा

12 ओही समय हेरोदेस राजा ह कलीसिया के कुछू मनखेमन ला सताय बर ओमन ला बंदी बनाईस। 2ओह यूहन्ना के भाई याकूब ला तलवार ले मरवा दीस। 3जब ओह देखसि कि यहूदीमन अइसने करे ले खुस होवत हवय, त ओह पतरस ला घलो पकड़ लीस अऊ ओह फसह तहियार के समय रहय। 4पतरस ला पकड़े के बाद, ओह ओला जेल म डार दीस अऊ रखवारी करे बर चार-चार सपिाहीमन ला पारी-पारी चारों पहर पहरा म लगा दीस। हेरोदेस राजा चाहत रहिसि कि फसह तहियार के पाछू पतरस ला मनखेमन के आघू म पुछ-ताछ करे बर लानय।

5पतरस ला जेल म रखे गे रहय, पर कलीसिया ह ओकर बर लगन से परमेसर ले पराथना करत रहय।

6जऊन दिन हेरोदेस ह पतरस ला यहूदीमन के आघू म पुछ-ताछ करे बर लवइया रहिसि, ओकर पहिली रतहिा पतरस ह दू ठन सांकर म बंधाय दू झन सपिाही के मांझा म सुतत रहय अऊ पहरेदारमन दुवारी म जेल के रखवारी करत रह्य। 7तब अचानक परभू के एक स्वरगदूत परगट होईस अऊ पतरस के कोठरी म अंजोर हो गीस। स्वरगदूत ह पतरस के बाजू म हांथ मारके ओला उठाईस अऊ कहसि, “उठ, जल्दी करा।” अऊ पतरस के हांथ ले सांकर ह खुलके गरि गीस।

8तब स्वरगदूत ह ओला कहसि, “अपन कपड़ा अऊ पनही ला पहिर ले।” पतरस ह वइसनेच करसि। स्वरगदूत ह फेर कहसि, “अपन ओढ़ना ला ओढ़ ले अऊ मोर पाछू-पाछू आ।” 9पतरस ह ओकर पाछू-पाछू हो लीस, पर ओह नई जानत रहय कि जऊन कुछू स्वरगदूत ह करत हवय, ओह सही म होवत हवय। ओह सोचसि कि ओह कोनो दरसन देखत हवय। 10तब ओमन पहिली अऊ दूसर पहरेदार ले नकिरके लोहा के दुवार म हबरनि, जहिां ले सहर कोतारिसता जावय। दुवार ह ओमन बर अपनआप खुल गीस; अऊ ओमन बाहरि नकिर गीन; जब ओमन एक गली के बरोबर दूरहिा गे होही, त अचानक स्वरगदूत ह पतरस ला छोड़के चले गीस।

11तब पतरस ह चेत म आईस अऊ कहसि, “अब मेंह सही म जान डारेव कि परभू ह अपन स्वरगदूत ला पठोके मोला हेरोदेस के हांथ ले छोड़ाव हवय अऊ यहूदीमन के आसा ला टोर दे हवय।”

12जब ओह ए बात ला जानसि, त ओह यूहन्ना के दाईमरथिम के घर गीस। यूहन्ना ला मरकुस घलो कहे जाथे। उहां बहुते मनखेमन जुरके पराथना करत रह्य। 13पतरस ह बाहरि के कपाट ला खटखटाईस, त रूदे नांव के एक दासी टूरी ह अवाज सुनके कपाट करा आईस। 14जब ओह पतरस के अवाज

ला चनिहसि, त ओह खुसी के मारे कपाट ला खोले बर भुला गीस। ओह दऊड़के भीतर गीस अऊ मनखेमन ला बताईस की पतरस ह कपाट करा ठाढ़े हवय।

15ओमन ह ओला कहनि, “तेंह बही हो गे हवस।” जब ओह जोर देके कहतिच रहय की पतरस ह कपाट करा हवय। त ओमन कहनि, “एह जरूर पतरस के स्वरगदूत होही।”

16फेर पतरस ह कपाट ला खटखटातेच रहय अऊ जब ओमन कपाट ला खोलनि, त पतरस ला देखके चकति हो गीन। 17तब पतरस ह ओमन ला चुपेचाप रहे बर इसारा करसि अऊ बताईस की कइसने परभू ह ओला जेल ले बाहरि नकारिसि। ओह कहसि, “याकूब अऊ आने भाईमन ला ए बात बता देवव।” तब ओह नकिरके आने जगह चले गीस।

18बहिनियां, सपिाहीमन म भारी हलचल मच गे अऊ ओमन पुछे लगनि, “पतरस के का होईस?” 19हेरोदेस राजा ह पतरस के खोज कराईस अऊ जब ओह नई मलिसि, त हेरोदेस ह पहरेदारमन के जांच-पड़ताल कराईस अऊ ओमन ला मार डारे के हुकूम दीस।

एकर बाद, हेरोदेस राजा यहूदिया ले कैसरिया चल दीस अऊ उहां कुछू समय तक रहिसि।

हेरोदेस राजा के मरितू

20हेरोदेस के सूर अऊ सैदा के मनखेमन संग झगरा चलत रहय। एकरसेती ओ मनखेमन एक दल बनाके ओकर करा आईन। पहिली ओमन बलास्तुस ला मनाईन, जऊन ह राजा के एक नजदीकी सेवक रहिसि अऊ तब ओकर जरथि राजा ले मेल करे चाहनि, काबरकी राजा के देस ले ओमन के पालन-पोसन होवत रहिसि।

21एक ठहराय गे दिन म हेरोदेस ह राजवसूत्र पहरिके अपन संधासन म बईठसि अऊ ओमन ला भासन देवन लगसि।

22तब मनखेमन पुकार उठनि, “एह मनखे के

नई, पर परमेसर के अवाज ए।” 23ओहीच बेरा परभू के एक स्वरगदूत ह ओला मारसि अऊ ओला कीरा परगे अऊ ओह मर गीस काबरकी ओह परमेसर के महिमा नई करसि।

24पर परमेसर के बचन ह लगातार बढ़त अऊ बगरत गीस।

25जब बरनबास अऊ साऊल अपन सेवा ला पूरा कर लीन, त ओमन यूहन्ना ला जऊन ह मरकुस घलो कहाथे, अपन संग लेके यरूसलेम ले लहुंटीन।

बरनबास अऊ साऊल के पठोय जवई

13 अंताकिया के कलीसिया म कुछू अगमजानी अऊ गुरू मन रह्य, जेमन के नांव रहिसि—बरनबास, समीन जऊन ला नीगर कहे जाथे, कुरेन के रहइया लूकयुस, मनाहेम (जऊन ह हेरोदेस राजपाल के संग पले बढे रहिसि), अऊ साऊल। 2जब ओमन उपास अऊ परभू के अराधना करत रह्य, त पबतिर आतमा ह कहसि, “मोर बर बरनबास अऊ साऊल ला ओ काम बर अलग करव, जेकर बर मेंह ओमन ला चुने हवंव।” 3तब ओमन उपास अऊ पराथना करनि, अऊ बरनबास अऊ साऊल ऊपर अपन हांथ रखके ओमन ला बदिा करनि।

कुपूस दीप म बरनबास अऊ साऊल परचार करथें

4पबतिर आतमा के पठोय बरनबास अऊ साऊल सलूकिया म गीन अऊ उहां ले ओमन पानी जहाज म चघके साइपूस दीप चल दीन। 5जब ओमन सलमीस सहर म हबरीन, त उहां परमेसर के बचन ला यहूदीमन के सभा घर म सुनाईन। यूहन्ना ह ओमन के संग म एक सहायक के रूप म रहय।

6ओ जम्मो दीप म ले होवत ओमन पाफूस सहर आईन। उहां ओमन ला बार-यीसू नांव के एक यहूदी टोनहा अऊ लबरा अगमजानी मलिसि। 7ओह दीप के राजपाल सरिगयुस पौलुस के सेवक रहिसि। सरिगयुस ह एक बुद्धिमान मनखे रहय। ओह बरनबास अऊ साऊल ला अपन करा बलाईस काबरकी ओह परमेसर के बचन सुने चाहत रहिसि। 8पर

बार-यीसू जऊन ला यूनानी भासा म इलीमास टोनहा कहे जावय, ओमन के बरिध करसि अऊ राजपाल सरिगयुस ला बसिवास करे ले रोके के कोससि करसि। 9तब साऊल जेकर नांव पौलुस घलो अय, पबतिर आतमा ले भरके इलीमास ला एकटक देखसि अऊ कहसि, 10“तेंह सैतान के संतान अस अऊ जम्मो बने चीज के बईरी अस। तेंह जम्मो कसिम के कपट अऊ धोखा ले भरे हवस। का तेंह परभू के सीधा रसता ला टेढ़ा करे बर कभू नई छोड़स? 11अब परभू के हांथ ह तोर बरिध म उठे हवय। तेंह अंधरा हो जाबे अऊ कुछ समय तक सूरज के अंजोर ला नई देख सकबे।”

तुरते ओकर आंखी म धुंध अऊ अंधियार छा गे, अऊ ओह एती-ओती टमड़े लगसि कि कोनो ओकर हांथ ला धरके ओला ले जावय। 12जब राजपाल ह ए घटना ला देखसि, त ओह मसीह ऊपर बसिवास करसि, काबरकि ओह परभू के बारे म उपदेस सुनके चकति हो गे रहिसि।

पसिदिया प्रदेस के अंताकिया म

13पौलुस अऊ ओकर संगीमन पाफुस ले पानी जहाज खोलके पंफूलिया प्रदेस के परिगा म आईन, जहिं यूहन्ना ओमन ला छोड़के यरूसलेम लहुंट गीस। 14ओमन परिगा ले आघू बढ़नि अऊ पसिदिया प्रदेस के अंताकिया सहर म आईन। बसिराम के दिन, ओमन सभा के घर म जाके बईठनि। 15मूसा के कानून के किताब अऊ अगमजानीमन के किताब म ले पढ़े के बाद, सभा घर के अधिकारीमन ओमन करा ए संदेस पठोईन, “हे भाईमन, यर्दा तुमहर करा मनखेमन बर कोनो उत्साह के संदेस हवय, त सुनावव।”

16तब पौलुस ह ठाढ़ होईस अऊ हांथ ले इसारा करके कहसि, “हे इसरायली अऊ परमेसर के भक्त—आनजात के मनखेमन, मोर सुनव! 17इसरायली मनखेमन के परमेसर ह हमर पुरखामन ला चुनसि अऊ जब ओमन मसिर देस म परदेसी के सहीं रहत रहिनि, त ओमन ला बढ़ाईस अऊ अपन अपार सामरथ

ले ओमन ला ओ देस ले बाहरि नकार लानसि। 18अऊ चालीस साल तक नरिजन जगह म ओमन के गलत बरताव ला सहते रहिसि। 19ओह कनान देस म सात ठन जात के मनखेमन ला उखान फेंकसि अऊ ओमन के जमीन ला अपन मनखेमन के अधिकार म दे दीस। ए जम्मो काम म लगभग 450 साल लगसि।

20एकर बाद, सामुएल अगमजानी के आवत तक, परमेसर ह ओमन के बीच म नियाय करइया मनखेमन ला ठहराईस। 21तब ओमन अपन बर एक राजा मांगनि। परमेसर ह साऊल ला राजा ठहराईस, जऊन ह बिन्यामीन के गोत्र म ले कीस के बेटा रहिसि। ओह चालीस साल तक राज करसि। 22साऊल ला हटाय के बाद, ओह दाऊद ला ओमन के राजा बनाईस। दाऊद के बारे म परमेसर ह ए गवाही दीस: ‘मोला एक मनखे, यंसि के बेटा दाऊद मोर मन के मुताबकि मलि गे हवय। ओह ओ जम्मो काम करही, जऊन ला मेंह चाहथंवा।’

23ओही दाऊद के बंस म ले परमेसर ह अपन परतगियां के मुताबकि इसरायली मनखेमन बर उद्धार करइया यीसू ला पठोईस। 24यीसू के आय के पहिली यूहन्ना ह जम्मो इसरायली मनखेमन ला मन फरिाय अऊ बतसिमा के परचार करसि। 25जब यूहन्ना ह अपन काम पूरा करइया रहिसि, त ओह कहसि, ‘तुमन मोला कोन ए समझत हव? मेंह ओ नो हंव जऊन ला परमेसर ह पठोय के परतगियां करे हवय। पर मोर बाद, ओह आवत हवय, जेकर गोड़ के पनही घलो खोले के काबलि मेंह नो हंव।’

26हे भाईमन हो! अब्राहम के संतान अऊ परमेसर ले डरइया आनजातमन, हमर करा ए उद्धार के संदेस पठोय गे हवय। 27यरूसलेम के मनखे अऊ ओकर अधिकारीमन यीसू ला नई चनिहनि अऊ न ही ओमन अगमजानीमन के बचन ला समझनि, जऊन ह हर बसिराम के दिन पढ़े जाथे। एकरसेता ओमन यीसू ला दोसी ठहराके ओ बातमन ला पूरा करनि। 28हालार्कि ओमन मार डारे जाय के लइक

कोनो दोस ओम नई पाईन, तभो ले ओमन पीलातुस ले मांग करनि की ओह मार डारे जावय। 29जब ओमन ओकर बारे म लखि जम्मो बात ला पूरा कर लीन, तब ओला कुरुस ले उतारके एक कबर म रखनि। 30पर परमेसर ह ओला मरे म ले जियाईस। 31अऊ ओह ओमन ला जऊन मन ओकर संग गलील ले यरूसलेम आय रहिनि, बहुंत दिन तक देखाई देवत रहिसि। ओमन अब हमर मनखेमन के आधू म ओकर गवाह अंय।

32हमन तुमन ला सुघर सदेस सुनावत हवन, जेकर वायदा परमेसर ह हमर पुरखामन ले करे रहिसि। 33परमेसर ह यीसू ला जियाके, ओ वायदा ला अपन संतान (हमर) बर पूरा करसि। जइसने की भजन दू म लखि हवय:

‘तेंह मोर बेटा अस;

आज मेंह तोर ददा बन गे हवंव।’

34परमेसर ह ओला मरे म ले जियाईस ताकी ओह कभू झन सड़य; ए बात ला बचन म अइसने कहे गे हवय:

‘तोला पबतिर अऊ अटल आससि दूहू,
जेकर वायदा मेंह दाऊद ले करे
रहेंव।’

35ओह भजन के एक अऊ जगह म घलो अइसने कहसि:

‘तेंह अपन पबतिर जन ला कभू सड़न नई
देबे।’

36दाऊद ह अपन समय म परमेसर के ईछा मुताबकि सेवा करसि अऊ ओह मर गीस। ओला ओकर पुरखामन के संग माटी दयि गीस अऊ ओकर देहें ह सड़ गीस। 37पर जऊन ला परमेसर ह मरे म ले जियाईस, ओह सड़े नई पाईस।

38एकरसेती हे मोर भाईमन! मेंह चाहत हंव की तुमन जान लेवव की यीसू के दुवारा पाप के छेमा के संदेस तुमन ला दयि जावत हवय। 39जऊन बातमन ले तुमन मूसा के कानून के दुवारा नरिदोस नई हो सकत रहेव, ओ जम्मो बातमन ले हर एक झन ओम बसिवास करे के दुवारा नरिदोस ठहरथे। 40एकरसेती

सचेत रहव की जऊन बात ला अगमजानीमन कहे हवंय, ओह तुम्हरे ऊपर झन आ पड़य:

41‘हे ननिदा करइयामन! देखव!

चकति होवव अऊ मटि जावव,

काबरकी मेंह तुम्हरे समय म कुछू करे
बर जावत हंव, अइसने काम की
यदी ओकर बारे म कोनो तुमन ला
बताही,

तभो ले तुमन बसिवास कभू नई
करहू।’ ”

42जब पौलुस अऊ बरनबास सभा के घर ले नकिरके बाहिर जावत रहिनि, त मनखेमन ओमन ले बनिती करनि की अवइया बसिराम के दिन हमन ला एकर बारे म अऊ बतावव।

43जब सभा ह उसल गीस, त बहुंते यहूदीमन अऊ यहूदी मत म आय भक्तमन पौलुस अऊ बरनबास के पाछू हो लीन। ओ दूनों ओमन ले बात करके ओमन ला उत्साहित करनि की ओमन परमेसर के मया अऊ दया म बसिवास करते रहेंय।

44ओकर आने बसिराम के दिन लगभग जम्मो सहर के मनखेमन परमेसर के बचन सुने बर जुर गीन। 45जब यहूदीमन मनखे के भीड़ ला देखनि, त जलन ले भर उठनि अऊ ओमन पौलुस के बात के बरिोध करके ओकर बेजतूती करनि।

46तब पौलुस अऊ बरनबास नडिर होके ओमन ला कहनि, “हमन के दुवारा पहिली परमेसर के बचन तुमन ला सुनाना जरूरी रहिसि, पर तुमन ओला गरहन नई करेव अऊ अपनआप ला परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी के काबलि नई समझेव। एकरसेती, हमन आनजातमन कीर्ति जावत हन। 47काबरकी परभू ह हमन ला ए हुकूम दे हवय,

‘मेंह तोला आनजातमन बर एक अंजोर

ठहराय हवंव

ताकी तेंह जम्मो संसार बर उद्धार के
रसता बन।’ ”

48जब आनजातमन एला सुनिनि, त ओमन

खुस होईन अऊ परभू के बचन के महिमा करनि अऊ जतेक मनखेमन परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी बर चुने गे रहिनि, ओमन बसिवास करनि।

49परभू के बचन ह ओ जम्मो प्रदेस म फइल गीस। 50पर यहूदीमन, बड़े घराना के परमेसर ले डरइया माईलोगन ला अऊ सहर के बड़े मनखेमन ला भड़काईन, अऊ ओमन पौलुस अऊ बरनबास के बरिध म उपद्रव करवाके ओमन ला अपन प्रदेस ले नकार दीन। 51एकरसेता पौलुस अऊ बरनबास ओमन के बरिध के रूप म अपन गोड़ के धूरा ला झूरा के इकुनियुम सहर चल दीन। 52अऊ चेलामन आनंद अऊ पबतिर आतमा ले भरपूर होवत गीन।

इकुनियुम म

14 अपन आदत के मुताबकि, इकुनियुम म घलो पौलुस अऊ बरनबास यहूदीमन के सभा घर म गीन। उहां ओमन अइसने परभावसाली ढंग ले गोठियाईन कि बहुते यहूदी अऊ आनजातमन बसिवास करनि। 2पर बसिवास नई करइया यहूदीमन आनजातमन ला भड़काईन अऊ ए भाईमन के बरिध म ओमन के मन म जहर भरनि। 3पौलुस अऊ बरनबास उहां बहुत दनि तक रहनि, अऊ परभू के सेवा बड़े हमिमत के संग करनि। परभू ह ओमन के दुवारा चनिहां-चमतकार अऊ अचरज के काम देखाके अपन अनुग्रह के संदेस ला मजबूत करत गीस। 4पर सहर के मनखेमन म फूट पड़ गे; कुछ मनखेमन यहूदीमन कोर्ता अऊ कुछ मनखेमन प्रेरितमन कोर्ता हो गीन। 5आनजातमन अऊ यहूदीमन अपन अगुवामन संग प्रेरितमन ला सताय बर अऊ ओमन के ऊपर पत्थरवाह करे बर सडयंत्र करनि। 6पर प्रेरितमन ला ए बात के पता चल गीस, अऊ उहां ले ओमन लुकाउनिया छेत्र के लुसूत्रा अऊ दरिबे सहर म अऊ आस-पास के जगह म भाग गीन, 7अऊ उहां सुघर संदेस सुनाय लगनि।

लुसूत्रा अऊ दरिबे म

8लुसूत्रा सहर म एक खोरवा मनखे बईठे रहिसि, जेकर गोड़मन जनम ले दुरबल रहिनि अऊ ओह कभू नई रेंगे रहिसि। 9ओह पौलुस के गोठ ला सुनत रहिसि। पौलुस ह ओला टकटकी लगाके देखसि अऊ जान गीस कि ओला बने होय के बसिवास हवय। 10तब पौलुस ह ऊंचहा अवाज म ओला कहसि, “अपन गोड़ म ठाढ़ हो जा!” अतकी म ओ मनखे ह कूदके ठाढ़ हो गीस अऊ चले फरि लगसि।

11जब मनखेमन पौलुस के ए काम ला देखनि, त ओमन लुकाउनिया भासा म चचियाके कहनि, “देवतामन मनखेमन के रूप म हमर करा उतर आय हवय।” 12ओमन बरनबास ला “ज्यूस” देवता अऊ पौलुस ला “हरिमेस” देवता कहनि, काबरकि पौलुस ह गोठ-बात करे म मुखिया रहिसि। 13ज्यूस देवता के मंदिर ओमन के सहर के बाहरिच म रहिसि। ओ मंदिर के पुजारी ह बइला अऊ फूलमाला धरके सहर के दुवारी (गेट) म गीस, काबरकि ओह अऊ भीड़ के मनखेमन बरनबास अऊ पौलुस ला देवता समझके ओमन के आघू म बर्ला चघाय चाहत रहिनि।

14जब प्रेरित बरनबास अऊ पौलुस ए बात ला सुनि, त दुःखी होके अपन कपड़ा ला चीरनि अऊ भीड़ के भीतर दड़के गीन अऊ चचियाके ए कहनि, 15“हे मनखेमन हो! तुमन ए का करत हव? हमन घलो तुम्हर सहीं मनखे अन। हमन तुमन ला सुघर संदेस सुनावत हन ताकि तुमन ए बेकार चीजमन ला छोड़के जीयत परमेसर कोर्ता फरिव, जऊन ह स्वर्ग, धरती, समुंदर अऊ जऊन कुछ ओम हवय, ओ जम्मो ला बनाय हवय। 16बर्ति जमाना म, ओह जम्मो मनखेमन ला अपन-अपन रसता म चलन दीस। 17तभो ले ओह अपन हाजरी के सबूत देवत रहिसि; ओह अकास ले बारसि अऊ सही समय म फसल देके तुम्हर ऊपर दया देखाईस; ओह तुमन ला बहुतायत ले भोजन देथे अऊ तुम्हर हरिदय ला आनंद ले भर देथे।” 18ए कहे

के बाद घलो, ओमन लटपट मनखेमन ला ओमन बर बलचिघाय ले रोकनि।

19तब कुछू यहूदीमन अंताकिया अऊ इकुनयुिम सहर ले आईन अऊ ओमन मनखे के भीड़ ला अपन कोर्ता कर लीन। ओमन पौलुस ऊपर पत्थरवाह करनि अऊ ओला मरे समझके सहर के बाहरि घसीटके ले गीन। 20पर जब चेलामन पौलुस के चारों कोर्ता जुरनि, त ओह उठसि अऊ सहर ला वापसि चल दीस। दूसर दिन ओह अऊ बरनबास दरिबे सहर ला चल दीन।

सीरिया के अंताकिया सहर म वापसी

21ओमन ओ सहर के मनखेमन ला सुघर संदेस सुनाईन, अऊ उहां बहुत चेला बनाईन। ओकर बाद ओमन लुसूत्रा, इकुनयुिम अऊ अंताकिया ला लहुंट गीन। 22अऊ ओमन चेलामन ला मजबूत करत अऊ बसिवास म बने रहे बर उत्साहति करत गीन। ओमन ए कह्य, “हमन ला परमेसर के राज म प्रवेस करे बर बहुत तकलीफ उठाना पड़ही।” 23पौलुस अऊ बरनबास हर एक कलीसिया म अगुवा ठहराईन अऊ उपास अऊ पराथना करके ओमन ला परभू के हांथ म सऊंप दीन, जेकर ऊपर ओमन बसिवास करे रहिन। 24ओमन पसिदिया ले होवत पंफूलिया प्रदेश म आईन 25अऊ परिगा सहर म परमेसर के बचन सुनाय के बाद, ओमन अतुललिया चल दीन।

26अतुललिया ले ओमन पानी जहाज म चघके अंताकिया म वापसि आईन, जहिं ओमन ला परमेसर के अनुग्रह म ओ काम सऊंपे गे रहिसि, जऊन ला ओमन अब पूरा करनि। 27उहां हबरे के बाद, ओमन कलीसिया के मनखेमन ला एक जगह बलाईन अऊ ओ जम्मो काम जऊन ला परमेसर ह ओमन के दुवारा करे रहिसि, ओ मनखेमन ला बताईन, अऊ ए घलो बताईन कि कइसने परमेसर ह आनजातमन बर बसिवास के रसता खोलसि। 28अऊ ओमन उहां चेलामन के संग बहुत दिन तक रहिन।

यरूसलेम म सभा

15 कुछू मनखेमन यहूदिया ले अंताकिया म आईन अऊ ओमन भाईमन ला ए सखियो लगनि, “यदा मूसा के सखियो रीता के मुताबिक तुम्हर खतना नई होय हवय, त तुम्हर उद्धार नई हो सकय।” 2एकर बारे म पौलुस अऊ बरनबास के, ओमन के संग बहुत झगरा अऊ बाद-बिवाद होईस। एकरसेर्ता ए ठहराय गीस कि पौलुस अऊ बरनबास कुछू अऊ बसिवासीमन के संग, ए बसिय के बारे म चरचा करे बर प्रेरति अऊ अगुवामन करा यरूसलेम जावय। 3कलीसिया के मनखेमन ओमन ला यरूसलेम पठोईन। ओमन फीनीके अऊ सामरिया होवत गीन, अऊ ओमन ए बतावत गीन कि कइसने आनजातमन परमेसर कोर्तलिहुंति। ए बात ला सुनके जम्मो भाईमन बहुत खुस होईन। 4जब ओमन यरूसलेम हबरीन; त कलीसिया, प्रेरति अऊ अगुवामन ओमन के सुवागत करनि। ओमन कलीसिया, प्रेरति अऊ अगुवामन ला बताईन कि परमेसर ह कइसने ओमन के दुवारा बड़े-बड़े काम करे हवय।

5तब फरीसीमन के दल ले जऊन मन बसिवास करे रहिन, ओम ले कुछू झन उठके कहनि, “आनजातमन बर खतना करवाना अऊ मूसा के कानून ला मानना जरूरी ए।”

6तब प्रेरति अऊ अगुवामन ए बसिय के बारे म बिचार करे बर जुरनि। 7बहुत बिचार करे के बाद, पतरस ह ठाढ़ होके कहसि, “हे भाईमन हो! तुमन जानत हव कि कुछू समय पहिली परमेसर ह तुमन ले मोला चुनसि तार्का मोर मुहूं ले आनजातमन सुघर संदेस सुनय अऊ बसिवास करय। 8परमेसर ह मनखे के मन के बिचार ला जानथे अऊ ओह हमन ला देखाईस कि ओह आनजातमन ला घलो हमर सहीं पबतिर आतमा देके गरहन करे हवय। 9ओह बसिवास के दुवारा ओमन के हरिदय ला सुध करके, हमन अऊ ओमन के बीच म कुछू फरक नई करसि। 10अब तुमन काबर परमेसर ला परखे के कोससि करत हवव? तुमन चेलामन के खांथा म अइसने जुआंड़ी

रखत हवव, जऊन ला न तो हमन अऊ न ही हमर पुरखामन उठा सकनि। 11हमन बसिवास करथन की हमर परभू यीसू के अनुग्रह के दुवारा हमन उद्धार पाय हवन, वइसने ओमन घलो उद्धार पाय हवय।”

12एकर बाद, जम्मो सभा के मनखेमन चुपेचाप बरनबास अऊ पौलुस के बात ला सुने लगनि की परमेसर ह कइसने ओमन के दुवारा आनजातमन के बीच म चमतकार के चनिहां अऊ अचरज के काम करसि। 13जब ओमन अपन बात खतम कर लीन, त याकूब ह कहसि, “हे भाईमन, मोर बात ला सुनव। 14समोन ह हमन ला बताईस की कइसने परमेसर ह पहिली-पहल आनजातमन ऊपर दया करसि की ओम ले मनखेमन के एक दल ला अपन बर ले लीस। 15ए बात ह अगमजानीमन के बचन के मुताबकि होईस, जइसने की परमेसर के बचन म लिखे हवय:

16‘एकर बाद मेंह वापसि आहूँ,
अऊ दाऊद के गरि घर ला फेर बनाहूँ,
ओकर खंडहरमन ला,
मेंह फेर बनाहूँ, अऊ मेंह ओला ठाढ़
करहूँ।

17ताकी बांचे मनखेमन
अऊ जम्मो आनजात जऊन मन
मोर नांव के कहे जाथें, परभू ला
खोजंय।

18एला ओही परभू कहत हवय,
जऊन ह संसार ला रचे के समय ले ए
बातमन ला बतावत आय हवय।’

19एकरसेती मोर ए बचिार ए की आनजात म ले जऊन मनखेमन परमेसर कीर्ती लहुँटत हवय, हमन ओमन ऊपर कानून के बोझ ला डारके ओमन ला दुःख झन देवन। 20बलूकी हमन ओमन ला लिखिके पठोवन की ओमन मूरतीमन ला चघाय खाय के चीज, छिनारी काम, गला घोटके मारे पसु के मांस अऊ खून ले दूरहिया रहय। 21काबरकी बहुत पहिली ले हर एक सहर म मूसा के कानून के परचार होवत आवत हवय अऊ एला हर बसिराम दनि सभा के घर म पढ़े जाथे।”

आनजात बसिवासीमन ला सभा के चिट्ठी

22तब प्रेरति अऊ अगुवामन जम्मो कलीसिया के संग फैसला करनि की अपन म ले कुछ मनखे ला चुनय अऊ ओमन ला पौलुस अऊ बरनबास के संग अंताकिया पठोवय। ओमन यहूदा जऊन ला बरसबा कहे जाथे अऊ सीलास ला चुननि। ए दूनो झन भाईमन म मुखिया रहनि। 23ओमन के हांथ म ए चिट्ठी पठोईन:

“अंताकिया सहर अऊ सीरिया अऊ कलिकिया पूरदेस के रहइया आनजात बसिवासी भाईमन ला,

हम प्रेरति अऊ अगुवामन ले जऊन मन की तुम्हर भाई अन,

जोहार मलिय।

24हमन सुने हवन की हमन ले कुछ झन उहां जाके तुम्हर हरिदय ला बचिलति करके तुमन ला दुर्बाधा म डार दे हवय। पर हमन ओमन ला ए हुकूम नई देय रहेंन। 25एकरसेती हमन एक मन होके ए ठीक समझेंन की कुछ मनखेमन ला चुनके अपन मयारू भाई बरनबास अऊ पौलुस के संग तुम्हर करा पठोवन। 26एमन अइसने मनखे अंय, जऊन मन हमर परभू यीसू मसीह खातिर अपन जनिगी ला जोखिम म डारे हवय। 27एकरसेती हमन यहूदा अऊ सीलास ला पठोय हवन, जऊन मन अपन मुहूँ ले घलो हमर लिखे बात ला बताहीं। 28पबतिर आतमा अऊ हमन ला ए ठीक लगसि की ए जरूरी बातमन ला छोड़के अऊ कुछ बोझा तुम्हर ऊपर झन लादे जावय: 29तुमन मूरती म चघाय खाय के चीज ले, लहू ले, गला घोटके मारे पसु के मांस ले अऊ छिनारी काम ले दूरहिया रहव। एमन ले बांचे रहे म तुम्हर भलाई हवय।

खुसी रहव।”

30तब पठोय गे मनखेमन बिदा होके अंताकिया म गीन, जहिं ओमन कलीसिया

के सभा बलाके ओमन ला ओ चट्ठी दीन। 31मनखेमन चट्ठी ला पढ़नि अऊ ओम लखिे उत्साह देवइया संदेस ला सुनके खुस होईन। 32यहूदा अऊ सीलास जऊन मन खुद अगमजानी रहनि, ओमन घलो कतको बात कहकिे भाईमन ला उत्साहति अऊ मजबूत करनि। 33ओमन उहां कुछू दिन बतिकाे भाईमन ले सांतकिे संग बढा होईन, अऊ अपन पठोइयामन करा वापसि लहुंट गीन। 34(पर सीलास ह उहां रूके के फैसला करसि)। 35पौलुस अऊ बरनबास अंताकिया म रूक गीन, जहिं ओमन अऊ कतको आने मन परभू के बचन ला सखिोईन अऊ परचार करनि।

पौलुस अऊ बरनबास म मतभेद

36कुछू दिन के बाद पौलुस ह बरनबास ला कहसि, “आ, जऊन-जऊन सहर म हमन परभू के बचन सुनाय रहें, हमन फेर उहां चलके अपन भाईमन ला देखन कि ओमन कइसने हवय।” 37बरनबास ह यूहन्ना ला जऊन ह मरकुस कहाथे, अपन संग म ले गे बर चाहसि, 38पर पौलुस ह यूहन्ना ला अपन संग ले जाना ठीक नई समझसि, काबरकि ओह पंफूलिया म ओमन ला छोड़ दे रहिसि अऊ ओमन के संग काम म नई गे रहिसि। 39एकर बारे म ओमन म अतेक मतभेद हो गीस कि ओमन एक-दूसर ले अलग हो गीन। बरनबास ह मरकुस (यूहन्ना) ला लेके पानी जहाज म साइप्रस चल दीस। 40पर पौलुस ह सीलास ला अपन संग ले बर चुनसि अऊ भाईमन परभू के अनुग्रह म ओमन ला सऊंपनि। 41ओह कलीसियामन ला मजबूत करत सीरिया अऊ कलिकिया होवत गीस।

पौलुस अऊ सीलास के नवां संगी तीमुथियुस

16 पौलुस ह दरिबे अऊ ओकर बाद लुसुत्रा नगर म आईस, जहिं तीमुथियुस नांव के एक चेला रहय। ओकर दाई ह एक यहूदी बसिवासी रहिसि, पर ओकर ददा ह यूनानी रहिसि। 2लुसुत्रा अऊ इकुनियुम के जम्मो भाईमन तीमुथियुस के बारे

म बने गोठियावय। 3पौलुस ह तीमुथियुस ला अपन संग लेगे बर चाहसि। जऊन यहूदीमन ओ छेत्र म रहत रहनि, ओमन के कारन पौलुस ह ओकर खतना कराईस काबरकि ओ यहूदीमन जानत रहय कि तीमुथियुस के ददा ह यूनानी रहिसि। 4तब सहर-सहर जा-जाके ओमन ओ नयिमन ला मनखेमन ला माने बर कहनि, जऊन ला यरूसलेम के प्रेरित अऊ अगुवामन ठहराय रहनि। 5ए कसिम ले कलीसियामन बसिवास म मजबूत होवत गीन अऊ हर दिन गनती म बढ़त गीन।

पौलुस के दरसन

6पौलुस अऊ ओकर संगीमन फूरगिया अऊ गलातिया प्रदेश होवत गीन। पबतिर आतमा ह ओमन ला एसिया प्रदेश म परमेसर के बचन सुनाय बर मना करसि। 7जब ओमन मूसिया के सीमना म आईन, त उहां ले ओमन बतूनिया जाय के कोससि करनि, पर यीसू के आतमा ह ओमन ला उहां जाय बर मना करसि। 8एकरसेत ओमन मूसिया ले होवत त्रोआस सहर म आईन। 9पौलुस ह रतहिया एक दरसन देखसि कि मकदिनिया के एक मनखे ह ठाढ़ होके ओकर ले ए बनिती करत हवय, “मकदिनिया म आके हमर मदद कर।” 10पौलुस के दरसन देखे के बाद, हमन तुरते मकदिनिया जाय बर तयार हो गेन, ए समझके कि परमेसर ह हमन ला उहां के मनखेमन ला सुघर संदेस सुनाय बर बलावत हवय।

लुदिया ह यीसू ऊपर बसिवास करथे

11त्रोआस ले पानी जहाज म चघके हमन सीधा सुमात्रा दीप पहुंचेन अऊ उहां ले दूसर दिन नियापुलसि सहर म आयेंन। 12उहां ले हमन फलिप्पी हबरेन, जऊन ह एक रोमन बस्ती ए अऊ मकदिनिया प्रदेश के एक खास सहर ए अऊ हमन उहां कुछू दिन रहेंन।

13बसिराम के दिन, हमन सहर के दुवारी के बाहरि नदिया करा गेन। हमन ए सोचत रहेंन कि उहां पराथना करे के ठऊर होही। उहां कुछू माईलोगनमन जुरे रहनि। हमन बईठके ओमन के संग गोठियाय लगेन।

14हमर बात ला सुनइयामन म लुदिया नांव के थुआतीरा सहर के बैजनी कपड़ा बेचइया एक माईलोगन रहिसि, जऊन ह परमेसर के भक्त रहिसि। ओह हमर बात ला सुनत रहय। परभू ह ओकर हरिदय ला खोलसि कि ओह पौलुस के संदेस म धयान लगावय। 15जब ओह अऊ ओकर घर के मन बतसिमा लीन, त ओह हमन ला नेवता देके कहसि, “यदि तुमन मोला परभू के बसिवासिनी समझत हव, त आवव अऊ मोर घर म रहव।” अऊ ओह हमन ला राजी करके ले गीस।

पौलुस अऊ सीलास जेल म

16एक बार जब हमन पराथना करे के जगह ला जावत रहें, त हमन ला एक गुलाम टूरी मलिसि, जऊन म अगम के बात बताय के आतमा रहिसि। ओह अगम के बात बताके अपन मालकिमन बर अबबड़ पईसा कमावत रहिसि। 17ओ टूरी ह पौलुस अऊ हमर पाछू आईस अऊ चचियाके कहसि, “ए मनखेमन परम परधान परमेसर के सेवक अंय अऊ तुमन ला उद्धार पाय के रसता बतावत हवय।” 18ओह बहुंत दिन तक अइसनेच करते रहिसि। आखिर म, पौलुस ह बहुंत परेसान हो गीस अऊ पाछू मुड़के ओ टूरी म हमाय आतमा ला कहसि, “यीसू मसीह के नांव म मेंह तोला हुकूम देवत हंव कि ओम ले नकिर आ।” अऊ ओही घरी आतमा ह ओम ले नकिर गीस।

19जब ओकर मालकिमन देखनि कि ओमन के कमई करे के आसा ह चले गीस, त ओमन पौलुस अऊ सीलास ला पकड़के बजार के ठऊर म अधिकारीमन करा घसीटके लाननि। 20ओमन ह ओमन ला नियायधीसमन के आघू म लानके कहनि, “ए मनखेमन यहूदी अंय अऊ हमर सहर म भारी गड़बड़ी करत हवय। 21एमन अइसने रीत-बिधि बतावत हवय, जऊन ला स्वीकार करना या मानना, हम रोमी मनखेमन बर उचित नो हय।”

22तब भीड़ के मनखेमन पौलुस अऊ सीलास के ऊपर चढ़ बईठनि अऊ नियायधीसमन ओमन के कपड़ा उतारके

ओमन ला पटिवाय के हुकूम दीन। 23ओमन ला बहुते कोर्रा मारे के बाद, जेल म डार दीन अऊ जेलर ला हुकूम दीन कि सचेत होके ओमन के रखवारी करय। 24जेलर ह हुकूम के मुताबकि ओमन ला भीतर के खोली म रखसि अऊ ओमन के गोड़ म बेड़ी बांध दीस।

25लगभग आधा रतहिा, पौलुस अऊ सीलास पराथना करत अऊ परमेसर के भजन गावत रहंय अऊ आने कैदीमन एला सुनत रहंय। 26अतकी म अचानक एक भारी भुईंड़ोल होईस। इहां तक कि जेल के नीव घलो डोलन लगसि। तुरते जेल के जम्मो कपाटमन खुल गीन अऊ जम्मो कैदीमन के बेड़ीमन घलो खुल गीन। 27जेलर ह जागसि अऊ जब ओह देखसि कि जेल के कपाटमन खुल गे हवय, त अपन तलवार ला खींचके अपन-आप ला मार डारे चाहसि, काबरकि ओह सोचत रहिसि कि कैदीमन भाग गे हवय। 28पर पौलुस ह चचियाके जेलर ला कहसि, “अपन-आप ला नुकसान झन पहुंचा। हमन जम्मो झन इहां हवन।”

29तब जेलर ह दीया मंगाके तुरते भीतर गीस अऊ कांपत पौलुस अऊ सीलास के गोड़ खालहे गरिसि। 30ओह तब ओमन ला बाहिर लानसि अऊ पुछसि, “हे महाराजमन, उद्धार पाय बर मेंह का करंव?”

31ओमन ह कहनि, “परभू यीसू ऊपर बसिवास कर, त तें अऊ तोर घर के मन उद्धार पाहीं।”

32तब ओमन ओला अऊ ओकर घर के जम्मो मनखेमन ला परभू के बचन सुनाईन। 33ओहीच घरी रतहिा, जेलर ह ओमन ला ले जाके ओमन के घाव धोईस अऊ तब तुरते ओह अऊ ओकर घर के जम्मो मनखेमन बतसिमा लीन। 34ओह पौलुस अऊ सीलास ला अपन घर म लानसि अऊ ओमन ला जेवन कराईस अऊ घर के जम्मो झन आनंद मनाईन, काबरकि ओमन परमेसर ऊपर बसिवास करे रहनि।

35जब बहिन होईस, त नियायधीसमन अपन सपिाहीमन के हांथ जेलर करा ए

हुकूम पठोईन की ओ मनखेमन ला छोड़ देवय। 36 जेलर ह पौलुस ला कहसि, “नयायधीसमन तोला अऊ सीलास ला छोड़ देय के हुकूम दे हवय। अब तुमन सांति से जा सकत हव।”

37 पर पौलुस ह सपिाहीमन ला कहसि, “ओमन बगिर जांच करे हमन ला मनखेमन के आघू म मारनि, जबकि हमन रोमी नागरिक अन अऊ हमन ला जेल म डारनि। अऊ अब ओमन हमन ला चुपेचाप छोड़े ला चाहत हवय। अइसने नई हो सकय। ओमन खुदे इहां आवय अऊ हमन ला जेल ले बाहरि ले जावय।”

38 सपिाहीमन वापसि जाके ए बात नयायधीसमन ला बताईन; तब ओमन ए सुनके डर्रा गीन की पौलुस अऊ सीलास रोमी नागरिक अंय। 39 तब ओमन आके ओमन ला मनाईन अऊ ओमन ला जेल ले बाहरि ले जाके बनिती करनि की ओमन सहर ले चले जावय। 40 जेल ले नकिरे के बाद, पौलुस अऊ सीलास लुदिया के घर गीन, अऊ उहां ओमन भाईमन ले मल्लिन अऊ ओमन ला हमिमत बंधाके उहां ले चल दीन।

थसिसलुनीके सहर म

17 पौलुस अऊ सीलास अमफपिलसि अऊ अपुलोनिया सहर ले होवत थसिसलुनीके सहर म आईन, जहिं यहुदीमन के एक सभा घर रहिसि। 2 जइसने की पौलुस के आदत रहिसि, ओह सभा घर म गीस अऊ तीन बसिराम के दिन तक ओमन के संग परमेसर के बचन म ले तर्क देके बताईस। 3 ओह ए साबति करत ओमन ला समझाईस की मसीह ला दुःख उठाना अऊ मरे म ले जी उठना जरूरी रहिसि। एहीच यीसू जेकर बारे, मेंह तुमन ला बतावत हंव, मसीह अय। 4 तब उहां के कुछू यहुदी अऊ परमेसर के भय मनइया कतको यूनानी मनखे अऊ नामी माईलोगन मन ओकर बात ला मान लीन अऊ ओमन पौलुस अऊ सीलास के संग मल्लि गीन।

5 पर यहुदीमन जलन ले भर गीन। एकरसेति

ओमन बजार ले कुछू खराप मनखेमन ला अपन संग मल्लि लीन अऊ भीड़ लगाके सहर म हो-हल्ला मचाय लगनि। पौलुस अऊ सीलास के खोज म ओमन यासोन के घर आईन ताकि ओमन ला भीड़ के आघू म लानय। 6 पर जब ओमन ला पौलुस अऊ सीलास उहां नई मल्लिनि, त यासोन अऊ कुछू आने भाईमन ला घसीटत सहर के अधिकारीमन करा लाननि अऊ चचियाके कहनि, “ए मनखे जऊन मन जम्मो ठऊर म समस्या खड़े करे हवय, अब इहां आय हवय। 7 अऊ यासोन ह ओमन ला अपन घर म रखे हवय अऊ ए जम्मो झन महाराजा के हुकूम के बरिध करके कहत हवय की यीसू नांव के एक आने राजा हवय।” 8 जब भीड़ के मनखे अऊ सहर के अधिकारीमन ए बात ला सुनिनि, त ओमन म कोलाहल मच गीस। 9 तब ओमन यासोन अऊ बाकी भाईमन ले जमानत लेके ओमन ला छोड़ दीन।

बरिया सहर म

10 रतहिा होतेच ही, भाईमन पौलुस अऊ सीलास ला बरिया सहर पठो दीन। उहां हबरके ओमन यहुदीमन के सभा घर म गीन। 11 बरिया के मनखेमन थसिसलुनीके सहर के मनखेमन ले जादा बने सुभाव के रहनि, काबरकी ओमन बड़े उत्साह के संग परमेसर के बचन ला गरहन करनि अऊ हर एक दिन ए जाने बर परमेसर के बचन म ले खोजय की पौलुस जऊन बात कहत हवय, ओह सच ए की नई। 12 उहां के बहुते यहुदीमन बसिवास करनि अऊ बहुत संख्या म नामी यूनानी माईलोगन अऊ यूनानी मनखेमन घलो बसिवास करनि। 13 जब थसिसलुनीके के यहुदीमन ला ए पता चलसि की पौलुस ह बरिया म परमेसर के बचन के परचार करत हवय, त ओमन उहां घलो पहुंच गीन अऊ मनखे के भीड़ ला भड़काईन अऊ हो-हल्ला मचाय लगनि। 14 तब भाईमन तुरते पौलुस ला समुंदर तीर म पठो दीन, पर सीलास अऊ तीमुथयिस बरिया म रूक गीन। 15 ओ मनखे जऊन मन पौलुस ला पहुंचाय गे रहनि,

ओमन ओला अथेने सहर म ले आईन अऊ सीलास अऊ तीमुथयुस बर पौलुस के ए संदेस लेके लहुंटनि की ओमन जतकी जल्दी हो सके, पौलुस करा आ जावय।

अथेने सहर म

16जब पौलुस ह अथेने म सीलास अऊ तीमुथयुस के बाट जोहत रहिसि, तब सहर ला मूरतीमन ले भरे देखके ओह बहुत उदास होईस। 17एकरसेत आओह सभा घर म यहूदीमन ले अऊ परमेसर के भक्त यूनानीमन ले अऊ बजार म जऊन कोनो मलियं, ओमन ले हर दिन बहस करय। 18कुछू इपिकूरी अऊ इस्तोईकी पंडतिमन ओकर ले बविाद करन लगनि। ओम ले कुछू इन कहनि, “ए बकवादी ह का कहे चाहत हवय?” अऊ आने मन कहनि, “अइसने जान पड़थे की ओह बदिंसी देवतामन के बारे म गोठियावत हवय।” काबरकी पौलुस ह यीसू के अऊ ओकर मरे म ले जी उठे के परचार करत रहय। 19तब ओमन पौलुस ला ले गीन अऊ ओला अरयिपगुस के सभा म लाननि अऊ ओकर ले पुछनि, “का हमन जान सकथन की ए जो नवां बात तेंह बतावत हवस, एह का ए? 20तेंह हमन ला भाला रकम के बात बतावत हस। हमन जाने बर चाहथन की एमन के का मतलब होथे?” 21(अथेने सहर के जम्मो रहइया अऊ परदेसी जऊन मन उहां रहत रहिनि, ओमन नवां—नवां बात कहे अऊ सुने के छोंड़ अऊ कोनो काम म समय नइ बतावत रहिनि)।

22तब पौलुस ह अरयिपगुस के सभा म ठाढ़ होके कहसि, “हे अथेने सहर के मनखेमन, मेंह देखत हंव की तुमन हर बात म बहुत धारमकि अव। 23जइसने की मेंह घूमत-घूमत तुम्हर पूजा-पाठ के चीजमन ला देखत रहेंव, त मोला एक ठन अइसने बेदी दखिसि, जऊन म ए लिखाय रहय—‘एक अनजान ईसवर खातरि’। जऊन ला तुमन बगिर जाने पूजा करत हव, मेंह ओकरेच सुघर संदेस तुमन ला सुनाय चाहत हवंव।

24जऊन परमेसर ह संसार अऊ ओम के

जम्मो चीजमन ला बनाईस, ओह स्वरग अऊ धरती के परभू ए अऊ ओह मनखे के बनाय मंदरिमन म नइ रहय। 25अऊ न तो ओला कोनो चीज के घटी हवय कि मनखे ह काम करके ओकर पूरती कर सकय, काबरकी ओह खुद जम्मो इन ला जनिगी अऊ परान अऊ जम्मो कुछू देथे। 26ओह एकेच मनखे ले जम्मो जात के मनखेमन ला बनाईस की ओमन जम्मो धरती म रहय। ओह ओमन बर समय अऊ रहे-बसे के जगह ठहराईस। 27परमेसर ह अइसने करसि ताकी ओमन परमेसर के खोज म रहय अऊ ओकर करा पहुंचके ओला पा जावय। तभो ले, ओह हमन ले कोनो ले दूरिा नइ ए। 28काबरकी ओही म हमन जीयत अऊ चलत-फरित हवन अऊ हमर जनिगी हवय। जइसने की तुम्हर कुछू कबमिन कहे हवय, ‘हमन ओकर संतान अन।’

29एकरसेत जब हमन परमेसर के संतान अन, त हमन ला ए नइ सोचना चाही की ईसवर ह सोना या चांदी या पथरा के मूरती सहीं ए, जऊन ह मनखे के कारीगरी अऊ सोच ले बनाय जाथे। 30पहिली समय म, परमेसर ह ए किसिम के मनखे के अगयिानता ला धयान नइ दीस, पर अब ओह हर जगह जम्मो मनखेमन ला पाप ले मन फरिय के हुकूम देवत हवय। 31काबरकी ओह एक ठन दिन ठहराय हवय, जब ओह अपन ठहराय मनखे के दुवारा संसार के नयाय सही-सही करही। परमेसर ह ओ मनखे ला मरे म ले जयाके ए बात के सबूत जम्मो मनखेमन ला दे हवय।”

32जब ओमन मरे मनखेमन के फेर जी उठे के बात ला सुनि, त कुछू मनखेमन पौलुस के हंसी उड़ाईन, पर आने मन कहनि, “एकर बारे म हमन तोर ले फेर कभू सुनबो।” 33एकरसेत पौलुस ह सभा ले नकिरके चले गीस। 34तभो ले कुछू मनखेमन पौलुस के बात ला माननि अऊ बसिवास करनि। ओमन म दयिनुसयुस जऊन ह अरयिपगुस सभा के सदस्य रहिसि अऊ दमरसि नांव के एक

माईलोगन घलो रहिसि। ओमन के संग कुछू अऊ मनखेमन घलो रहिनि।

कुरनिथुस सहर म

18 एकर बाद पौलुस ह अथेने ला छोंड़के कुरनिथुस सहर म गीस। 2उहां ओला अक्विला नांव के एक यहूदी मलिसि, जेकर जनम पुनतुस प्रदेस म होय रहिसि। ओह अपन घरवाली प्रसिकल्ला के संग नवां-नवां इटली देस ले आय रहिसि, काबरका महाराजा क्लौदियुस ह जम्मो यहूदीमन ला रोम ले चले जाय के हुकूम दे रहिसि। पौलुस ह ओमन ला देखे बर गीस। 3अऊ काबरका पौलुस ह तम्बू बनाय के धंधा करय अऊ ओमन घलो ओहीच धंधा करय, एकरसेती ओह उहां ओमन के संग रूक गीस अऊ काम करे लगसि। 4पौलुस ह हर बसिराम के दिन, सभा घर म बाद-बिबाद करय अऊ यहूदी अऊ यूनानी मन ला मनाय के कोससि करय।

5जब सीलास अऊ तीमुथियुस मकदिनया ले आईन, त पौलुस ह पूरा-पूरी संदेस सुनाय के काम म लग गीस अऊ ओह यहूदीमन ला ए गवाही देवत रहिसि कीयीसू ह मसीह अय। 6पर जब यहूदीमन बरिध करनि अऊ ओकर बारे खराप बात कहे लगनि, त पौलुस ह बरिध म अपन कपड़ा ला झारके ओमन ला कहसि, “तुम्हर लहू ह तुम्हर मुड़ ऊपर होवय। मेंह नरिदोस अंव। अब ले मेंह आनजातमन करा जाहूं।”

7तब पौलुस ह सभा घर ला छोंड़के तीतुस युसतुस नांव के परमेसर के भक्त के घर म गीस, जेकर घर सभा घर के बाजूच म रहय। 8सभा घर के अधिकारी क्रिसिपुस अऊ ओकर जम्मो घराना परभू म बसिवास करनि; कुरनिथुस सहर के रहइया अऊ बहुते झन घलो पौलुस के बात ला सुनके बसिवास करनि अऊ बतसिमा लीन।

9एक रतहि, परभू ह दरसन म पौलुस ला कहसि, “झन डर, पर कहे जा अऊ चुप झन रह। 10काबरका मेंह तोर संग हवंव, अऊ कोनो चढ़ई करके तोर कुछू नई बगिाड़

सकय, काबरका ए सहर म मोर बहुत मनखे हवय।” 11एकरसेती पौलुस ह डेढ़ साल तक उहां रहिसि, अऊ ओमन ला परमेसर के बचन सखिवत रहिसि।

12जब गल्लियो ह अखया प्रदेस के राजपाल रहिसि, तब यहूदीमन पौलुस ऊपर एक संग चढ़ई करके ओला कचहरी म लाननि, 13अऊ ए कहकिं ओकर ऊपर दोस लगाईन, “ए मनखे ह कानून के खलिाप परमेसर के अराधना करे बर मनखेमन ला सखिवत हवय।”

14जब पौलुस ह बोलनेच वाला रहिसि, त राजपाल गल्लियो ह यहूदीमन ला कहसि, “कहूं एह कुछू अनयाय या अपराध के बात होतसि, त मेंह तुम्हर बात ला सुनतेंव। 15पर जब ए बिबाद ह गोठ अऊ नांव अऊ तुमन के खुद के कानून के बारे म अय, त तुमन खुद ए मामला ला नपिटाव। मेंह अइसने बात के नयाय नई करंव।” 16अऊ ओह ओमन ला कचहरी ले चले जाय के हुकूम दीस। 17तब जम्मो मनखेमन सभा घर के अधिकारी सोसथनिस ला पकड़नि अऊ ओला कचहरी के आधू म मारनि-पीटनि। पर गल्लियो ह ए बात के कुछू चिंता नई करसि।

प्रसिकल्ला, अक्विला अऊ अपुल्लोस

18पौलुस ह कुछू दिन कुरनिथुस म रहिसि, तब ओह भाईमन ला छोंड़के पानी जहाज म प्रसिकल्ला अऊ अक्विला के संग सीरिया देस चल दीस। पर जाय के पहिली ओह कस्त्रिया म अपन मुड़ मुड़ाईस, काबरका ओह मन्नत माने रहिसि। 19जब ओमन इफसुस सहर म हबरनि, त पौलुस ह प्रसिकल्ला अऊ अक्विला ला छोंड़ दीस अऊ ओह खुद सभा घर म जाके यहूदीमन के संग बहस करे लगसि। 20जब ओमन पौलुस ला कहनि की ओह ओमन के संग कुछू अऊ समय तक रहय, त ओह नई मानसि। 21पर ओह ओमन ले ए वायदा करके गीस, “कहूं परमेसर के ईछा होही, त मेंह तुम्हर करा फेर आहूं।” तब ओह पानी जहाज म चघके इफसुस ले चल दीस।

22जब ओह कैसरिया नगर म उतरसि, त ओह जाके कलीसिया के मनखेमन ले भेंट करसि अऊ तब उहां ले अंताकिया नगर चल दीस। 23कुछू समय अंताकिया म बतिया के बाद, पौलुस ह उहां ले चल दीस अऊ गलातिया अऊ फ्रूगिया प्रदेस म जगह-जगह जाके, ओह जम्मो चेलामन ला बसिवास म मजबूत करत गीस।

24अपुल्लोस नांव के एक ज्ञान यहूदी रहय, जेकर जनम सकिन्दरिया सहर म होय रहय। ओह एक बड़वान मनखे रहय अऊ परमेसर के बचन के बने जानकार रहय। ओह इफसुस सहर म आईस। 25ओह परभू के बारे म सकिछा पाय रहिसि। ओह भारी उत्साह ले बात करय अऊ यीसू के बारे म एकदम सही-सही सखिवय, पर ओह सरिपि यूहन्ना के बतसिमा के बात ला जानत रहिसि। 26ओह सभा घर म बेधड़क गोठियाय लगसि। जब प्रसिकलिला अऊ अक्वला ओकर बात ला सुनि, त ओमन ओला अपन घर ले गीन अऊ ओला परमेसर के रसता के बारे म अऊ सही-सही बताईन।

27जब अपुल्लोस ह अखया जाय बर चाहसि, त भाईमन ओला उत्साहति करनि अऊ उहां के चेलामन ला चिट्ठी लिखनि की ओमन ओकर सुवागत करय। अखया पहुंचके, अपुल्लोस उहां ओ मनखेमन के अब्बड़ मदद करसि, जऊन मन परमेसर के अनुग्रह के दुवारा बसिवासी बने रहनि। 28ओह परमेसर के बचन ले सबूत दे देके की यीसू ह मसीह अय, भारी महिनत करके यहूदीमन ला जम्मो मनखेमन के आघू म लबरा साबति करय।

पौलुस ह इफसुस सहर म

19 जब अपुल्लोस ह कुरिन्थुस सहर म रहिसि, त पौलुस ह प्रदेस के भीतरी भाग के सहरमन ले होवत इफसुस म आईस। उहां पौलुस ला कुछू चेलामन मलिनि। 2पौलुस ह ओमन ले पुछसि, “बसिवास करत बखत का तुमन पबतिर आतमा पाय हवव?”

ओमन कहनि, “नई! हमन सुने घलो नई अन की पबतिर आतमा हवय।”

3तब पौलुस ह ओमन ले पुछसि, “त तुमन काकर बतसिमा पाय हवव?”

ओमन ह कहनि, “यूहन्ना के बतसिमा।”

4पौलुस ह कहसि, “यूहन्ना तो पाप ले पछताप करे के बतसिमा दीस अऊ मनखेमन ला कहसि की जऊन ह मोर बाद अवइया हवय, ओकर ऊपर याने की यीसू ऊपर बसिवास करव।” 5ए सुनके ओमन परभू यीसू के नांव म बतसिमा लीन। 6जब पौलुस ह ओमन ऊपर अपन हांथ रखसि, त ओमन ऊपर पबतिर आतमा उतरसि, अऊ ओमन आने-आने भासा बोले अऊ अगमबानी करे लगनि। 7ओमन जम्मो ज्ञान लगभग बारह मनखे रहनि।

8पौलुस ह सभा घर म जाके उहां तीन महिना तक बेधड़क गोठियाईस। ओह मनखेमन ला परमेसर के राज के बारे म समझाय बर बहस करय। 9पर कुछू मनखेमन हठ म आके ओकर बात ला बसिवास नई करनि अऊ मनखेमन के आघू म परभू के रसता के बारे म खराप बात कहनि। एकरसेती पौलुस ह ओमन ला छोड़ दीस अऊ बसिवासीमन ला अपन संग लेके हर दिन तरनुस के भासन-घर म बचिार-बमिरस करे लगसि। 10दू बछर तक ले एहीच होते रहिसि। एकरे कारन एसिया प्रदेस म रहइया जम्मो यहूदी अऊ यूनानी मन परभू के बचन ला सुनि।

11परमेसर ह पौलुस के दुवारा असधारन चमतकार करय। 12मनखेमन रूमाल अऊ अंगछा मन ला पौलुस के देहें म छुआ के बेमरहामन करा ले जावय अऊ ओमन के बेमारी ठीक हो जावय अऊ परेत आतमामन ओमन ले नकिर जावय।

13कुछू यहूदी जऊन मन एती-ओती जाके परेत आतमामन ला नकिारय, ओमन घलो परभू यीसू के नांव लेके अइसने करे के कोससि करनि। ओमन परेत आतमामन ला कहय, “यीसू के नांव म, जेकर परचार पौलुस ह करथे, मेंह तोला हुकूम देवत हंव की नकिर आ।” 14स्क्रिवा नांव के एक

यहूदी मुखिया पुरोहित के सात झन बेटा रहंय अऊ ओमन घलो अइसने करंय। 15 एक परेत आतमा ह ओमन ला कहसि, “यीसू ला मेंह जानथंय अऊ पौलुस ला घलो जानथंय; पर तुमन कोन अव?” 16 तब ओ मनखे जऊन म परेत आतमा रहिसि, ओमन ऊपर झपटसि अऊ ओ जम्मो झन ला बस म कर लीस अऊ ओह ओमन ला अइसने मारसि कि ओमन नंगरा अऊ घायल होके ओ घर ले भाग नकिरनि।

17 जब इफसिस के रहइया यहूदी अऊ यूनानी मन ला ए बात के पता चलसि, त ओमन जम्मो डर्रा गीन अऊ परभू यीसू के नांव के अबबड़ बड़ई होईस। 18 जऊन मन बसिवास करे रहनि, ओम के कतको झन आके खुल्लम-खुल्ला अपन खराप काममन ला मान लीन। 19 जादू-टोना करइयामन ले कतको झन अपन कतिबमन ला संकेलनि अऊ मनखेमन के आधू म ओ कतिबमन ला आगी म बार दीन। जब ओ कतिबमन के दाम के हिसाब करे गीस, त ओह लगभग पचास हजार ड्राचमास के रहिसि। 20 ए कसिम ले परभू के बचन ह चारों खूट फइलत गीस अऊ एकर परभाव बढ़त गीस।

21 ए जम्मो घटना के बाद, पौलुस ह मकदिनया अऊ अखया प्रदेस होवत यरूसलेम जाय के फैसला करसि। ओह कहसि, “उहां जाय के बाद, मोला रोम घलो जाना जरूरी ए।” 22 पौलुस ह अपन मदद करइयामन ले दू झन—तीमुथियुस अऊ इरासतुस ला मकदिनया पठो दीस अऊ खुदे कुछू दिन बर एसिया प्रदेस म रूक गीस।

इफसिस सहर म दंगा

23 ओही समय परभू के रसता के बारे म बहुंत बड़े दंगा होईस। 24 देमेत्रियुस नांव के एक झन सुनार रहय। ओह अरतमिसि देवी के चांदी के छोटे-छोटे मंदिर बनाके कारीगरमन ला बहुंत अकन काम देवय। 25 ओह ओमन ला अऊ आने चीज के कारीगरमन ला एक संग बलाईस अऊ ओमन ला कहसि, “हे मनखेमन हो! तुमन जानत हव कि ए धंधा

ले हमन ला बने आमदनी होवथे। 26 पर तुमन देखत अऊ सुनत हव कि ए मनखे पौलुस ह सरिपि इफसिस म ही नई, पर जम्मो एसिया प्रदेस म कतको मनखेमन ला समझाके ओमन ला भरमा दे हवय। ओह कहथि कि मनखे के बनाय मूर्तीमन ईसवर नो हंय। 27 अब सरिपि ए बात के ही खतरा नई ए कि हमर धंधा के परतसिठा चले जाही बल्कि ए घलो कि महान देवी अरतमिसि के मंदिर तुछ समझे जाही अऊ देवी जऊन ला कि पूरा एसिया प्रदेस अऊ संसार म पूजे जाथे, ओकर जस खतम हो जाही।”

28 जब ओमन ए सुनि, त अबबड़ गुस्सा होईन अऊ चचिया-चचियाके कहनि, “इफसीमन के अरतमिसि देवी महान ए।” 29 अऊ जम्मो सहर म कोलाहल मच गीस। मनखेमन मकदिनया के गयुस अऊ अरसितरुस ला, जऊन मन पौलुस के संगी यातरी रहनि, पकड़ लीन, अऊ एक संग नाचा-घर म दऊड़ गीन। 30 पौलुस ह भीड़ करा जाय बर चाहत रहिसि, पर चेला मन ओला जावन नई दीन। 31 ओ प्रदेस के कुछू अधिकारीमन पौलुस के संगी रहनि। ओमन ओकर करा बनिती करके ए खबर पठोईन कि ओह नाचा-घर म झन जावय।

32 सभा म गड़बड़ी होवत रहिसि। कोनो मन कुछू चीज बर चचियावत रहंय, त कोनो मन आने चीज बर। जादा मनखेमन तो ए नई जानत रहंय कि ओमन उहां काबर जुरे रहनि। 33 भीड़ के कुछू मनखेमन सकिन्दर ला उकसाईन, जऊन ला यहूदीमन आधू म कर दे रहंय। सकिन्दर ह इसारा करसि कि जम्मो चुप हो जावय ताकि ओह मनखेमन के आधू म जबाब दे सकय। 34 पर जब मनखेमन ए जाननि कि ओह यहूदी अय, त ओमन जम्मो झन लगभग दू घंटा तक ए कहकि चचियाईन, “इफसीमन के अरतमिसि महान ए।”

35 तब सहर के बाबू साहेब ह भीड़ ला सांत करके कहसि, “हे इफसिस के मनखेमन! जम्मो संसार ह जानत हवय कि इफसिस सहर ह महान अरतमिसि के मंदिर

अऊ अकास ले गरि ओकर मूर्ती के संरक्षक ए। 36ए बात ला कोनो इनकार नई कर सकयं, त तुमन सांत रहव अऊ बगिर सोचे बचिरे कुछू झन करव। 37तुमन ए मनखेमन ला इहां लाने हवव, जऊन मन न मंदिर ला लूटे हवयं अऊ न हमर देवी के ननिंदा करे हवयं। 38यर्दा देमेत्रियुस अऊ ओकर संगी कारीगरमन ला काकरो बरिध म कोनो सकायत हवय, त कचहरी खुला हवय अऊ उहां हाकमिमन हवयं। ओमन उहां नालसि कर सकथें। 39यर्दा तुमन कोनो अऊ बात के बारे म पुछे चाहत हव, त ओकर फैसला ठहराय गे सभा म करे जाही। 40आज के घटना के कारन हमर ऊपर दंगा करवाय के दोस लगे के खतरा हवय। ए हो-हल्ला करे के, हमर करा कोनो कारन नई ए। हमन एकर बारे म कोनो जबाब नई दे सकन।” 41ए कहे के बाद, ओह सभा ला बदिा कर दीस।

मकदिनया अऊ यूनान के यातरा

20 जब हुल्लड़ ह सांत हो गे, त पौलुस ह चेलांमन ला बलाके ओमन ला उत्साहति करसि अऊ तब ओमन ले बदिा लेके मकदिनया चल दीस। 2ओह ओ इलाका म होवत, मनखेमन ला उत्साहति करत गीस अऊ आखरि म यूनान देस हबरसि। 3ओह उहां तीन महिना तक रहिसि। ओह पानी जहाज म सीरिया जवइयाच रहिसि कां यहूदीमन ओकर बरिध म सडयंत्र करे लगनि। एकरसेर्ता पौलुस ह मकदिनया होवत लहुंट जाय के फैसला करसि। 4ओकर संग बरिया के पुरूस के बेटा सोपतरुस, थसिसलुनीके के अरसितरुस अऊ सकिनुदुस, दरिबे के गयुस अऊ तीमुथयुस, अऊ एसिया प्रदेस के तुखिकुस अऊ तुरफमुस घलो गीन। 5एमन हमर ले आघू जाके, त्रोआस म हमर बाट जोहत रहनि। 6पर हमन बनि खमीर के रोटी के भोज के बाद, फलिप्पी म पानी जहाज चघेन अऊ पांच दिन के बाद, त्रोआस म ओमन करा हबरेन अऊ हमन उहां सात दिन तक रहेंन।

मेरे यूतुखुस ह फेर जनिगी पाथे

7हप्ता के पहिली दिन जब हमन रोटी टोरे बर (परभू भोज बर) जूरेन, त पौलुस ह मनखेमन ले गोठियाय लगसि। दूसर दिन, ओह त्रोआस सहर ले जवइया रहिसि, एकरसेर्ता ओह आधा रतहिा तक गोठियाते रहिसि। 8जऊन ऊपर के कमरा म हमन जुरे रहेंन, उहां बहुत दीयामन बरत रहयं। 9यूतुखुस नांव के एक जवान ह खड्की म बईठे रहय अऊ ओह नींद म झुमरत रहय। जब पौलुस ह बहुत देर तक गोठियातेच रहय, त ओ जवान भारी नींद के कारन तीसरा मंजलि ले भुइयां म गरि पड़सि, अऊ मनखेमन ओला मेरे हुए उठाईन। 10पौलुस ह खालहे उतरसि अऊ ओ मेरे जवान ऊपर पसर गीस अऊ ओला पोटार के कहसि, “घबरावव झन, एह जीयथे।” 11तब ओह फेर ऊपर के कमरा म गीस अऊ रोटी टोरके ओमन के संग खाईस अऊ बहिनियां होवत तक, ओह ओमन ले गोठियाते रहिसि, तब ओह चले गीस। 12मनखेमन ओ जवान ला जीयत घर ले गीन अऊ बहुत सांति पाईन।

पौलुस के बदिई

13हमन पहिली ले पानी जहाज म चघके असुस सहर म गेंन, जहिां पौलुस ह हमर संग जहाज म चघइया रहय। पौलुस ह ए परबंध करे रहय, काबरका ओह उहां रेंगत जवइया रहिसि। 14जब ओह हमन ला असुस म मलिसि, त ओला हमन पानी जहाज म लेके मतिलेने सहर चल देंन। 15अऊ ओकर दूसर दिन हमन उहां ले जहाज खोलके खयुस टापू के आघू म हबरेन। ओकर दूसर दिन हमन सामुस दीप ला पार करेन, अऊ ओकर दूसर दिन हमन मलितुस नगर पहुंचेन। 16पौलुस ह इफसुस ले नकिर जाय के फैसला करसि, काबरका ओह एसिया प्रदेस म समय बतिय नई चाहत रहय। ओह यरूसलेम जल्दी हबरे के कोससि म रहय, तार्का ओह पनितेकुस्त तहियार के दिन यरूसलेम म रहय।

17मलितुस ले पौलुस ह इफसुस म खबर भेजसि कां कलीसिया के अगुवामन ओकर

ले भेंट करंय। 18 जब ओमन आईन, त पौलुस ह ओमन ला कहसि, “तुमन जानत हव कि जब मेंह एसिया प्रदेस म आएंव, त पहिली ही दिन ले, मेंह तुम्हर संग पूरा समय कइसने रहंय। 19 मेंह परभू के सेवा बहुत दिन होके अऊ आंसू बहा-बहाके करेव, हालांकि यहूदीमन के सडयंत्र के कारन मोर ऊपर बहुत समस्या आईस। 20 तुमन जानत हव कि जऊन बातमन तुम्हर फायदा के रहिसि, ओकर परचार करे बर मेंह संकोच नई करेव। पर मेंह तुमन ला मनखेमन के आघू म अऊ घर-घर जाके सखाएव। 21 मेंह यहूदी अऊ यूनानी मन ला जोर देके कहेंव कि ओमन पछताप करके परमेसर कीर्तिलुहटंय अऊ हमर परभू यीसू ऊपर बसिवास करंय।

22 अब, मेंह पबतिर आतमा के दुवारा बाध्य होके यरूसलेम जावत हंव। मेंह नई जानंव कि उहां मोर ऊपर का बतिही। 23 मेंह सरिपि ए जानथंव कि हर सहर म पबतिर आतमा ह मोला चेताथे कि जेल अऊ दुःख-तकलीफ तोर बर तयार हवंय। 24 पर मेंह अपन परान के कुछ फकिर नई करंव; मेंह सरिपि अपन जनिगी के दऊड़ ला अऊ ओ काम जऊन ला परभू यीसू ह मोला दे हवय, याने कि परमेसर के अनुग्रह के सुघर संदेस के गवाही के काम ला पूरा करे चाहथंव।

25 मेंह तुमन जम्मो के बीच म परमेसर के राज के परचार करे हवंव। अऊ अब मेंह जानत हंव कि तुमन कोनो मोर मुहूं फेर कभू नई देख पाहू। 26 एकरसेर्ता मेंह आज तुम्हर आघू म ए बात कहत हंव कि मेंह तुमन जम्मो इन के लहू ले नरिदोस अंव। 27 काबरकि मेंह परमेसर के जम्मो ईछा ला तुमन ला बताय म संकोच नई करेव। 28 एकरसेर्ता तुमन अपन अऊ अपन झुंड के रखवारी करव, जेकर जमिमेदारी पबतिर आतमा ह तुमन ला दे हवय। अऊ परमेसर के कलीसिया के खयाल रखव, जऊन ला ओह अपन खुद के बेटा के लहू ले बसियो हवय। 29 मेंह जानत हंव कि मोर जाय के पाछू जंगली भेड़ियामन तुम्हर बीच म आहीं, अऊ ओमन झुंड ला नास करहीं। 30 अइसने

समय आही, जब तुमन ले कुछ मनखेमन उठहीं अऊ भरमा के चेलांमन ला अपन पाछू कर लहीं। 31 एकरसेर्ता सचेत रहव! अऊ सुरता करव कि मेंह तीन साल ले रात अऊ दिन आंसू बोहा-बोहाके तुमन ले हर एक ला चेताय बर कभू नई छोड़ंय।

32 अब मेंह तुमन ला परमेसर के हांथ अऊ ओकर अनुग्रह के बचन म सऊंपत हवंव, जऊन ह बसिवास म तुम्हर उन्नति कर सकथे, अऊ अपन बर अलग करे गय जम्मो मनखेमन संग तुमन ला उत्तराधिकार (बरासत) दे सकथे। 33 मेंह काकरो चांदी या सोना या कपड़ा के लोभ नई करे हवंव। 34 तुमन खुद जानथव कि मोर इही हांथमन मोर घटी अऊ मोर संगीमन के घटी ला पूरा करे हवंय। 35 मेंह जम्मो चीज म तुमन ला नमूना देखाय हवंव कि अइसने कठोर महिनत करके हमन नरिबल मनखेमन के मदद जरूर करन, अऊ परभू यीसू के बचन ला सुरता करन कि—“लेना ले देना ह जादा धइन ए!”

36 ए कहे बाद, पौलुस ह ओ जम्मो इन संग माड़ी टेकके पराथना करसि। 37 ओ जम्मो इन बहुत रोईन अऊ पौलुस ला पीटार के ओला चूमे लगनि। 38 खास करके, ओमन पौलुस के कहे ए बात ले दुःखी होईन कि—“तुमन मोर मुहूं ला फेर कभू नई देखहू।” तब ओमन ओला पानी जहाज तक छोड़े बर आईन।

पौलुस के यरूसलेम जवाई

21 हमन ओमन ले अलग होय के बाद, पानी जहाज म चघके सीधा कोस दीप म आयेंन। ओकर दूसर दिन हमन रूतुस दीप गेन अऊ फेर उहां ले पतरा नगर गेन। 2 उहां हमन ला एक पानी जहाज मलिसि, जऊन ह फीनीके प्रदेस जावत रहिसि। हमन ओही जहाज म चघके चल देंन। 3 जब हमन ला साइप्रस दीप देखिसि, त हमन ओकर दक्खिनि दिगि ले होवत सीरिया कीर्ता बढेंन अऊ सूर म उतरेंन, जहिं पानी जहाज ले माल उतारे बर रहिसि। 4 उहां कुछ चेलांमन ला

पाके, हमन ओमन के संग सात दिन रहें। ओमन पबतिर आतमा के सामरथ म होके पौलुस ले बनिती करनि की ओह यरूसलेम झन जावय। 5पर जब उहां हमर ठहरे के दिन पूरा होईस, त हमन उहां ले चल दें। अऊ जम्मो चेला अऊ ओमन के घरवाली अऊ लइका मन हमन ला सहर के बाहरि तक अमराय बर आईन, अऊ उहां समुंदर तीर म, हमन माड़ी टेकके पराथना करें। 6अऊ ओमन ले बदिा होय के बाद, हमन पानी जहाज म चघेन अऊ ओमन अपन-अपन घर लहुंट गीन।

7हमन सूर ले समुंदर म यातरा करत पतुलमियसि पहुंचेन; उहां हमन भाईमन ले जोहार-भेंट करेन अऊ ओमन के संग एक दिन रहें। 8दूसर दिन हमन उहां ले चलके कैसरिया सहर म पहुंचेन अऊ उहां सुघर संदेस के परचारक फलिपिपुस के घर म रूकें। ओह यरूसलेम म चुने गे सात सेवक म ले एक झन रहिसि। 9ओकर चार कुवारी बेटी रहिनि, जऊन मन ला अगमबानी करे के बरदान मलि रहिसि।

10हमर उहां कतको दिन रहे के बाद, अगबुस नांव के एक अगमजानी यहूदा प्रदेश ले आईस। 11ओह हमर करा आके पौलुस के कमरपट्टा (बेल्ट) ला लीस अऊ अपन हांथ-गोड़ ला बांधके कहसि, “पबतिर आतमा ह कहत हवय की जऊन मनखे के ए कमरपट्टा अय, ओला यरूसलेम म यहूदीमन अइसने बांधहीं अऊ ओला आनजातमन ला संरूप दिहीं।”

12जब हमन ए बात ला सुनेन, त हमन अऊ उहां के मनखेमन पौलुस ले बनिती करेन की ओह यरूसलेम झन जावय। 13तब पौलुस ह जबाब दीस, “तुमन काबर रोवत अऊ मोर हरिदय ला टोरत हवव? मेंह तो परभू यीसू के नांव खातिर यरूसलेम म न सरिपि बंदी बने बर, पर मेरे बर घलो तयार हवंव।” 14जब हमन पौलुस ला मनाय नई सकें, त कहें, “परभू के ईछा पूरा होवय।”

15कुछ दिन के बाद, हमन तयार होके यरूसलेम सहर चल दें। 16कैसरिया के

कुछू चेलामन घलो हमर संग गीन अऊ हमन ला मनासोन के घर ले गीन, जहां हमन ला ठहरना रहिसि। मनासोन ह साइप्रस दीप के रहइया एक बहुंत पुराना चेला रहिसि।

पौलुस के यरूसलेम म अवई

17जब हमन यरूसलेम हबरेन, त भाईमन बड़े आनंद सहति हमर ले मलिनि। 18दूसर दिन पौलुस ह हमर संग याकूब ले मलि बर गीस, जहां जम्मो अगुवामन जुरे रह्य। 19पौलुस ह ओमन ला जोहार करसि अऊ परमेसर ह ओकर सेवा के दुवारा जऊन कुछू काम आनजातमन के बीच म करे रहिसि, ओह एक-एक करके ओमन ला बताईस।

20जब ओमन ए सुनि, त परमेसर के महिमा करनि। पर ओमन पौलुस ला कहनि, “तैंह देखत हवस, भाई! हजारों यहूदीमन बसिवास करे हवय अऊ ओ जम्मो झन मूसा के कानून ला माने के धुन म हवय। 21ओमन ला तोर बारे म, ए बताय गे हवय की तैंह आनजातमन के बीच म रहइया जम्मो यहूदीमन ला मूसा के कानून ला नई माने के सकिछा देखस। तैंह कहींस की अपन लइकामन के खतना झन करावव या यहूदी रीति-रिवाज के मुताबकि झन चलव। 22ओमन ला जरूर पता चल जाही की तैंह इहां आय हवस। अब हमन का करन? 23एकरसेत जऊन कुछू हमन तोला कहत हवन, वइसनेच कर। हमर संग चार झन मनखे हवय जऊन मन एक मनुनत माने हवय। 24ए मनखेमन ला ले जा अऊ ओमन के संग अपन ला घलो सुध कर अऊ ओमन के खरचा दे, ताकी ओमन अपन मुड़ मुड़वावय। तब जम्मो झन जान जाहीं की जऊन बात तोर बारे म बताय गे हवय, ओह सच नो हय, अऊ तैंह खुद मूसा के कानून के पालन करथस। 25आनजात बसिवासीमन बर हमन ए फैसला करके लिख भेजे हवन की ओमन मूरती के आघू म बली चघाय खाना, लहू, गला घोटके मारे पसु के मांस ले अऊ छिनारी काम ले दूरिा रह्य।” 26दूसर दिन पौलुस ह ओ मनखेमन ला लीस अऊ ओमन के संग अपन-आप ला घलो सुध

करसि। तब ओह मंदिर म गीस अऊ उहां बताईस कि सुध होय के दिन ह कब पूरा होही अऊ ओमन म के हर एक खातरि दान चघाय जाही।

पौलुस के गरिफ्तारी

27जब सात दिन पूरा होवइया रहिसि, तब एसिया प्रदेस के कुछू यहूदीमन पौलुस ला मंदिर म देखनि। ओमन जम्मो मनखेमन ला भड़काके पौलुस ला पकड़ लीन, 28अऊ चचियाके ए कहे लगनि, “हे इसरायल के मनखेमन हो, हमर मदद करव। एह ओही मनखे ए, जऊन ह हर जगह जम्मो मनखेमन ला हमर यहूदी जात, हमर कानून अऊ ए मंदिर के बरिोध म सखिओथे। इहां तक कि ओह यूनानीमन ला मंदिर के भीतर लानके, ए पबतिर जगह ला असुध कर दे हवय।” 29ओमन एकर पहिली इफसिस के रहइया तुरफमिस ला पौलुस के संग सहर म देखे रहनि। एकरसेता ओमन ए समझनि कि पौलुस ह ओला मंदिर म लाने हवय।

30तब जम्मो सहर म खलबली मच गीस। मनखेमन जम्मो कोर्ता ले दऊड़के आईन अऊ पौलुस ला पकड़ लीन, अऊ ओला घसीटत मंदिर के बाहरि ले गीन अऊ तुरते कपाटमन ला बंद कर दीन। 31जब ओमन ओला मार डारे के कोससि करत रहनि, तब रोमी सेनापति ला ए सदेस मलिसि कि जम्मो यरूसलेम सहर म खलबली मच गे हवय। 32तब ओह तुरते कुछू अधिकारी अऊ सैनिक मन ला लीस अऊ दऊड़के भीड़ करा खाल्हे आईस। जब मनखेमन सेनापति अऊ ओकर सैनिकमन ला देखनि, त ओमन पौलुस ला मारे-पीटे ला छोड़ दीन।

33तब सेनापति ह लकठा म आके पौलुस ला बंदी बना लीस अऊ ओला दू ठन संकली म बांधे के हुकूम दीस अऊ ए पुछसि, “एह कोन ए अऊ एह का करे हवय?” 34भीड़ म कोनो कुछू, त कोनो अऊ कुछू चचियावन लगनि, अऊ जब हो-हल्ला के मारे सेनापति ह सच बात ला नई जान सकसि, त ओह पौलुस ला कलिा (गढ़) म ले जाय के हुकूम

दीस। 35जब पौलुस ह कलिा के सीढ़ी करा हबरसि, त भीड़ के उपद्रव के कारन सैनिकमन ओला उठाके ले गीन। 36भीड़ के जऊन मनखेमन ओकर पाछू-पाछू आवत रहनि, ओमन चचिया-चचियाके ए कहत रहय, “एला मार डारव।”

पौलुस के अपन बचाव म बयान

37जब सैनिकमन पौलुस ला कलिा के छावनी म ले जवइया रहनि, त ओह सेनापति ले पुछसि, “का मोला कुछू कहे बर हुकूम मलिही?”

सेनापति ह कहसि, “का तेंह यूनानी भासा जानथस? 38का तेंह मसिर के रहइया ओ मनखे नो हस, जऊन ह कुछू समय पहिली बदिरोह करके चार हजार उग्रवादीमन ला नरिजन प्रदेस म ले गे रहिसि?”

39पौलुस ह कहसि, “मेंह एक यहूदी अंव अऊ कलिकिया के नामी सहर तरसुस के नवासी अंव। मेंह तोर ले बनिती करत हंव कि मोला मनखेमन ले बात करन दे।”

40सेनापति ले हुकूम पाके, पौलुस ह सीढ़ी के ऊपर ठाढ़ होईस अऊ भीड़ ला अपन हांथ ले इसारा करसि। जब ओमन चुप हो गीन, त पौलुस ह ओमन ला इबरानी भासा म कहे लगसि।

22 “हे भाई अऊ ददा मन हो, अब तुमन मोर जबाब ला सुनव।”

2जब ओमन ओला इबरानी भासा म गोठियावत सुनि, त ओमन चुप हो गीन।

तब पौलुस ह कहसि, 3“मेंह एक यहूदी अंव अऊ कलिकिया के तरसुस म पैदा होएँव, पर ए सहर म पले-बढ़े हवंव। गमलीएल के अधीन म रहकि हमर पुरखामन के कानून ला सही ढंग ले सखिँव, अऊ परमेसर के अइसने धुन म रहेंव, जइसने आज तुमन हवव। 4मेंह मरद अऊ माईलोगन जम्मो ला बंदी बना-बनाके जेल म डारेंव, अऊ ए पंथ के बसिवासीमन ला इहां तक सताएँव कि ओमन ला मरवा घलो डारेंव। 5मोर ए बात के, महा पुरोहित अऊ जम्मो महासभा गवाह हवय। अऊ त अऊ ओमन ले

चट्टी लेके, मेंह दमसिक म रहइया यहूदी भाईमन करा जावत रहेव ताकी मेंह उहां ए मनखेमन ला सजा देवाय बर बंदी बनाके यरूसलेम म लानंव।

6लगभग मंझन के बेरा, जब मेंह दमसिक के लकठा हबरेव, त अचानक एक बड़े अंजोर अकास ले मोर चारों खूट चमकसि। 7मेंह भुइयां म गरि पड़ेव अऊ ए अवाज सुनेव, ‘हे साऊल! हे साऊल! तेंह मोला काबर सतावत हस?’

8मेंह पुछेव, ‘हे परभू! तेंह कोन अस?’

ओह कहसि, ‘मेंह नासरत के यीसू अंव, जऊन ला तेंह सतावत हस।’ 9मोर संगीमन ओ अंजोर ला तो देखनि, पर जऊन ह मोर ले गोठियावत रहय, ओकर बात ला नइ समझनि।

10मेंह कहेव, ‘हे परभू! मेंह का करंव?’

त परभू ह कहसि, ‘उठ अऊ दमसिक जा अऊ जऊन कुछ तोला करे बर हवय, उहां ओ जम्मो बात तोला बताय जाही।’ 11मोर संगीमन मोर हांथ ला धरके मोला दमसिक ले गीन काबरका अंजोर के चमक के मारे मेंह अंधरा हो गे रहेव।

12उहां हनन्याह नांव के एक मनखे मोर करा आईस। ओह मूसा के कानून के मुताबकि एक बने भक्त रहिसि अऊ उहां रहइया यहूदीमन ओकर बहुत आदर करय।

13ओह मोर बाजू म ठाढ़ होके कहसि, ‘हे भाई साऊल! तेंह फेर देखे लग।’ अऊ ओहीच बेरा मेंह देखे लगैव अऊ मेंह ओला देखेव।

14तब हनन्याह ह कहसि, ‘हमर पुरखामन के परमेसर ह तोला चुने हवय की तेंह ओकर ईछा ला जान अऊ ओ धरमी जन ला देख अऊ ओकर मुहू के बात ला सुन। 15तेंह जम्मो मनखेमन के आधू म, ओकर ओ बातमन के गवाह होबे, जऊन ला तेंह देखे अऊ सुने हवस। 16अब तेंह काबर देरी करथस? उठ! बतसिमा ले अऊ ओकर नांव (यीसू) लेके अपन पापमन ला धो डार।’

17एकर बाद, मेंह यरूसलेम लहुंटय अऊ जब मंदिर म पराथना करत रहेव, त मेंह

एक दरसन देखेव। 18मेंह परभू ला देखेव अऊ ओह मोला कहसि, ‘जल्दी कर अऊ यरूसलेम ले तुरते नकिर जा, काबरका ओमन मोर बारे म तोर गवाही ला नइ मानय।’

19मेंह कहेव, ‘हे परभू! ओमन तो खुद जानत हवय की मेंह सभा घरमन म जा-जाके तोर ऊपर बसिवास करइयामन ला जेल म डारत अऊ मारत रहेव। 20जब तोर गवाह सूतफिनस के लहू बहाय जावत रहिसि, त मेंह घलो उहां ठाढ़ रहेव अऊ ओ बात म राजी रहेव अऊ मेंह उहां हतियारामन के कपड़ा के रखवारी करत रहेव।’

21तब परभू ह मोला कहसि, ‘जा! मेंह तोला आनजातमन करा बहुत दूरहा-दूरहा पठोहूं।’ ”

पौलुस अऊ ओकर रोमी नागरकिता

22मनखेमन अब तक पौलुस के बात ला सुनत रहिनि। तब ओमन चचियाके कहनि, “धरती ले एकर नामो नसान मटिा देवव। ओह जीयत रहे के लइक नो हय।”

23जब ओमन चचियावत अऊ अपन-अपन कपड़ा फेंकत अऊ हवा म धूरा उड़ावत रहय, 24तब सेनापती ह हुकूम दीस, “एला, कलिा म ले जावव अऊ एला कोर्रा मारके पुछव की मनखेमन काबर एकर बरिोध म अइसने चचियावत हवय।” 25जब ओमन पौलुस ला कोर्रा मारे बर बांधे लगनि, त ओह उहां ठाढ़ अधिकारी ले कहसि, “का ए उचित ए की तुमन एक रोमी नागरकि ला कोर्रा म मारव अऊ ओ भी ओला बगिर दोसी ठहरिया?”

26जब अधिकारी ह ए सुनसि, त ओह सेनापती करा जाके कहसि, “तेंह ए का करथस? ए मनखे ह तो रोमी नागरकि ए।”

27तब सेनापती ह पौलुस करा आईस अऊ ओकर ले पुछसि, “मोला बता, का तेंह रोमी नागरकि अस?”

पौलुस ह कहसि, “हव जी।”

28सेनापती ह कहसि, “मेंह अपन रोमी नागरकि के पद ला बहुत पईसा देके पाय हवंव।”

त पौलुस ह कहसि, “मेंह तो जनम ले रोमी नागरकि अंव।”

29तब जऊन मन पौलुस के जांच करइया रहिन, ओमन तुरते उहां ले हट गीन। सेनापती खुद ए सोचके डर्रा गीस की पौलुस ह रोमी नागरकि ए अऊ ओह ओला संकली म बंधवाय हवय।

30ओकर आने दिन, सही-सही बात ला जाने बर की यहूदीमन पौलुस ऊपर काबर दोस लगावत हवय, सेनापती ह ओकर संकली ला खुलवा दीस अऊ मुखिया पुरोहितमन ला अऊ जम्मो धरम-महासभा के मनखेमन ला जुरे के हुकूम दीस। तब ओह पौलुस ला लानके ओमन के आघू म ठाढ़ करसि।

23 पौलुस ह धरम-महासभा कोती एकटक देखसि अऊ कहसि, “हे भाईमन हो! मेंह आज तक परमेसर खातरि सही मन से काम करे हवंव।” 2अतकी म महा पुरोहित हनन्याह ह ओमन ला, जऊन मन पौलुस के लकठा म ठाढ़े रहय, ओकर मुहू म मारे के हुकूम दीस। 3तब पौलुस ह ओला कहसि, “हे चूना पोताय भथी! परमेसर ह तोला मारही। तेंह उहां कानून के मुताबकि मोर नियाय करे बर बईठे हवस, पर कानून के उल्टा मोला मारे के हुकूम देवत हसम।”

4पौलुस के लकठा म ठाढ़े मनखेमन ओला कहनि, “तेंह परमेसर के महा पुरोहित के बेजतूती करत हस।”

5पौलुस ह कहसि, “हे भाईमन हो! मेंह नई जानत रहेंव की एह महा पुरोहित ए, काबरकी परमेसर के बचन ह कहथि, ‘अपन मनखेमन के हाकमि के बारे म खराप बात झन कह।’”

6तब पौलुस ह ए जानके की इहां कुछू सदूकी अऊ फरीसी मन घलो हवय, ओह महासभा म कहसि, “हे मोर भाईमन! मेंह एक फरीसी अंव अऊ एक फरीसी के बेटा अंव। मुरदामन के फेर जी उठे के मोर आसा के बारे म मोर ऊपर मुकदमा चलत हवय।” 7जब पौलुस ह ए बात कहसि, त फरीसी अऊ सदूकी मन म झगरा होय लगसि अऊ सभा म

फूट पड़ गे। 8(काबरकी सदूकीमन बसिवास करथें की मुरदामन नई जी उठय अऊ न स्वरगदूत हवय, न आतमा; पर फरीसीमन ए जम्मो बात म बसिवास करथें)।

9तब अब्बड़ हो-हल्ला होईस अऊ फरीसी दल के कानून के कुछू गुरूमन ठाढ़ होके जोरदार बहस करन लगनि अऊ कहनि, “हमन ए मनखे म कोनो खराप बात नई पावत हवन। कहूं कोनो आतमा या स्वरगदूत एला कुछू कहे हवय, त का होईस?” 10जब बहुंत झगरा होय लगसि, त सेनापती ह डर्रा गे की कहूं ओमन पौलुस के कुटी-कुटी झन कर डारय। एकरसेति, ओह सैनिकिमन ला हुकूम दीस की ओमन उतरके पौलुस ला मनखेमन के बीच ले नकार लें अऊ ओला कलिा म ले जावय।

11ओ रतहिा परभू ह पौलुस के लकठा म ठाढ़ होके कहसि, “हमिमत रख। जइसने तेंह यरूसलेम म मोर गवाही दे हवस, वइसने तोला रोम म घलो मोर गवाही दे बर पड़ही।”

पौलुस के हतिया के सडयंत्र

12ओकर दूसर दिन, बहिनियां, यहूदीमन एक सडयंत्र करनि अऊ ए कसम खाइन की जब तक हमन पौलुस ला नई मार डारबो, तब तक हमन न तो कुछू खाबो, न पीबो। 13चालीस ले जादा मनखे ए सडयंत्र म सामलि रहनि। 14ओमन मुखिया पुरोहित अऊ अगुवामन करा गीन अऊ कहनि, “हमन कसम खाय हवन की जब तक हमन पौलुस ला नई मार डारन, तब तक हमन कुछू नई खावन। 15अब तुमन अऊ धरम महासभा के सदस्यमन सेनापती ला समझावव की ओह पौलुस ला तुम्हर आघू म लानय, ए ढोंग करव की तुमन ओकर बारे म अऊ सही-सही बात जाने चाहत हव। पर ओकर इहां आय के पहिली हमन ओला मार डारे बर तयार हवन।”

16पर जब पौलुस के भांचा ह ए सडयंत्र के बारे सुनसि, त ओह कलिा म जाके पौलुस ला बताईस।

17तब पौलुस ह एक अधिकारी ला बलाके

कहसि, “ए जवान ला सेनापती करा ले जावय। एह ओला कुछू बताय चाहत हवय।”

18ओ अधिकारी ह पौलुस के भांचा ला सेनापती करा ले जाके कहसि, “ओ कैदी पौलुस ह मोला बलाके कहसि कि ए जवान ला तोर करा ले आवंव। एह तोला कुछू बताय चाहत हवय।”

19सेनापती ह जवान के हांथ ला धरके अलग ले गीस अऊ ओकर ले पुछसि, “तेंह मोला का बताय चाहत हस?”

20ओह कहसि, “यहूदीमन एका करे हवय कि ओमन तोर ले बनिती करहीं कि किल पौलुस ला धरम-महासभा म लाने जावय, मानो धरम-महासभा ह ओकर बारे म अऊ सही-सही बात जाने चाहत हवय। 21पर तेंह ओमन के बात ला झन मानबे, काबरकि ओम ले चालीस ले जादा मनखेमन पौलुस के घात म हवय। ओमन ए कसम खाय हवय कि जब तक ओमन पौलुस ला नई मार डारहीं, तब तक ओमन न तो खाहीं अऊ न पीहीं। ओमन अभी तयार हवय अऊ तोर हुकूम के बाट जोहत हवय।”

22तब सेनापती ह पौलुस के भांचा ला बंदा करसि पर ओला चेताके कहसि, “कोनो ला झन कहबि कि तेंह मोला ए बात बताय हवस।”

पौलुस ला कैसरिया पठोय जाये

23तब सेनापती अपन दू झन अधिकारीमन ला बलाके हुकूम दीस, “दू सौ सैनिक, सत्तर घुड़सवार अऊ दू सौ बरछीधारी मनखेमन ला आज रतहा लगभग नौ बजे कैसरिया जाय बर तयार रखव। 24पौलुस के सवारी बर घोड़ा रखव कि ओला राजपाल फेलकिस् करा सही-सलामत पहुंचा दिये जावय।”

25ओह ए चिट्ठी घलो लिखिस:

26“महा परतापी,

राजपाल फेलकिस् ला क्लौदियुस लुसियास के जोहार।

27ए मनखे ला यहूदीमन धरके के मार डारे चाहत रहिन। पर जब मोला पता

चलसि कि एह रोमी नागरकि ए, त मेंह सेना ले जाके एला छुड़ाके ले आवंव।

28मेंह ए जाने बर चाहत रहेंव कि ओमन एकर ऊपर काबर दोस लगावत रहिन। एकरसेत एला ओमन के धरम-महासभा म ले गेंव। 29तब मोला पता चलसि कि ओमन अपन कानून के बारे म कतको ठन सवाल ला लेके ओकर ऊपर दोस लगावत हवय। पर मार डारे जावय या जेल म डारे जावय लइक ओम कोनो दोस नई ए। 30जब मोला ए बताय गीस कि कुछू यहूदीमन ओकर बरिध म एक सडयंत्र रचे हवय, त मेंह तुरते ओला तोर करा पठो देंव। मेंह ओकर ऊपर दोस लगइयामन ला घलो हुकूम दे हवंव कि ओमन तोर आधू म एकर ऊपर नालसि करय।”

31सैनिकमन ला जइसने हुकूम दिये गे रहिसि, ओमन वइसने करनि। ओमन पौलुस ला रातों-रात अन्तपितरसि सहर ले आईन।

32ओकर आने दिन, ओमन घुड़सवारमन ला पौलुस के संग जाय बर छोड़के, खुद कलिा म लहुंट गीन। 33घुड़सवारमन कैसरिया पहुंचके राजपाल फेलकिस् ला चिट्ठी दीन अऊ पौलुस ला घलो ओला सऊप दीन।

34राजपाल ह चिट्ठी ला पढ़के पुछसि, “ओह कोन प्रदेश के अय?” जब ओह जानसि कि पौलुस ह कलिकिया के अय, 35त राजपाल ह ओला कहसि, “जब तोर ऊपर दोस लगइयामन इहां आहीं, तब मेंह तोर मामला ला सुनहूँ।” तब ओह हुकूम दीस कि पौलुस ला हेरोदेस के महल म पहरा म रखे जावय।

फेलकिस् के आधू म मुकदमा

24 पांच दिन के बाद महा पुरोहित हनन्याह ह कुछू अगुवा अऊ तरितुल्लुस नांव के एक वकील ला लेके कैसरिया आईस। ओमन राजपाल फेलकिस् के आधू म, पौलुस के बरिध म दोस लगाईन। 2जब पौलुस ला बलाय गीस, तब वकील तरितुल्लुस ह फेलकिस् के आधू म

दोस लगाके कहसि, “तोर सासन म हमन ला अबबड़ सांति मिलि हवय, अऊ तोर कुसल परबन्ध के कारन ए देस म कतको सुधार के काम होय हवय। 3हे महा परतापी फेलकिस्! ए बात ला हमन हर जगह अऊ हर किसिम ले धनबाद के संग मानत हवन। 4मेंह तोर अऊ समय नई लेय चाहत हवंव, पर मेंह तोर ले बनिती करत हंव कदिया करके हमर दू-एक बातमन ला सुन ले।

5हमन ए मनखे ला उपद्रव करइया अऊ संसार के जम्मो यहूदीमन म बलवा करइया पाय हवन। अऊ एह नासरीमन के दल के मुखिया ए। 6अऊ त अऊ एह मंदिर ला असुध करे के कोससि करे हवय, एकरसेता हमन एला बंदी बना लेन। 7(हमन अपन कानून के मुताबकि एकर नियाय करे चाहत रहें, पर सेनापती लुसियास ह आके एला जबरन हमर करा ले गीस अऊ एकर ऊपर दोस लगइयामन ला तोर करा पठोय हवय)। 8ए जम्मो बात ला, जेकर बारे म हमन एकर ऊपर दोस लगावत हन, तेंह खुद एकर जांच करके सच ला जान लेबे।”

9यहूदीमन घोले वकील के संग सहमत होके कहनि किए जम्मो बात सही ए।

10जब राजपाल ह पौलुस ला बोले बर इसारा करसि, त पौलुस ह जबाब दीस, “मेंह जानत हंव कि तेंह बहुंत साल ले ए देस के नियायधीस अस; एकरसेता, खुसी से मेंह अपन सफई देवत हंव। 11तेंह असानी से जान सकत हस कि बारह दिन ले जादा नई होवत हवय, जब मेंह यरूसलेम ला अराधना करे बर गेव। 12यहूदीमन मोला न तो मंदिर म, न सभा घर म, न सहर म काकरो संग बविाद करत या भीड़ लगावत पाईन। 13ओमन जऊन बात के दोस मोर ऊपर लगावत हवंव, ओला तोर आघू म सच साबति नई कर सकंय। 14तभो ले मेंह मान लेवत हंव कि जऊन पंथ ला, ओमन कुपंथ कहत हवंव, ओकरे मुताबकि मेंह हमर पुरखामन के परमेसर के अराधना करथंव। जऊन बातमन कानून ले मेल खाथें अऊ अगमजानीमन के कतिाब म लिखे हवंव, ओ जम्मो बात ऊपर

मेंह बसिवास करथंव, 15अऊ मोर घोले ओमन सहीं परमेसर म आसा हवय कि धरमी अऊ अधरमी दूनों मरे के बाद फेर जी उठहीं। 16एकरसेता मेंह हमेसा ए कोससि करथंव कि परमेसर अऊ मनखेमन के आघू म मोर बविक ह साफ रहय।

17बहुंत साल के बाद, मेंह गरीबमन बर अपन मनखेमन के दान पहुंचाय अऊ मंदिर म भेंट चघाय बर यरूसलेम आय रहेंव। 18जब यहूदीमन मंदिर म मोला ए करत पाईन, त रीति-बिधी के मुताबकि मेंह सुध रहेंव। मोर संग कोनो भीड़ नई रहिसि अऊ मेंह कोनो दंगा नई करत रहेंव। 19पर एसिया प्रदेश के कुछ यहूदीमन रहिन; यदा ओमन ला मोर बरिध म कुछ कहना रहिसि, त इहां तोर आघू म आके ओमन ला मोर ऊपर दोस लगाना चाही।

20या आज जऊन मन इहां हाजिर हवंव, ओमन खुद बतावंव कि जब मेंह धरम-महासभा के आघू म ठाढ़ रहेंव, त ओमन मोर म का दोस पाईन? 21एके ठन बात के छोड़, जऊन ला मेंह ओमन के बीच म ठाढ़ होके चचियाके कहे रहेंव कि मरे मन के जी उठे के बारे म, आज मोर तुम्हर आघू म मुकदमा होवत हवय।”

22राजपाल फेलकिस् ह ए पंथ के बात ला ठीक-ठीक जानत रहय। ओह ओ मुकदमा ला बंद करके कहसि, “जब सेनापती लुसियास ह आही, त तुम्हर मामला के फैसला करहूं।” 23ओह सेना के अधिकारी ला हुकूम दीस कि पौलुस ला हवालात म रखे जावय, पर ओला कुछ सुतंतरता दयि जावय अऊ ओकर संगीमन ला ओकर जरूरत के चीजमन के पूरती करे के अनुमती दयि जावय।

24कुछ दिन के बाद, फेलकिस् ह अपन घरवाली दुरसल्ला के संग आईस। दुरसल्ला ह एक यहूदीनी रहिसि। फेलकिस् ह पौलुस ला बलाईस अऊ ओकर ले ओ बसिवास के बारे म सुनसि, जऊन ह मसीह यीसू म हवय।

25पर जब पौलुस ह धरमीपन, संयम अऊ अवइया नियाय के बारे म चरचा करसि, त

फेलकिस् ह डर्रा गीस अऊ कहसि, “अब तेंह जा। जब मऊका मलिही, त मेंह तोला फेर बलाहूं।”

26 फेलकिस् ला पौलुस ले घूस म कुछू रूपिया मलि के आसा घलो रहय, एकरसेर्ता, ओह पौलुस ला घेरी-बेरी बलाय अऊ ओकर ले बात करय।

27 जब दू साल बीत गे, त फेलकिस् के जगह म पुरकयुस फेसतुस राजपाल बनसि। पर फेलकिस् ह यहूदीमन ला खुस करे चाहत रहय, ओकर सेर्ता ओह पौलुस ला जेल म ही छोड़ गीस।

फेसतुस के आघू म मुकदमा

25 ओ प्रदेश म आय के तीन दिन के बाद, फेसतुस ह कैसरिया ले यरूसलेम सहर गीस? 2 जहां मुखिया पुरोहितमन अऊ यहूदीमन के अगुवामन ओकर आघू म पौलुस के बरिध म नालसि करनि। 3 ओमन फेसतुस ले बनिती करके, ए करिपा करे बर कहनि की ओह पौलुस ला यरूसलेम सहर लाने के परबंध करवाय, काबरकी ओमन रसता म ही ओला मार डारे के उपाय करे रहनि। 4 तब फेसतुस ह जबाब दीस, “पौलुस ला कैसरिया म एक कैदी के रूप म रखे गे हवय, अऊ मेंह खुद उहां जल्दी जवइया हंव। 5 तुम्हर कुछू अगुवामन मोर संग चलंय अऊ कहूं ओ मनखे ह कुछू गलत काम करे हवय, त ओकर ऊपर उहां दोस लगावय।”

6 आठ-दस दिन ओमन के संग रहे के बाद, फेसतुस ह कैसरिया गीस। दूसर दिन ओह नयाय आसन म बईठसि अऊ पौलुस ला लाने के हुकूम दीस। 7 जब पौलुस ह आईस, त ओ यहूदी जऊन मन यरूसलेम ले आय रहनि, ओमन ओकर आस-पास ठाढ़ हो गीन अऊ ओकर ऊपर कतको किसिम के दोस लगाईन, पर ओकर सबूत ओमन नई दे सकनि।

8 पौलुस ह जबाब देके कहसि, “मेंह न तो यहूदीमन के कानून के अऊ न मंदिर के, अऊ

न रोम के महाराजा के बरिध म कुछू गलत काम करे हंव।”

9 यहूदीमन ला खुस करे के बचिार ले, फेसतुस ह पौलुस ला कहसि, “का तोर यरूसलेम जाय के ईछा हवय की उहां मोर आघू म, तोर ए मामला नपिटाय जावय।”

10 पौलुस ह कहसि, “मेंह महाराजा के नयाय आसन के आघू म ठाढ़े हंव। मोर मुकदमा के फैसला इहां होना चाही। मेंह यहूदीमन के बरिध म कोनो गलत काम नई करे हंव, जऊन ला तेंह खुद जानथस। 11 तभो ले, कहूं मेंह दोसी अंव अऊ मार डारे जाय के लइक कुछू काम करे हंव, त मेंह मरे बर नई डर्रावंव, पर जऊन बातमन के एमन मोर ऊपर दोस लगावत हंय, यदी ओ बातमन सच नो हंय, त काकरो करा ए अधिकार नई ए की ओह मोला एमन के हांथ म सऊप देवय। मेंह महाराजा करा अपील करत हंव।”

12 तब फेसतुस ह अपन सलाहकारमन के संग बचिार करे के बाद, पौलुस ला जबाब दीस, “तेंह महाराजा करा अपील करे हवस, त तेंह महाराजा करा जाबे।”

फेसतुस ह राजा अगरपिपा के संग सलाह-मसवरी करथे

13 कुछू दिन के बाद, राजा अगरपिपा अऊ बरिनीके, कैसरिया म आईन अऊ फेसतुस ले भेंट करनि। 14 जब ओमन ला उहां रहे बहुत दिन हो गे, तब फेसतुस ह पौलुस के बारे म राजा अगरपिपा ला बताईस, “इहां एक मनखे हवय, जऊन ला फेलकिस् ह कैदी छोड़ गे हवय। 15 जब मेंह यरूसलेम गेव, त मुखिया पुरोहितमन अऊ यहूदीमन के अगुवामन ओकर ऊपर दोस लगाईन अऊ कहनि की ओला दंड दयि जावय।

16 मेंह ओमन ला कहेंव की एह रोमीमन के रवाज नो हय की कोनो मनखे ला दंड के खातरि सऊप दयि जावय, जब तक की ओला अपन ऊपर दोस लगइयामन के आघू म ठाढ़ होके अपन ऊपर लगे दोस के बारे म बयान देय के मऊका नई मलि जावय। 17 जब

ओमन इहां मोर संग आईन, तब मेंह बगिर देरी करे, ओकर आने दनि नयाय आसन म बईठें अऊ ओ मनखे ला लाने के हुकूम देंय। 18जब ओकर ऊपर दोस लगइयामन बोले बर ठाढ़ होईन, त ओमन अइसने कोनो दोस नई लगाईन, जइसने की मेंह समझत रहेव। 19ओमन अपन धरम के बारे अऊ यीसू नांव के कोनो मनखे के बारे म बहस करत रहिन, जऊन ह मर गे रहिसि, पर पौलुस ओला जीयत बतावत रहिसि। 20मेंह उलझन म रहेव की ए बातमन के कइसने पता लगावव, एकरसेती मेंह पौलुस ले पुछेव, 'का तेंह यरूसलेम जाय के ईछा करथस की उहां ए बातमन के फैसला हो सकय।' 21पर पौलुस ह अपन मुकदमा के फैसला महाराजा के इहां करे के अपील करसि। एकरसेती, मेंह हुकूम देवय की जब तक मेंह ओला महाराजा करा नई पठोवव, तब तक ओला पहरा म रखे जावय।"

22राजा अगरपिपा ह फेसतुस ला कहसि, "मेंह खुद ए मनखे के बात ला सुने चाहत हंव।" फेसतुस ह कहसि, "तेंह कल ओकर बात ला सुन सकथस।"

पौलुस ह अगरपिपा के आघू म

23दूसर दनि अगरपिपा अऊ बरिनीके बड़े टाट-बाट के संग दरबार म आईन। ओमन के संग बड़े अधिकारी अऊ सहर के बड़े मनखेमन रहंय। फेसतुस ह पौलुस ला लाने के हुकूम दीस। 24फेसतुस ह कहसि, "हे राजा अगरपिपा अऊ इहां हाजिर जम्मो मनखेमन! तुमन ए मनखे ला देखत हव, जेकर बारे म जम्मो यहूदीमन यरूसलेम म अऊ इहां कैसरिया म घलो चंचिया-चंचियाके मोर करा नालसि करे हवय की एकर अऊ जीयत रहई ठीक नो हय। 25पर मेंह पता लगाके ए पायेंव की एह अइसने कुछू नई करे हवय की एला मार डारे जावय। पर एह महाराजा करा अपील करे हवय, एकरसेती मेंह एला रोम पठोय के फैसला करेव। 26पर एकर बारे म मेंह महाराजा ला का लखिंव? मोला अइसने कोनो बात नई सुझसि। एकरसेती मेंह एला

तुम्हर जम्मो के आघू म अऊ बसिस करके, हे राजा अगरपिपा, तोर आघू म लाने हवव ताकी एला जांचे के बाद, मोला लखिे बर कुछू मलिय। 27काबरकी कैदी ला अइसने पठोना अऊ ओकर खलिाप लगे दोस ला नई लखिना, मोला नयाय संगत नई लगथे।"

26 राजा अगरपिपा ह पौलुस ला कहसि, "तोला अपन बारे म बोले के अनुमती हवय।" तब पौलुस ह अपन हांथ ले इसारा करसि अऊ अपन बचाव म ए कसिम ले जबाब दीस, 2"हे राजा अगरपिपा! यहूदीमन जऊन बात के मोर ऊपर दोस लगावथें, आज तोर आघू म ओकर जबाब देय म, मेंह अपन-आप ला भाग्यवान समझत हंव। 3अऊ बसिस करके एकरसेती की तेंह यहूदीमन के जम्मो रीत-रिवाज अऊ बिबाद मन ला बने करके जानथस। मेंह तोर ले बनिती करत हंव की धीरज धरके मोर बात ला सुन।

4मेंह लइकापन ले लेके अब तक कइसने अपन जनिगी ला अपन देस म अऊ यरूसलेम म जीये हवव, यहूदीमन ओ जम्मो ला जानत हवय। 5ओमन बहुत समय ले मोला जानत हवय, अऊ कहीं चाहंय, त ओमन गवाही घलो दे सकत हैं की मेंह एक फरीसी के रूप म हमर धरम के सबले कठोर पंथ के मुताबकि जनिगी बताय हवव। 6अऊ एह मोर ओ आसा के कारन जेकर वायदा परमेसर ह हमर पुरखामन ले करे रहिसि, मोर ऊपर मुकदमा चलत हवय। 7ओहीच वायदा के पूरा होय के आसा म, हमर बारह गोत्र के मनखेमन अपन जम्मो हरिदय ले दनि अऊ रात परमेसर के सेवा करत आय हवय। हे राजा! इही आसा के कारन, यहूदीमन मोर ऊपर दोस लगावत हवय। 8तुमन एला काबर अबसिवास के बात समझत हव की परमेसर ह मरे मनखे ला जयिथे?

9मेंह घलो ए समझत रहेव की यीसू नासरी के नांव के बरिध म, जऊन कुछू हो सकथे, मोला करना चाही। 10अऊ मेंह यरूसलेम म अइसनेच करेव। मेंह मुखिया पुरोहितमन ले अधिकार पाके परमेसर के बहुते मनखेमन

ला जेल म डारेंव, अऊ जब ओमन मार डारे जावयं, त मेंह ओमन के बरिध म अपन सहमती देवत रहेंव। 11कतको बार मेंह ओमन ला सजा देवाय बर एक सभा घर ले दूसर सभा घर म गेंव, अऊ ओमन ले जबरन यीसू के ननिदा करवाय के कोससि करेव। ओमन के बरिध म गुस्सा के मारे, मेंह ओमन ला सताय बर इहां तक की दूसर देस के सहरमन म घलो गेंव।

12एही काम खातरि, मेंह मुखिया पुरोहितमन ले अधिकारि अऊ हुकूम पाके दमस्कि सहर ला जावत रहेंव। 13तब हे राजा! मंझन के बेरा, रसता म मेंह अकास ले एक अंजोर देखेंव, जऊन ह सूरज ले जादा चमकत रहय अऊ ओह मोर अऊ मोर संगीमन के चारों खूंट चमकसि। 14हमन जम्मो भुइयां म गरि पड़ें, अऊ मेंह इब्रानी भासा म मोर ले ए कहत एक अवाज सुनेंव, 'हे साऊल, हे साऊल, तेंह मोला काबर सतावत हस? नुकला छड़ी म लात मारना तोर बर कठनि ए।'

15तब मेंह पुछेंव, 'हे परभू, तेंह कोन अस?'

त परभू ह कहसि, 'मेंह यीसू अंव, जऊन ला तेंह सतावत हस। 16अब उठ अऊ अपन गोड़ म ठाढ़ हो जा। मेंह तोला एकर खातरि दरसन दे हवंव की मेंह तोला ओ बातमन के सेवक अऊ गवाह बनावंव, जऊन ला तेंह मोर म देखे हवस अऊ जऊन ला मेंह तोला देखाहूं। 17मेंह तोला इसरायली अऊ आनजातमन ले बचाहूं, जेमन करा मेंह तोला पठोवत हवंव। 18मेंह तोला एकरसेति पठोवत हवंव की तेंह ओमन के आंखी ला उधार अऊ ओमन ला अंधियार ले अंजोर कोती अऊ सैतान के सकृत् ले परमेसर कोती बहुर के लान, ताकी मोर ऊपर बसिवास करे के दुवारा ओमन ला पाप के माफी मलिय अऊ परमेसर के चुने मनखेमन के बीच म ओमन जगह पावय।'

19एकरसेति, हे राजा अगरपिपा, मेंह ओ स्वरगीय दरसन के बात ला नई टारंय।

20पहिली मेंह दमस्कि म, तब यरूसलेम म अऊ जम्मो यहूदिया प्रदेस म, यहूदीमन ला

अऊ आनजातमन ला घलो परचार करंय की ओमन पाप ले मन फरिावय अऊ परमेसर कोती लहुंटय अऊ अपन काम के दुवारा मन फरिाय के सबूत देवयं। 21एकरे कारन यहूदीमन मोला मंदिर म पकड़के मार डारे के कोससि करनि। 22पर परमेसर के मदद ले, मेंह आज इहां ठाढ़े हवंव अऊ छोटे-बड़े जम्मो ला बरोबर गवाही देवत हवंव। मेंह ओ बातमन ला छोड़के, अऊ कुछू नई कहत हंव जऊन ला अगमजानीमन अऊ मूसा ह घलो कहसि की ए बातमन पूरा होवइया हवय 23की मसीह ला दुःख उठाय बर पड़ही, अऊ ओह सबले पहिली मरे मन ले जी उठही अऊ अपन यहूदी मनखे अऊ आनजातमन ला उद्धार के संदेस के परचार करही।"

24जब पौलुस ह अपन बारे म अइसने जबाब देवत रहिसि, त फेसतुस ह ओला चचियिके कहसि, "हे पौलुस, तेंह बड़हा गे हवस। तोर बहुते गयान ह तोला बड़हा कर दे हवय।"

25पौलुस ह कहसि, "हे महा परतापी फेसतुस, मेंह बड़हा नो हंव। मेंह सच अऊ गम्भीर बात कहत हंव। 26राजा अगरपिपा घलो ए बातमन ला जानत हवय। मेंह बगिर डरे ओला कह सकत हंव। मोला बसिवास हवय की ए बातमन ओकर ले छुपे नई ए, काबरकी ए बात ह अंधियार म नई होय हवय। 27हे राजा अगरपिपा! का तेंह अगमजानीमन ऊपर बसिवास करथस? मेंह जानत हंव की तेंह करथस।"

28तब राजा अगरपिपा ह पौलुस ला कहसि, "का तेंह सोचथस की ए थोरकन समय म मोला मसीही बना लेबे?"

29पौलुस ह कहसि, "थोरकन समय या बहुते समय म—मेंह परमेसर ले पराथना करत हंव की तें ही नई, पर जम्मो इन जऊन मन मोर बात ला सुनत हवंय, आज ही मोर सहीं बन जावयं। पर मेंह ए नई चाहंव की ओमन मोर सहीं कैदी बनयं।"

30तब राजा अगरपिपा, राजपाल, बरिनीके अऊ जऊन मन ओमन के संग बईठे रहंय, ओ

जम्मो झन ठाढ़ हो गीन। 31 अऊ कमरा ले नकिके एक-दूसर ले गोठियावत ए कहनि, “ए मनखे ह अइसने कुछ नई करे हवय, जेकर कारन एला मार डार जावय या एला जेल म रखे जावय।”

32 तब राजा अगरपिपा ह फेसतुस ला कहसि, “यदी ए मनखे ह रोमी महाराजा करा अपील नई करे होतसि, त एला छोड़े जा सकत रहिसि।”

पौलुस ह पानी जहाज म रोम जाथे

27 जब ए फेसला होईस कि हमन पानी जहाज म इटली देस जाबो, तब ओमन पौलुस अऊ कुछू आने कैदीमन ला यूलयिस नांव के एक सेना के अधिकारी के हाथ म सऊं देन, जऊन ह रोमी पलटन के रहिसि। 2 हमन अद्रमुतियुम के एक पानी जहाज म चघेन, जऊन ह एसिया प्रदेस के तीर के बंदरगाहमन म जवइया रहय। हमन जहाज के लंगर ला समुंदर म खोल देन। थसिसलुनीके के एक मकदिनी मनखे अरसितरखुस घलो हमर संग म रहिसि।

3 ओकर आने दिन हमन सैदा म उतरें, अऊ यूलयिस ह पौलुस ऊपर दया करके ओला ओकर संगीमन करा जाय बर दीस ताकि ओमन पौलुस के जरूरत के चीजमन के पूरती करय। 4 तब उहां ले हमन फेर जहाज म चघेन अऊ हवा ह हमर उल्टा दिगि म बहे के कारन, हमन साइप्रस दीप के आड़ म होवत गेन। 5 हमन कलिकिया अऊ पंफूलिया टापू के समुंदर तीर म ले होवत लूसिया प्रदेस के मूरा म उतरें। 6 सेना के अधिकारी ला उहां सकिन्दरिया के एक पानी जहाज मलिसि, जऊन ह इटली जावत रहय। ओह हमन ला ओही जहाज म चघा दीस। 7 हमन बहुंत दिन तक धीरे-धीरे चलत बड़ मुसकुल म कनडिस नगर हबरेन। हवा ह हमन ला आधू बढ़न नई देवत रहय। एकरसेति, हमन सलमोने टापू के आधू म ले होवत क्रेते दीप के आड़ म चलेन। 8 हमन तीरे-तीर चलत बड़ मुसकुल म सुभ लंगरबारी नांव के एक जगह म हबरेन, जऊन ह लसया सहर के लकठा म रहय।

9 बहुंत दिन हो गे रहिसि अऊ समुंदर के यातरा के जोखिम बढ़ गे रहय, अऊ तब तक उपास के दिन घलो बीत गे रहिसि। एकरसेति पौलुस ह ओमन ला ए सलाह दीस, 10 “हे मनखेमन, मेंह देखत हंव कि हमर ए यातरा म बिपत्ती अवइया हवय अऊ न सरिपि जहाज अऊ माल के बहुंत नुकसान होही, पर हमन ला हमर परान के घलो हानि उठाना पड़ही।” 11 पर सेना के अधिकारी ह पौलुस के बात ला माने के बदले, मांझी अऊ जहाज के मालिक के बात ला मानसि। 12 ओ बंदरगाह ह जड़काला काटे बर ठीक नई रहिसि, एकरसेति बहुते मनखेमन ए कहनि कि जहाज ला खोलके यदी हो सकय, त फीनकिस् तक पहुंचे के कोससि करे जावय अऊ उहां जड़काला काटे जावय। फीनकिस् ह क्रेते के एक बंदरगाह रहिसि, जऊन ह दक्खिन-पछमि अऊ उत्तर-पछमि अंग खुलथे।

समुंदर म आंधी

13 जब हवा ह दक्खिन कोर्ता ले धीरे-धीरे चले के सुरू होईस, त ओमन सोचनि कि ओमन जो चाहथे, ओह पूरा होही। ओमन जहाज ला खोल दीन अऊ क्रेते के तीरे-तीर चले लगनि। 14 पर थोरकन देर म, दीप ले एक बड़े आंधी उठसि जऊन ह उत्तर-पूरबी आंधी कहाथे। 15 आंधी ह जहाज ले टकराईस अऊ जब हवा के उलटा जहाज ला चलाना असंभव हो गीस, त हमन कोससि करे बर छोड़ देन, अऊ अइसने हवा म बोहावत चले गेन। 16 कौदा नांव के एक छोटकन टापू के आड़ म जावत-जावत, हमन बड़ मुसकुल म जहाज के डोंगी ला संभालेन। 17 मनखेमन ओला जहाज म रखनि अऊ जहाज ला संभाले बर ओकर चारों कोर्ता दऊरा (डोर) बांध दीन। सुरतसि के बालू म जहाज के फंस जाय के डर म, ओमन जहाज के लंगर ला खाल्हे उतारनि अऊ जहाज ला अइसने हवा म चलन दीन। 18 आंधी ह भयंकर रूप से जहाज म टकराय लगसि, त दूसर दिन ओमन जहाज के माल ला फटकि लगनि। 19 तीसरा दिन ओमन अपन हांथ ले

जहाज म लदे वजन नापे के मसीन ला फटकि दीन। 20जब हमन ला बहुते दिन तक न सूरज अऊ न तारामन दखिन अऊ लगातार भारी आंधी चलत रहय, त आखिर म हमन हमर बांचे के जम्मो आसा छोड़ देन।

21जब मनखेमन बहुते दिन तक खाना नई खाईन, त पौलुस ह ओमन के आघू म ठाढ़ होके कहसि, “हे मनखेमन, यदा तुमन मोर बात ला सुनके जहाज ला करेते ले नई खोले रहतिव, तब हमन ला ए बपित अऊ हाना नई उठाय पड़तसि। 22पर अब मेंह तुमन ले बनिती करत हंव कि हमिमत करव, काबरका तुमन के काकरो परान के हाना नई होवय, सरिपि जहाज ह नास होही। 23काबरका जऊन परमेसर के मेंह अंव अऊ जेकर मेंह सेवा करथंव, ओकर एक स्वरगदूत ह बति रतहिा मोर करा आके कहसि, 24‘हे पौलुस, इन डर। तोला महाराजा के आघू म ठाढ़ होना जरूरी ए, अऊ परमेसर ह अपन दया ले, ए जम्मो इन के जनिगी ला, जऊन मन तोर संग जावत हवंय, तोला दे हवय।’ 25एकरसेता, हे मनखेमन हो, हमिमत करव, काबरका मोला परमेसर ऊपर बसिवास हवय कि जइसने ओह मोला कहे हवय, वइसनेच होही। 26पर हमन ला कोनो टापू म पहुंचे बर पड़ही।”

पानी जहाज ह डुब जाथे

27चौदह रात हो गे, हमन अद्रिया समुंदर म भटकत फिरत रहें, तब आधा रतहिा के करीब मांझीमन ला लगसि कि ओमन भुइयां के लकठा म आ गे हवंय। 28ओमन पानी के थाह लगाईन, त ओमन एक सौ बीस फुट गहरिा पाईन। थोरकन देर बाद, ओमन फेर गहरिई नापनि, त नब्बे फुट गहरिा पाईन। 29तब ए डरके कि जहाज ह पथरा ले टकरा जाही, ओमन जहाज के पाछू भाग म चार ठन लंगर डारनि अऊ दिन के अंजोर बर पराथना करे लगनि। 30मांझीमन पानी जहाज ले भागे चाहत रहय, एकरसेता ओमन जहाज के आघू म कुछ लंगर डारे के ओढ़र म, डोंगी ला समुंदर म उतार दीन। 31तब पौलुस ह सेना के

अधिकारी अऊ सैनकिमन ला कहसि, “कहू ए मनखेमन जहाज ला छोड़ दीन, त तुमन नई बांचव।” 32तब सैनकिमन डोंगी ले बंधे डोर ला काटके डोंगी ला गरिा दीन।

33बहिन होय के पहिली, पौलुस ह ओ जम्मो इन ला खाना खाय बर समझाईस। ओह कहसि, “आज चौदह दिन हो गे, तुमन आस लगाय हवव अऊ अभी तक ले कुछ नई खाय हवव। 34मेंह तुमन ले बनिती करत हंव कि कुछ खा लेवव। जीयत रहे बर तुमन ला कुछ खाना जरूरी ए। तुमन के काकरो मुड़ के एको ठन बाल घलो बांका नई होवय।” 35ए कहके पौलुस ह कुछ रोटी लीस अऊ जम्मो के आघू म परमेसर ला धनबाद दीस अऊ टोरके खावन लगसि। 36ओमन जम्मो इन उत्साहित होईन अऊ कुछ खाना खाईन। 37हमन जम्मो इन मलिके पानी जहाज म दू सौ छहित्तर मनखे रहें। 38जब खाना खाके ओमन के मन ह भर गे, त अनाज ला समुंदर म फटकि के जहाज ला हरू करन लगनि।

39जब बहिनियां होईस, त ओमन ओ देस ला नई चनिहनि, पर ओमन ला एक रेतिला समुंदर के खाड़ी दिखिसि, तब ओमन उहां जहाज ला टकिाय के फैसला करनि। 40अऊ ओमन लंगरमन ला खोलके समुंदर म छोड़ दीन अऊ संग म पतवारमन के डोर ला घलो खोल दीन अऊ हवा के आघू म पाल ला चघाके, ओमन समुंदर के तीर कोत चले लगनि। 41जहाज ह बालू म फंसके टकि गे। जहाज के आघू के भाग ह बालू म धंस गीस अऊ आघू नई बढ़सि, जबकि पिछिला भाग ह समुंदर के भयंकर लहरा ले टूटके कुटी-कुटी हो गीस।

42तब सैनकिमन कैदीमन ला मार डारे के बचाय करनि, ताकि ओम ले कोनो पानी म उतरके इन भाग सकय। 43पर सेना के अधिकारी ह पौलुस ला बंचाय बर चाहत रहय, एकरसेता ओह ओमन ला अइसने करे बर मना करसि। ओह ए हुकूम दीस कि जऊन मन तऊर सकथें, ओमन पहिली जहाज ले कूदके तीर म हबरंय। 44बांचे मनखेमन लकड़ी के पटिया या जहाज के टूटे चीजमन

के सहारा लेके उहां पहुंच्य। ए किसिम ले जम्मो झन भांठा म पहुंचके बांच गीन।

मलिति दीप के तीर म

28 जब हमन बांचके तीर म आ गेन, तब हमन ला पता चलसि की ए दीप ह मलिति कहे जाथे। 2 दीप के रहइया मनखेमन हमर ऊपर अब्बड़ दया करनि। पानी गरित रहय अऊ जाड़ घलो लगत रहय, एकरसेती ओमन आगी बारनि अऊ हमर सुवागत करनि। 3 पौलुस ह लकड़ी के बोझा बटोरसि अऊ जब ओला आगी म डारत रहिसि, त एक ठन जहरला सांप आगी के आंच पाके नकिरसि अऊ पौलुस के हांथ म लपट गीस। 4 जब दीप के रहइया मनखेमन ओकर हांथ म सांप ला लपटे देखनि, त ओमन एक-दूसर ले कहनि, “ए मनखे ह सही म हतियारा ए। हालाकी एह समुंदर ले बांच तो गीस, पर नियाय ह ओला जीयन नई दीस।” 5 तब पौलुस ह सांप ला आगी म झटकार दीस अऊ ओला कुछू नई होईस। 6 पर मनखेमन ए आसा करत रह्य की पौलुस के देहें ह फूल जाही या ओह अचानक गरिके मर जाही। पर बहुत देर तक देखे के बाद घलो ओला कुछू नई होईस, त ओमन के मन के बचाव बदल गीस अऊ ओमन कहनि, “एह तो कोनो देवता ए।”

7 लकठा म, ओ दीप के मुखिया के कुछू खेत रहय। मुखिया के नांव पुबलियुस रहय। ओह हमन ला अपन घर ले गीस अऊ तीन दिन तक हमर पहुँचई करसि। 8 ओकर ददा ह बेमार रहय। ओला जर आवत रहय अऊ अब्बड़ बहरि फरित रहय। पौलुस ह ओला देखे बर गीस अऊ पराथना करे के बाद ओकर ऊपर अपन हांथ रखसि अऊ ओला चंगा कर दीस। 9 जब अइसने होईस, त दीप के बाकी बेमरहामन घलो आईन अऊ चंगा हो गीन। 10 ओमन हमर बहुत आदर-मान करनि अऊ जब हमन जाय बर तयार होएन, त यातरा बर हमन ला जऊन कुछू चीज के जरूरत रहिसि, ओ जम्मो चीज ओमन दीन।

11 तीन महिना के बाद हमन सकिन्दरिया

के एक पानी जहाज म चघेन, जऊन ला जुड़वां-देवता कहे जावय। ए जहाज ह ओ दीप म जड़काला काटत रहिसि। 12 हमन ह सुरकूसा सहर म हबरेन अऊ उहां तीन दिन तक रूके रहेंन। 13 उहां ले हमन पानी जहाज म रेगायुम सहर पहुंचेन। दूसर दिन दक्खिन दिगि ले हवा चले लगसि अऊ ओकर आने दिन हमन पुतयिली सहर म आयेंन।

14 उहां हमन ला कुछू भाईमन मलिन, जऊन मन हमन ला ओमन के संग एक हप्ता रूके बर कहनि। एकर बाद, हमन रोम सहर गेन। 15 जब रोम म भाईमन हमर आय के बारे म सुनि, त ओमन हमर ले भेंट करे बर अप्पयुस के बजार अऊ तीन-सराय तक आईन। पौलुस ह ओ भाईमन ला देखके परमेसर ला धनबाद दीस अऊ उत्साहित होईस।

रोम म पौलुस के परचार

16 जब हमन रोम हबरेन, त पौलुस ला एके झन रहे के अनुमती मलि गीस, पर एक झन सेनकि ओकर रखवारी करय। 17 तीन दिन के बाद पौलुस ह यहूदीमन के अगुवामन ला बलाईस अऊ जब ओमन जुरनि, त ओमन ला कहसि, “ए मोर संगी यहूदीमन, मेंह हमर मनखेमन के बरिोध म या हमर पुरखामन के रीत-रिवाज के बरिोध म कुछू नई करे हवंव। तभो ले मोला यरूसलेम म बंदी बनाके रोमीमन के हांथ म सकुं दे गे हवय। 18 ओमन मोर ले पुछ-ताछ करनि अऊ मोला छोंड़ दे बर चाहनि, काबरकी ओमन मरितू दंड के लइक मोर म कोनो दोस नई पाईन। 19 पर जब यहूदीमन बरिोध करनि, त मेंह बाध्य होके महाराजा करा अपील करैव, अइसने बात नो हय की मेंह अपन मनखेमन ऊपर कोनो दोस लगाय चाहत रहेंव। 20 एकरे कारन मेंह तुमन ला बलाय हवंव की तुमन ले मलिव अऊ बात-चीत करंव। काबरकी जेकर ऊपर इसरायल के मनखेमन आसा रखथें, ओकर खातिर मेंह ए संकली म जकड़े गे हवंव।”

21 ओमन पौलुस ला कहनि, “हमन ला तोर बारे म यहूदिया ले कोनो चिट्ठी नई

मलि हवय, अऊ न तो हमर संगी यहूदीमन ले कोनो इहां आके तोर बारे म कुछू बताय हवय, अऊ न ही कुछू खराप बात कहे हवय। 22पर तोर का बचायर ए, हमन जाने बर चाहथन, काबरका हमन जानथन की जम्मो जगह मनखेमन ए पंथ के बरिध म गोठियावत हवय।”

23तब ओमन पौलुस बर एक दिन ठहराईन अऊ ओ दिन बहुत मनखेमन पौलुस करा आईन। बहिनियां ले सांझ तक, ओह ओमन ला समझाईस अऊ परमेसर के राज के बारे म संदेस दीस। ओह मूसा के कानून अऊ अगमजानीमन के कतिबमन ले यीसू के बारे म बतावत ओमन ला मनाय के कोससि करसि। 24कुछू मनखेमन ओकर बात ला मान लीन, पर कुछू मनखेमन बसिवास नइ करनि। 25ओमन आपस म एक मत नइ होईन अऊ उहां ले जावन लगनि, जब पौलुस ह ए आखरी बात कह लीस—पबतिर आतमा ह यसायाह अगमजानी के दुवारा तुम्हर पुरखामन ला सच कहे हवय:

26जा अऊ ए मनखेमन ला कह,
‘तुमन सुनत तो रहहि, फेर कभू नइ
समझह;
तुमन देखत तो रहहि, फेर कभू नइ
बुझह।’

27काबरका ए मनखेमन के हरिदय ह कठोर
हो गे हवय,
ओमन अपन कान ला बंद कर ले
हवय,
अऊ अपन आंखी ला मूंद ले हवय।
नइ तो ओमन अपन आंखीमन ले
देखतनि,
अपन कानमन ले सुनतनि, अपन
हरिदय ले समझतनि,
अऊ ओमन मोर कोर्ता लहुंतनि
अऊ मेंह ओमन ला चंगा करतैव।’

28आखरि म पौलुस ह ए कहसि,
“एकरसेती, मेंह चाहथव की तुमन जान
लेवव की परमेसर के उद्धार के संदेस
आनजातमन करा पठोय गे हवय, अऊ ओमन

एला सुनहीं।” 29(पौलुस के अइसने कहे के बाद, यहूदीमन आपस म बहुत बविद करत उहां ले चल दीन।)

30पौलुस ह पूरा दू साल तक करिय के घर म रहसि, अऊ ओह ओ जम्मो झन के सुवागत करय, जऊन मन ओकर ले मलि बर आवंयन। 31ओह नधिड़क होके अऊ बगिर रोक-टोक के परमेसर के राज के परचार करय अऊ परभू यीसू मसीह के बारे म सखिओवय।

a 12 यहूदी कानून के मुताबकि एक मनखे ला बसिराम के दिन म करीब एक किलोमीटर चले के अनुमती रहिसि।

b 18 मत्ती 27:5 कहथि की यहूदा ह अपन-आप ला फांसी चघा लीस। अइसने हो सकथे की ओह बहुत ऊपर ले कूदसि अऊ जऊन रस्सी के उपयोग ओह करत रहिसि, ओह टूट गीस अऊ भुइयां म टकराईस, जेकर कारन ओकर देहें ह फाट गे अऊ ओकर पोटा ह बाहरि नकिर गीस।

c 9 सुतंतर मनखेमन यहूदी बंस के रहनि, जऊन मन ला रोमीमन 63 बी सी म लड़ई के कैदी के रूप म ले गे रहनि अऊ गुलाम के रूप म बेच दे रहनि, पर बाद म, एमन सुतंतर हो गीन। d 4 कसदी के आने नांव मसिपुतामिया रहिसि। e 44 परमेसर ह दस हुकूम ला पथरा के दू ठन पटिया म लिखसि अऊ एला मूसा ला दे दीस तार्का इसरायली मनखेमन ए हुकूममन मानंय। ए पथरा के पटियामन ला “गवाही” कहे जावय (देखव—नरिगमन 25:16, 21)। ए पटियामन तम्बू म संदूक के भीतर रखाय रहनि। f 25 दमस्कि सहर ह पथरा के भीथी ले चारों कोर्ता घेराय रहय अऊ ओम कपाट घलो रहय। ओ समय सहरमन के चारों कोर्ता सुरछा बर दवालि रहय।

g 14 यहूदीमन बर कुछू पसुमन असुध रहनि। यदी यहूदीमन कोनो असुध पसु ला छुवय या खावय, त ओमन रवाज के मुताबकि असुध समझे जावय (लैब्यवस्था 11)। फेर सुध होय बर

ओमन ला बलदिन चघाना पड़य। h 12
 “ज्यूस” ह यूनानी मनखेमन के देवतामन
 के मुखिया रहिसि। “हरिमेस” ह ज्यूस के
 बेटा रहिसि अऊ ओह, ज्यूस अऊ आने
 देवतामन कोतलि गोठ-बात करय। i 19
 अरयिपगुस, मार्स पहाड़ी अऊ अथेने
 सहर के खास अदालत ला दरसाथे अऊ
 ए अदालत के काम ह ओ पहाड़ी ऊपर
 होवय। j 19 एक ड्राचमास ह एक दिन
 के बनी के बरोबर होवय। k 24 सुध
 होय बर जऊन बलदिन चघाय गीस, ओ
 खरचा के भार पौलुस उठाईस। 1 25
 रोमी कानून के मुताबकि, रोमीमन ला
 अइसने सजा नइ देय जा सकय, जेकर ले

ओमन के बेजत्ती होवय। ओमन ला कोर्मा
 म मारना, मारना या कुरुस ऊपर चघाना मना
 रहिसि। m 3 यहूदी कानून के मुताबकि,
 एक मनखे ह नरिदोस समझे जाथे, जब तक
 की ओकर ऊपर लगे दोस ह साबति नइ हो
 जावय (लैब्यवस्था 19:15)। n 30 ए
 दू साल (ए डी 60-62) के दौरान, पौलुस
 ह कतको चट्ठी लिखिस, जऊन म
 इफिसी, कुलुस्सी अऊ फलिप्पी सहर के
 कलीसियामन ला लिखे चट्ठी हवय। एम
 फलिमोन ला लिखे चट्ठी घलो हवय।